रांची, सोमवार
11.05.2026
वर्ष : 11, अंक : 158, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका
website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

पश्चिम एशिया संकट के बीच प्रधानमंत्री ने हैदराबाद में लोगों से पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील की, विदेश यात्रा और सोना खरीदने से बचने की दी सलाह

एजेंसी

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद में पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और वैश्विक संकट के बीच देशवासियों से पेट्रोल-डीजल बचाने, विदेशी यात्राएं टालने, सोने की खरीद कम करने और स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि वैश्विक हालात को देखते हुए विदेशी मुद्रा बचाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और हर नागरिक को इसमें योगदान देना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अपनी जरूरत का पेट्रोल, डीजल और गैस बड़े पैमाने पर विदेशों से आयात करता है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और सप्लाई चेन संकट के कारण पूरी दुनिया में ईंधन और उर्वरकों की कीमतें कई गुना बढ़ चुकी हैं। केंद्र सरकार देशवासियों पर बोझ कम करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन अब नागरिकों को भी अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता देनी होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देशभक्ति केवल देश के लिए मरने में नहीं, बल्कि देश के लिए जीने और अपने कर्तव्यों को निभाने में भी होती है। उन्होंने लोगों से पेट्रोल-डीजल का उपयोग कम करने का आग्रह करते हुए कहा कि जहां मेट्रो सुविधा उपलब्ध है, वहां निजी वाहनों के बजाय मेट्रो का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कार पूलिंग को भी बढ़ावा देने की अपील की और कहा कि माल ढुलाई के लिए रेलवे का अधिक उपयोग होना चाहिए, क्योंकि इलेक्ट्रिक रेलवे से ईंधन की बचत होती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में लोगों ने वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन मीटिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी व्यवस्थाओं को अपनाया था। आज समय की मांग है कि उन व्यवस्थाओं को फिर से प्राथमिकता दी जाए ताकि ईंधन की खपत कम हो और विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास भी देश की बहुत बड़ी मदद कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मध्यवर्ग में विदेश घूमने और विदेशों में छुट्टियां मनाने का चलन तेजी से बढ़ा है, लेकिन मौजूदा संकट के समय लोगों को कम से कम एक वर्ष तक विदेश यात्राएं टालनी चाहिए। भारत में ही अनेक सुंदर पर्यटन स्थल और सुविधाएं मौजूद हैं और लोगों को देश के भीतर पर्यटन को प्राथमिकता देनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सोने की खरीद में भी बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अगले एक वर्ष तक घरों में किसी भी समारोह या कार्यक्रम के लिए सोने के गहनों की खरीद से बचना चाहिए। पहले युद्ध और संकट के समय लोग देशहित में सोना दान कर देते थे और आज जरूरत दान की नहीं, बल्कि संयम की है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि खाने के तेल के आयात पर भी बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है। उन्होंने लोगों से खाने के तेल की खपत कम करने का आग्रह करते हुए कहा कि यदि हर परिवार 10 प्रतिशत तेल का उपयोग कम कर दे तो इससे देश की विदेशी मुद्रा भी बचेगी और लोगों का स्वास्थ्य भी बेहतर होगा। यह देश सेवा और देह सेवा दोनों का कार्य होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत बड़ी मात्रा में रासायनिक उर्वरकों का भी आयात करता है और इसके कारण विदेशी मुद्रा पर भारी दबाव पड़ता है। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की जरूरत बताते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करना होगा। इससे खेतों की उर्वरता भी बचेगी और विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार खेतों में डीजल पंप की जगह सोलर पंप लगाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सौर ऊर्जा और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों को स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को प्राथमिकता देनी चाहिए। घरों में इस्तेमाल होने वाली अनेक छोटी-बड़ी वस्तुएं विदेशों से आ रही हैं और लोगों को इसकी सूची बनाकर धीरे-धीरे स्वदेशी उत्पादों को अपनाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पहले से खरीदी गई विदेशी वस्तुओं को फेंकने की जरूरत नहीं है, लेकिन आगे नई विदेशी वस्तुओं की खरीद से बचना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनने से रोकने वाली ताकतों से सावधान रहने की जरूरत है। देश में कुछ ऐसे प्रयास हुए जिनके कारण कॉपर जैसे क्षेत्रों में भारत को आयात पर निर्भर होना पड़ा। उन्होंने श्रमिक संगठनों और विभिन्न समूहों से भी देशहित को सर्वोपरि रखने की अपील की।

प्रधानमंत्री हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र से वर्चुअल माध्यम से 9,400 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास

विकसित भारत के लक्ष्य को गति देगा तेलंगाना का विकास : प्रधानमंत्री मोदी

बिभा संवाददाता

नई दिल्ली, 10 मई (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में कहा कि राज्यों के विकास के बिना देश का विकास संभव नहीं है और तेलंगाना का विकास विकसित भारत के लक्ष्य को गति देगा। केंद्र सरकार राज्यों के तेज विकास को अपनी योजनाओं का केंद्र बिंदु मानकर काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने रविवार को हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एचआईसीसी) से वर्चुअल माध्यम से 9,400 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पण किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि तेलंगाना का सामर्थ्य राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक भी है। यहां के आसपास के क्षेत्र को देश का बड़ा विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में कई बड़े प्रकल्प शुरू किए जा रहे हैं, जिनसे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा और राज्य की संपर्क व्यवस्था मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत इस समय सुधार और आधुनिक बुनियादी ढांचे की ह्लएक्सप्रेसह्व पर आगे बढ़ रहा है। जहीराबाद औद्योगिक क्षेत्र का विकास इसी सोच का हिस्सा है। यह क्षेत्र एक औद्योगिक स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचा, बेहतर विद्युत आपूर्ति और उन्नत सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी नेटवर्क उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया भर के निवेशकों को उद्योग स्थापित करने के लिए आवश्यक सुविधाएं मिलेंगी।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस औद्योगिक क्षेत्र के विकास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च कर रही है और इससे युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यहां बनने वाले वाहन, मशीनरी और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग किसानों और श्रमिकों को भी सशक्त करेंगे।

प्रधानमंत्री ने वारंगल पीएम मित्र पार्क का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अपनी वस्त्र उद्योग की ऐतिहासिक विरासत को फिर से मजबूत कर रहा है। पीएम मित्र पार्क देश में वस्त्र क्रांति को नई गति देगा और यहां स्थापित होने वाली इकाइयों को केंद्र सरकार की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) का भी लाभ मिलेगा। इससे विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में आधुनिक संपर्क व्यवस्था केंद्र सरकार की बड़ी प्राथमिकताओं में रही है। सड़क, रेलवे और हवाई अड्डों के विकास पर अभूतपूर्व निवेश किया जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर करीब पौने दो लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जिसका लाभ तेलंगाना को भी मिला है। पिछले 11 वर्षों में तेलंगाना में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क दोगुना हुआ है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना और कर्नाटक को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण से यात्रा समय कम होगा और माल ढुलाई की लागत में भी कमी आएगी। प्रधानमंत्री ने रेलवे परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2014 से पहले अविभाजित आंध्र प्रदेश के लिए रेलवे बजट एक हजार करोड़ रुपये से भी कम होता था, जबकि आज केवल तेलंगाना के लिए रेलवे बजट लगभग पांच हजार करोड़ रुपये है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान में राज्य में हजारों करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। तेलंगाना में पांच वंदे भारत और छह अमृत भारत ट्रेनें संचालित हो रही हैं। इसके साथ ही काजीपेट-विजयवाड़ा मल्टी ट्रैकिंग परियोजना के कुछ खंडों तथा काजीपेट रेल अंडर बाईपास लाइन को भी राष्ट्र को समर्पित किया गया।

जोसेफ विजय ने तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

एजेंसी

चेन्नई। तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) अध्यक्ष सी. जोसेफ विजय ने आज तमिलनाडु की बागडोर संभाल ली। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आज सुबह करीब 10 बजे भव्य समारोह में तमिलनाडु के प्रभारी राज्यपाल राजेन्द्र अर्लेकर ने टीवीके प्रमुख विजय को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। विजय ने राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। विजय के शपथ ग्रहण करते ही पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट और नारों से गूंज उठा। विजय के शपथ लेने के बाद एन. आनंद, आदव अजुर्ना, अरुणराज, सेंगोट्टैयन, वेंकटरमणन, निर्मलकुमार, राजमोहन, डी.के. प्रभु और कीर्तना ने मंत्रियों के रूप में शपथ ग्रहण की।

इस समारोह में विजय के परिवार के सदस्य, फिल्म जगत की हस्तियां और गठबंधन दलों के नेता शामिल हुए। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी उपस्थित रहे। तमिलनाडु की राजनीति में वर्ष 2026 को एक नए युग की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। शपथ ग्रहण समारोह में तमिल थाई वंदना गीत की बजाय पहले ह्लवंदे मातरम्ह्व और फिर राष्ट्रगान बजाया गया। इसके बाद तमिल थाई वंदना प्रस्तुत की गई।

गौरतलब है कि तमिलनाडु सरकार के कार्यक्रम सामान्यतः तमिल थाई वंदना से शुरू होकर राष्ट्रगान के साथ समाप्त होते हैं, लेकिन इस समारोह में क्रम बदला हुआ दिखाई दिया। इसी के साथ राज्य की दो प्रमुख पार्टियों डीएमके और एआईएडीएमके के लगभग छह दशक से चले आ रहे बारी-बारी के शासन का अंत हो गया है। विजय गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेंगे। इसमें कांग्रेस एक सहयोगी के रूप में शामिल है।

झारखंड में 13 और 14 मई को तेज बारिश और वज्रपात का अलर्ट

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों में 13 और 14 मई को मौसम का मिजाज बिगड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में गर्जन के साथ बारिश, वज्रपात और तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है।

मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। संभावित खराब मौसम को देखते हुए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग की ओर से बताया गया कि 13 मई को रांची, खूंटी, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, रामगढ़, बोकारो, धनबाद और जामताड़ा जिलों में बारिश और वज्रपात होने की संभावना है। वहीं 14 मई को भी इन जिलों के अलावा दुमका में भी खराब मौसम का असर देखने को मिल सकता है।

इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक वर्षा बोकारो थर्मल में 21.2 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा जमशेदपुर में 20.2 मिमी, सिमडेगा जिले के बानो में 19 मिमी, सिसई में 18 मिमी, बड़कागांव में 16.2 मिमी, चाईबासा में 15.1 मिमी, रामगढ़ डीवीसी में 14.5 मिमी, रांची और हिरणपुर में 14.2-14.2 मिमी तथा खलारी में 14 मिमी बारिश दर्ज की गई।

भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन 31 मई को, पारस्परिक संबंध होंगे मजबूत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अफ्रीकी संघ आयोग के सहयोग से 31 मई को नई दिल्ली में चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन होगा, जो दोनों क्षेत्रों के बीच पारस्परिक संबंधों को प्रगाढ़ करने और भविष्य के सहयोग की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

'आईए स्पिरिटः नवाचार, लचीलापन और समावेशी परिवर्तन के लिए भारत-अफ्रीका रणनीतिक साझीदारी' के मुख्य विषय के साथ होने वाले इस सम्मेलन में अफ्रीकी महाद्वीप के शीर्ष नेता और क्षेत्रीय संगठनों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे, जिसका उद्देश्य भारत की विकास यात्रा को अफ्रीका के 'एजेंडा 2063' के साथ जोड़ना है।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बीते 23 अप्रैल को इस शिखर सम्मेलन के आधिकारिक प्रतीक चिह्न (लोगो), वेबसाइट और थीम का अनावरण किया था, जो इस दीर्घकालिक साझीदारी के बहुआयामी स्वरूप को प्रदर्शित करता है।

मुख्य शिखर सम्मेलन से पूर्व कूटनीतिक स्तर पर बैठकों का दौर शुरू होगा, जिसके तहत 28 मई को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक और 29 मई को भारत-अफ्रीका विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की जाएगी ताकि सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा की जा सके। यह शिखर सम्मेलन वर्ष 2008 में नई दिल्ली से शुरू हुई उस ऐतिहासिक यात्रा का अगला चरण है, जिसने दिल्ली घोषणापत्र और रणनीतिक सहयोग के माध्यम से विकासशील देशों के बीच दक्षिण-दक्षिण सहयोग की एक नई मिसाल पेश की है।

सरकारी वाताओं के साथ-साथ इस बार सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों को नई ऊर्जा देने के लिए भारत-अफ्रीका संगीत एवं नृत्य महोत्सव, बिजनेस डायलॉग, प्रदर्शनी और ट्रैक-2 संवाद जैसे विशेष कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जो दोनों क्षेत्रों के बीच जन-भागीदारी और साझा समृद्धि के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाएंगे।

होर्मुज में पश्चिमी सैन्य मौजूदगी पर ईरान की चेतावनी, कड़ा जवाब देने की बात कही

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में फ्रांस और ब्रिटेन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए चेतावनी दी है कि किसी भी विदेशी सैन्य हस्तक्षेप का सख्त जवाब दिया जाएगा। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि यदि फ्रांस, ब्रिटेन या किसी अन्य देश के युद्धपोत अमेरिका की गैरकानूनी कार्रवाइयों में सहयोग करते हैं, तो तेहरान तत्काल और निर्णायक प्रतिक्रिया देगा।

ईरानी अधिकारियों का यह बयान ऐसे समय आया है जब खाड़ी क्षेत्र में तनाव लगातार बढ़ रहा है और होर्मुज जलडमरूमध्य अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक केंद्र बना हुआ है। पिछले सप्ताह फ्रांस के रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की थी कि उसका परमाणु ऊर्जा से संचालित विमानवाहक पोत चार्ल्स डी गॉल क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है। फ्रांस और ब्रिटेन का कहना है कि उनका उद्देश्य इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर इस संयुक्त मिशन का समर्थन कर रहे हैं। दोनों देशों ने इसे रक्षात्मक अभियान बताया है और कहा है कि इसका मकसद क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखना और अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार को सुरक्षित रखना है।

दूसरी ओर, ईरान का आरोप है कि पश्चिमी देशों की सैन्य तैनाती से हालात और तनावपूर्ण हो सकते हैं। ईरानी नेतृत्व का कहना है कि होर्मुज क्षेत्र की सुरक्षा क्षेत्रीय देशों की जिम्मेदारी है और बाहरी शक्तियों की मौजूदगी से संघर्ष का खतरा बढ़ सकता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से बेहद अहम माना जाता है। दुनिया के बड़े हिस्से का तेल और गैस इसी समुद्री रास्ते से होकर गुजरता है। हाल के महीनों में ईरान, अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के बीच बढ़े तनाव के कारण इस क्षेत्र में सुरक्षा चिंताएं भी तेज हुई हैं।

इजरायली हमलों में 39 लोगों की मौत: लेबनान

एजेंसी

बेरूत: लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजरायल द्वारा लेबनान में किए गए भीषण हमलों में 39 लोग मारे गए। यह जानकारी बीबीसी ने रविवार को दी। मंत्रालय ने कहा कि दक्षिणी शहर सकसाकियाह पर हुए एक इजरायली हमले में एक बच्चे सहित कम से कम सात लोग मारे गए।

इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि वह लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह को निशाना बना रहा था और निर्दोष नागरिकों को हुएनुकसान की रिपोर्टों से अवगत था।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा 16 अप्रैल को इजरायल और लेबनान की सरकारों के बीच युद्धविराम समझौते की घोषणा के बाद से इजरायली सेना और हिजबुल्लाह के बीच गोलीबारी जारी है। इजरायल के अधिकांश हवाई हमले दक्षिणी लेबनान में हुए हैं और आईडीएफ का कहना है कि वह ईरान समर्थित मिलिशिया और राजनीतिक दल हिजबुल्लाह से जुड़ी अवसंरचना और लोगों को निशाना बना रही है।

शनिवार को लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी नेशनल न्यूज एजेंसी (एनएएनए) ने सकसाकियाह सहित पूरे दक्षिण में इजरायली हमलों की सूचना दी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस हमले में शुरूआती तौर पर सात लोग मारे गए, जिनमें एक लड़की भी शामिल है और 15 लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं।

आईडीएफ ने कहा कि उसने इलाके में सैन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक इमारत के अंदर से सक्रिय हिजबुल्लाह आतंकवादियों पर हमला किया। उसने आगे कहा, हमले से पहले, नागरिकों को होने वाले नुकसान के जोखिम को यथासंभव कम करने के लिए कदम उठाए गए, जिनमें सटीक गोलाबारी और हवाई निगरानी शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

राजग विधायक दल के नेता चुने गए डॉ. हिमंत बिस्व सरमा

गुवाहाटी। असम में लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को होगा। आज असम प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में राजग विधायक दल के नेता के रूप में निवर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा को सर्वसम्मति से चुन लिया गया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय पर्यवेक्षक केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मौजूद रहे। नड्डा ने विधायक दल की बैठक में विधायकों से परामर्श के बाद डॉ. हिमंत बिस्व सरमा को राजग विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की। डॉ. हिमंत बिस्व सरमा का नाम आठ वरिष्ठ विधायकों ने प्रस्तावित किया। रंजीत कुमार दास, बिश्वजीत दैमारी, अजंता नेओग, रामेश्वर तेली, राजदीप राय, अशोक सिंघल, पीयूष हजारिका, चक्रधर गोगोई ने उनके नाम का अनुमोदन किया। इसके बाद जेपी नड्डा ने डॉ. सरमा के नाम की घोषणा की। विधायक दल के नेता के नाम की घोषणा होते ही भारत माता की जय, जय श्री राम के नारों से पूरा भाजपा मुख्यालय गूंज उठा।

अशोक कुमार पंडा ने सेल के सीएमडी का कार्यभार संभाला

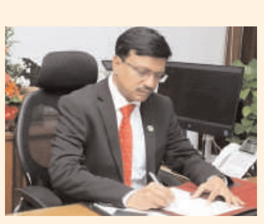

नई दिल्ली। डॉ. अशोक कुमार पंडा ने शनिवार को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में कार्यभार को संभाल लिया है। पांडा ने अमरेंदु प्रकाश की जगह ली, जिनका कार्यकाल 01 अप्रैल को समाप्त हो गया था। अशोक कुमार पांडा इससे पहले कंपनी के निदेशक (वित्त) के रूप में काम कर रहे थे। इस दौरान लगभग 9 महीनों तक उनके पास निदेशक (वाणिज्यिक) का अतिरिक्त प्रभार भी रहा। डॉ अशोक कुमार पांडा ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बी.ई. पूरा करने के बाद वर्ष 1992 में मैनेजमेंट ट्रेनी (तकनीकी) के रूप में सेल में अपने करियर की शुरूआत की थी। वे विगत 3 दशकों से अधिक की अपनी विशिष्ट सेवा, अटूट समर्पण और दृढ़ संकल्प के बल पर वह कंपनी के भीतर नेतृत्व के उच्चतम स्तर तक पहुंचे हैं।

कुलडा जंगल के पास तेज रफ्तार बाइक पुलिया से टकराई, दो युवक गंभीर घायल

बिभा संवाददाता

खूँटी । तेज गति वाहन परिचालन पर न तो चलाने वाले नियंत्रण कर रहे हैं और न ही बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले लोगों पर फाईन ठोंकने वाले पदाधिकारी ही लगाम लगा पा रहे हैं। जिसके कारण खूँटी जिले में सड़क दुर्घटना से काफी जान-माल की क्षति है रही है। जिसमें एक घटना रविवार को तोरपा थाना क्षेत्र के कुलड़ा जंगल के समीप हुई है। जो कि खूंटी-कोलेबिरा मुख्य पथ पर रविवार को एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पुलिया की रेलिंग से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सड़क से करीब 10 फीट नीचे जा गिरी।

हादसे में रनिया थाना क्षेत्र के खेरखई गांव निवासी लगभग 25 वर्षीय इशाक होरो एवं अजय केरकेट्टा गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद आसपास के स्थानीय लोग एवं राहगीरों की भीड़ जुट गई। लोगों ने तत्काल एंबुलेंस बुलाकर दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए रेफरल अस्पताल तोरपा पहुंचाया। सूचना मिलने पर तोरपा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और दुर्घटना की जानकारी प्राप्त की। जिसमें पाया गया कि लोग तेजगति से बाईक चला रहे थे जिसे नियंत्रण नहीं कर पाए और रेलिंग से टकरा गये। रेफरल अस्पताल तोरपा में चिकित्सकों ने प्रारंभिक उपचार के बाद इशाक होरो की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि दुर्घटना में इशाक के सिर में गंभीर चोट लगी है, जिससे उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार दोनों युवक अपने एक दोस्त की एफजेड मोटरसाइकिल से तोरपा की ओर जा रहे थे। दुर्घटना में बाइक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

भारी मात्रा में डोडा भरा ट्रक पकड़ाया, 2 करोड़ से अधिक का माल जब्त

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले में नवनियुक्त एसपी ऋषभ गर्ग के पदभार संभालने के बाद अपराध, स्मगलिंग और अपराधियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रनिया थाना क्षेत्र अंतर्गत भालूटोली गांव के समीप पुलिस ने अंतरराज्यीय स्मगलिंग गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध डोडा से भरे एक ट्रक को जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार रनिया थाना प्रभारी श्यामल कुम्भकार ने अहले सुबह करीब तीन बजे खूंटी-कोलेबिरा स्टेट हाईवे-3 पर संदिग्ध ट्रक को रोका। पुलिस कार्रवाई के दौरान ट्रक में सवार चारों तस्कर वाहन छोड़कर फरार हो गए। तलाशी लेने पर ट्रक में मवेशियों के चारे (चोकर) के बोरों के नीचे छिपाकर रखे गए कुल 69 बोरा डोडा बरामद किए गए।

बरामद डोडा का वजन 1388 किलोग्राम पाया गया, जिसकी

अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ 08 लाख 20 हजार रुपये बताई जा रही है। ट्रक उत्तर प्रदेश नंबर का बताया गया है। हालांकि डोडा की खेप कहां से लाई जा रही थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था, इसका खुलासा फिलहाल नहीं हो सका है। घटना की सूचना मिलने पर डीएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि बाहरी राज्य के ट्रक के माध्यम से भारी मात्रा में डोडा की तस्करी की जा रही थी। मामले की जांच जारी है तथा फरार तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

इस सफल अभियान में रनिया थाना प्रभारी श्यामल कुम्भकार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारियों एवं आरक्षी बल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संक्षिप्त खबरें

करांजी जराटोली में शादी समारोह में शामिल हुए उप प्रमुख मुदस्सिर हक

बेड़ो(बिभा)। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम कराँजी स्थित जराटोली में अमीन अंसारी की पुत्री के विवाह समारोह में उप प्रमुख मुदस्सिर हक शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने नवविवाहित जोड़े को सुखमय एवं खुशहाल दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं। उप प्रमुख मुदस्सिर हक ने कहा कि शादी-विवाह केवल दो लोगों का नहीं, बल्कि दो परिवारों के मिलन का पावन अवसर होता है। ऐसे सामाजिक कार्यक्रम आपसी भाईचारा, प्रेम और सौहार्द को मजबूत करने का कार्य करते हैं। मौके पर साहबान अंसारी, जाकिर अंसारी, रुस्तम अंसारी सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इटकी में प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन डीआईजी नौशाद आलम के हाथों मैट्रिक-इंटर टॉपर्स सम्मानित

इटकी(बिभा) : आरिफ राजा प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस की ओर से इटकी क्षेत्र के मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में इंटर के साइंस, कॉमर्स एवं आर्ट्स संकाय के टॉपर्स को साइकिल देकर सम्मानित किया गया। इंटर से साइंस टॉपर शिबा फलक 90.40% कॉमर्स टॉपर नगमा परवीन 77.2% आर्ट्स टॉपर, ममता कुमारी 88.6% मैट्रिक में तस्निया परवीन 97.8% लाई 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बैग एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया, जबकि 80% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही समाज में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दो अखबार वितरक (हॉकर) भाइयों को भी डीआईजी नौशाद आलम के हाथों डायरी मोमेंटो एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डीआईजी नौशाद आलम, मौके पर हाजी मोइन साहब, अजीत केसरी, कामेश बर्मन, मुर्तजा आलम, डॉ. नैय्यर मुमताज, अहमद अंसारी, फिरदौस इदरीश, अब्दुल रहमान, मोहम्मद शाहिद, मोहम्मद शमशाद, पप्पू हाशमी, ओमैश इम्तियाज सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कालामाटी बरटोली में ग्रामसभा ने खेल मैदान एवं पेयजल व्यवस्था कराने की मांग की

खूँटी(बिभा) । जिले के अंतर्गत फुदी पंचायत के कालामाटी बरटोली गाँव में प्यास बुझाने और दैनिक उपयोग के लिए पेयजल अव्यस्था की बात विधायक के समक्ष रखकर मांग की है। दरअसल, रविवार को बरटोली में ग्राम सभा बैठक की गयी थी, जिसमें खूँटी विधायक राम सूर्या मुण्डा को भी बुलाया गया था। मौके पर, ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष गाँव की अव्यवस्था को गिनाया और विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करके उसे ठीक करने की मांग की। जिसमें ग्रामीणों ने मुख्य रूप से खेल मैदान, पेयजल व्यवस्था एवं सार्वजनिक सुविधाओं की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। ग्रामीणों ने विधायक को आवेदन सौंपते हुए बताया कि गाँव में खेल मैदान की सुविधा नहीं होने के कारण युवाओं एवं बच्चों को खेलकूद गतिविधियों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था कराने की मांग भी ग्रामीणों द्वारा रखी गई। ग्राम सभा में उपस्थित ग्रामीणों ने गांव के समग्र विकास हेतु सड़क, पानी, खेल मैदान एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने की आवश्यकता बताई। विधायक ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों तक मांगों को पहुँचाने एवं आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर फुदी पंचायत की मुखिया अनिमा कच्छप, सौदाग पंचायत मुखिया पतरस तिर्की, ग्राम प्रधान गांगु पाहन, ग्राम अध्यक्ष प्रकाश लकड़ा, ग्राम प्रमुख महादेव उरांव, महादेव गोप, मंगरा उरांव, बलराम तिर्की सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

डुमरगड़ी टंगरा टोली के मण्डा मेला में पहुँचे विधायक ने धर्म संस्कृति सहेजने की कही बात

खूँटी (बिभा)। जिले के कर्रा प्रखंड के डुमरगड़ी टंगरा टोली में रविवार को मंडा मेला का आयोजन किया गया। मेला में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नागपुरी ऑर्केस्ट्रा आकर्षण का केंद्र रहा, जिसका लोगों ने देर शाम तक आनंद उठाया। इस कार्यक्रम मंच का उद्घाटन खूँटी विधायक राम सूर्या मुंडा ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई दी तथा क्षेत्र की सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजकर रखने के लिए सरकार ढोल नगाड़ा व मांदर वितरण होने की बात कहा। इस डुमरगड़ी मंडा मेला में छोटे बच्चों के लिए झूला, रंग-बिरंगी मिठाई, चार्ट-गुपचुप, चौमीन- चिली, होटल, खिलौने, मनिहारी, फल-सब्जी दुकानों का लोगों ने खूब पसंद लुफ्त उठाया। मेला में मुख्य रूप से समाजसेवी नगेंद्र सिंह, विधायक प्रतिनिधि अनुप लकड़ा, संजय केरकेट्टा, महेश सिंह, दिलीप बड़ाईक, बमरजा पंचायत मुखिया अनुप कुजूर, जीवन मुंडा, सनातन मुंडा, जीवन तिर्की सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

डुमरिया अंचल कार्यालय में नहीं बैठ रहे सीओ, परेशान लोगों ने विधायक संजीव सरदार से लगाई गुहार

जनता को परेशान करने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई : विधायक

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत डुमरिया प्रखंड में अंचल कार्यालय की कार्यशैली को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। रविवार को डुमरिया क्षेत्र के कई ग्रामीणों ने पोटका के विधायक संजीव सरदार से उनके तुरामडीह स्थित कार्यालय में मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखीं और अंचल अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों ने विधायक को बताया कि डुमरिया के अंचल अधिकारी पवन कुमार पिछले कई दिनों से नियमित रूप से कार्यालय में उपस्थित नहीं हो रहे हैं। इससे जमीन संबंधित

मामलों, प्रमाण पत्र, सत्यापन और विभिन्न सरकारी कार्यों में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अंचल अधिकारी की अनुपस्थिति के कारण कई जरूरी फाइलें लंबित पड़ी हैं और आम लोगों को बार-बार कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई मामलों में अंचल अधिकारी द्वारा समय पर सत्यापन और स्वीकृति नहीं मिलने के कारण योजनाओं और जरूरी प्रशासनिक कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है। इससे ग्रामीणों में असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। लोगों ने विधायक से मांग की कि मामले की उच्चस्तरीय जांच कर संबंधित अधिकारी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाए।

मामले को गंभीरता से लेते हुए विधायक संजीव सरदार ने कहा कि जनता की समस्याओं की अनदेखी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस मामले को जिले के वरीय अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा और अंचल कार्यालय की कार्यप्रणाली की जांच कर कार्रवाई की मांग की जाएगी। विधायक ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित होना जरूरी है, ताकि ग्रामीणों को समय पर न्याय और सुविधा मिल सके।

बुढ़मू के उमेडंडा में एसआईआर जागरुकता अभियान पर हुई बैठक

बिभा संवाददाता

राँची: रांची जिला के 18 प्रखंडों में चल रहे एसआईआर जागरुकता अभियान के तहत शनिवार को बुढ़मू प्रखंड के उमेडंडा में बैठक आयोजित की गई। पिछले 15 दिनों से चल रहे इस अभियान का उद्देश्य लोगों को जागरूक कर अभियान को सफल बनाना है। इससे पूर्व नगड़ी, रातू एवं माण्डर प्रखंडों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं।

रविवार को माउंट इरा स्कूल में मोमिन कॉन्फ्रेंस के राँची जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में सामाजिक कार्यकर्ता इर्शाद इमाम, बुढ़मू प्रखंड अध्यक्ष गुलशाद राजा सहित प्रखंड के कई बुद्धिजीवी, गणमान्य नागरिक एवं बुजुर्ग उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान एसआईआर जागरुकता अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने, आम लोगों को जागरूक करने तथा सामाजिक सहभागिता बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि समाज के हर वर्ग को इस अभियान से जोड़कर जागरूकता फैलाना जरूरी है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अभियान को सफल बनाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

21 पाड़हा जेठ जतरा में शामिल हुईं मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

जतरा हमारी सांस्कृतिक आत्मा के साथ जल, जंगल और जमीन की रक्षा का भी संकल्प है : शिल्पी नेहा

बिभा संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड क्षेत्र के टेंगरिया में आयोजित 21 पाड़हा जेठ जतरा में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक एवं पारंपरिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक जड़ों, सामुदायिक एकता और आदिवासी पहचान का जीवंत प्रतीक है।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि जेठ जतरा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारे पुरखों की अमूल्य धरोहर और सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक है। सदियों से चली आ रही पाड़हा व्यवस्था, परंपराएं, रीति-रिवाज और सामाजिक एकजुटता आज भी लोगों को अपनी जड़ों से जोड़े हुए हैं तथा आदिवासी समाज

की विशिष्ट पहचान को मजबूत बना रहे हैं। मंत्री ने कहा कि आज के आधुनिक दौर में गांवों के लोग ही ऐसे आयोजनों के माध्यम से हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। जतरा केवल सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह जल, जंगल और जमीन की रक्षा के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे ऐसे आयोजनों में सक्रिय भागीदारी निभाकर लोगों का मनोबल बढ़ाएं, उनकी परंपराओं का सम्मान करें और आने वाली पीढ़ियों तक अपनी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित पहुंचाने में सहभागी बनें।

इस अवसर पर उप प्रमुख मुदस्सिर हक, अजीत तिर्की, रोशन तिर्की, फहीमुल हक, शम्भू बैठा, कुलदीप उरांव, बिश्वनाथ उरांव, श्याम कुजूर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

उप प्रमुख मुदस्सिर हक ने जनता दरबार में लगाकर सुनीं लोगों की समस्याएं

बिभा संवाददाता

बेड़ो: प्रखंड क्षेत्र में जनता की समस्याओं के समाधान को लेकर उप प्रमुख मुदस्सिर हक ने रविवार को अपने आवास पर जनता दरबार का आयोजन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे क्षेत्रवासियों ने अपनी विभिन्न समस्याएं उनके समक्ष रखीं।

जनसुनवाई कार्यक्रम में प्रखंड के विभिन्न गांवों से आए लोगों ने सड़क, बिजली, पानी, पेंशन, राशन एवं अन्य जनसमस्याओं से संबंधित शिकायतें रखीं। उप प्रमुख सह मंत्री प्रतिनिधि मुदस्सिर हक ने सभी लोगों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।

उन्होंने कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया, जबकि शेष समस्याओं के त्वरित निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुदस्सिर हक ने कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। क्षेत्र के प्रत्येक परिवार की समस्या का समाधान करना उनका कर्तव्य और संकल्प है। उन्होंने कहा कि राजनीति उनके लिए जनता की सेवा का माध्यम है और वे हमेशा लोगों के सुख-दुख में साथ खड़े रहेंगे।

जनता दरबार में पहुंचे ग्रामीणों ने उप प्रमुख की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे आम लोगों को अपनी समस्याएं सीधे जनप्रतिनिधि तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है।

विधायक संजीव सरदार ने झामुमो कार्यकर्ताओं को जनगणना और एसआईआर को लेकर किया जागरूक

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : झामुमो केंद्रीय कमिटी के निर्देश पर रविवार को पोटका प्रखंड कमिटी के तत्वावधान में तेतला स्थित इम्पेरियल रिसोर्ट में बैठक सह कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झामुमो के जिला, प्रखंड एवं पंचायत स्तर के पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित हुए। शिविर में मुख्य रूप से एसआईआर, आगामी जनगणना और जनगणना प्रपत्र में सरना धर्म कोड दर्ज कराने को लेकर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पोटका के विधायक संजीव सरदार शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए विधायक संजीव सरदार ने कहा कि झामुमो के पंचायत और बूथ स्तर के कार्यकर्ता सरकारी कर्मियों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि एसआईआर प्रक्रिया में किसी भी प्रवासी या बाहर रहकर काम करने वाले मतदाता का नाम मतदाता सूची

से न कटे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा हर गांव के लिए बीएलओ नियुक्त किए गए हैं और झामुमो बूथ स्तर के कार्यकताओं को इनके सहयोगी के रूप में तैनात करेगा, ताकि ग्रामीण सही तरीके से जनगणना फॉर्म भर सकें।

विधायक ने कहा कि वर्तमान जनगणना फॉर्म में सरना धर्म कोड का उल्लेख नहीं होना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राष्ट्रपति से मिलकर जनगणना फॉर्म में सरना धर्म कोड शामिल करने की मांग की है। विधायक ने कहा कि देश में लगभग 12 करोड़ आदिवासी सरना धर्म को मानते हैं और यदि जनगणना में उनकी अलग पहचान दर्ज नहीं हुई तो भविष्य में उनके अस्तित्व पर संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि झामुमो इस मांग को पूरे जोर-शोर से उठाएगा।

बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान झामुमो की नवनियुक्त जिला कमिटी का भी अभिनंदन किया गया। जिला अध्यक्ष विक्टर सोरेन, जिला उपाध्यक्ष सागेन पूर्ति, विद्यासागर दास, प्रणव महतो, सचिव रतन महतो, संगठन सचिव चंद्रशेखर टुडू, नासिर खान और सह सचिव माणिक मल्लिक का प्रखंड कमिटी की ओर से स्वागत किया गया।

अपने संबोधन में विधायक संजीव सरदार ने कार्यकताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि झामुमो हमेशा आदिवासियों, मूलवासियों और ग्रामीणों के अधिकारों की लड़ाई लड़ता आया है और आने वाले समय में भी जनता के मुद्दों पर मजबूती से आवाज उठाई जाएगी। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि वे गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करें और सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं

कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुनील महतो, बबलू चौधरी, हीरामणि मुर्मू, चंद्रावती महतो, सुधीर सोरेन, भुवनेश्वर सरदार, बाघराय मुर्मू, हितेश भगत, जिकरुल होदा, चक्रधर महतो, बिरेन पात्र, भुगलु टुडू, मनोरंजन सरदार, विमल दास समेत सैकड़ों की संख्या में झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तुलसी भवन में सुप्रसिद्ध साहित्यकार द्वय रविन्द्र नाथ ठाकुर एवं सुमित्रानंदन पंत की जयंती सह 'काव्य कलश' समारोह आयोजित

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। सिंहभूम जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन/तुलसी भवन द्वारा संस्थान के प्रयाग कक्ष में मासिक ₹काव्य कलश ₹ सह हिन्दी के ख्यातिलब्ध साहित्यकार द्वय रविन्द्र नाथ ठाकुर एवं सुमित्रानंदन पंत की जयंती समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र मुनका तथा संचालन वसंत जमशेदपुरी ने की। जबकि धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के उपाध्यक्ष रामनन्दन प्रसाद ने किया।

दीप प्रज्वलन के साथ समारोह की शुरूआत हुई। सरस्वती वंदना माधवी उपाध्याय ने प्रस्तुत किया। स्वागत वक्तव्य मानद महासचिव डॉङ्क प्रसेनजित तिवारी ने दिया। तत्पश्चात साहित्यकार द्वय रविन्द्र नाथ ठाकुर एवं सुमित्रानंदन पंत का साहित्यिक जीवन परिचय क्रमशः नीता सागर चौधरी एवं कैलाशनाथ शर्मा गाजीपुरी ने विस्तार से प्रस्तुत किया।

तत्पश्चात 'काव्य कलश' के मौके पर नगर के कुल 42 कलमकारों ने स्वरचित काव्य पाठ किया। काव्य पाठ करने वालों में डॉङ्क यमुना तिवारी व्यथित, ब्रजेन्द्र नाथ मिश्र, माधवी उपाध्याय, कैलाश नाथ शर्मा गाजीपुरी, आलोक तिवारी, वसंत जमशेदपुरी, सुरेश चन्द्र झा, नीता सागर चौधरी, डॉङ्क अरुण कुमार शर्मा, मनीष सिंह वंदन, वीणा कुमारी नंदिनी, हरभजन सिंह रहबर, बलविन्दर सिंह, रीना गुप्ता, पुनम सिंह, आलोक मंजरी, डॉङ्क संजय पाठक सनेही, राजेन्द्र राज, नीलाम्बर चौधरी, वीणा कुमारी नंदिनी, नरेंद्र कुमार सिंह, शेषनाथ सिंह शरद, पी. वासुदेव राव, शैलेन्द्र पाण्डेय शैल, हरिकिशन चावला, स्मृति पाण्डेय चौबे, विजय नारायण सिंह बेरुका, डॉङ्क उदय प्रताप हयात, नीलम पेड़ीवाल, पूनम सिंह, सर्वानन्द सिंह पथिक, जय प्रकाश पाण्डेय, वंदना केशर भारती, सुजय कुमार एवं अन्य प्रमुख रहे।

सत्य, श्रद्धा और भक्ति ही जीवन का वास्तविक मार्ग : पंडित प्रदीप मिश्रा

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के सुकुरहुटू स्थित कथा स्थल पर श्री शिवाला सेवा समिति की ओर से आयोजित पंडित प्रदीप मिश्रा के मुख से प्रवाहित श्री शिव महापुराण कथा के छठें दिन रविवार को भक्ति, श्रद्धा और आस्था का दृश्य देखने को मिला।

कथा में पंडित मिश्रा ने विशेष रूप से पशुपति व्रत के महात्म्य का विस्तार से वर्णन किया।

उन्होंने कहा कि सच्चे भाव, श्रद्धा और विश्वास के साथ किया गया व्रत व्यक्ति के जीवन की बड़ी से बड़ी बाधाओं को दूर कर सकता है।

अपने प्रवचन में पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि सिद्ध होना सरल है, लेकिन शुद्ध होना कठिन है। उन्होंने बताया कि मनुष्य को केवल उपलब्धियों के पीछे नहीं भागना चाहिए, बल्कि अपने विचारों, व्यवहार और जीवन को शुद्ध बनाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान शिव पर अर्पित किया गया जल कभी व्यर्थ नहीं जाता। शिवलिंग पर चढ़ाए गए जल को लेकर उन्होंने कहा कि भगवान गणेश स्वयं उस भक्त की नैया पार लगाने का कार्य करते हैं, जो सच्चे भाव से भगवान शिव की आराधना करता है।

कथा के दौरान गुरुदेव ने दुंदुभीनिर्ह्लाद वध प्रसंग का भी अत्यंत प्रभावशाली वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान विष्णु ने हिरण्याक्ष के वध के बाद उसका पुत्र दुंदुभीनिर्ह्लाद अत्यंत क्रोधित हो गया और देवताओं से प्रतिशोध लेने लगा। वह जानता था कि देवता यज्ञों के बल पर शक्तिशाली रहते हैं, इसलिए उसने ऋषि-मुनियों और ब्राह्मणों पर अत्याचार करना शुरू कर दिया और धर्म को नष्ट करने का प्रयास किया।

पंडित ने कहा कि दैत्य दुंदुभी मायावी था और लोगों में भय फैलाने के लिए विभिन्न रूप धारण करता था। एक समय उसने बाघ का विकराल रूप धारण कर ब्राह्मणों पर आक्रमण किया। जब धर्म संकट में पड़ गया, तब भगवान शिव स्वयं शिवलिंग से प्रकट हुए और उस बाघ रूपी दैत्य का संहार कर दिया। कथा के अनुसार, जिस स्थान पर भगवान शिव ने दुंदुभीनिर्ह्लाद का वध किया, वहां उसकी भीषण दहाड़ पूरी सृष्टि में गूंज उठी और बाद में वहीं व्याघ्रेश्वर लिंग की स्थापना होने की मान्यता है।

मिश्रा ने श्रद्धालुओं को संदेश देते हुए कहा कि जब-जब अधर्म बढ़ता है और भक्त कष्ट में होते हैं, तब-तब भगवान शिव उनकी रक्षा के लिए प्रकट होते हैं। सत्य, श्रद्धा और भक्ति ही जीवन का वास्तविक मार्ग है।

इसी क्रम में उन्होंने अपने प्रसिद्ध संदेश एक लोटा जल सब समस्याओं का हल के माध्यम से कई प्रेरणादायक प्रसंग सुनाए। पंडित मिश्रा ने धनबाद निवासी एक व्यक्ति की मार्मिक कथा सुनाई, जिसकी किडनी गंभीर रूप से खराब हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि उस व्यक्ति ने पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ पशुपति व्रत का पालन किया और भगवान शिव की कृपा से उसकी किडनी स्वस्थ हो गई। इस प्रसंग को सुनकर कथा स्थल पर उपस्थित श्रद्धालु भावुक हो उठे और पूरा पंडाल बाबा भोलेनाथ के जयकारों से गूंज उठा।

इसके साथ ही गुरुदेव ने दो युवतियों का प्रसंग भी सुनाया, जो पुलिस सेवा की तैयारी कर रही थीं। उन्होंने कहा कि जीवन में मेहनत आवश्यक है, लेकिन जब मेहनत के साथ भगवान शिव की कृपा जुड़ जाती है तो सफलता निश्चित हो जाती है। उन युवतियों ने कठिन परिश्रम के साथ शिव आराधना की और उन्हें सफलता प्राप्त हुई। गुरुदेव ने युवाओं को संदेश दिया कि परिश्रम और प्रभु भक्ति दोनों का संतुलन जीवन को ऊंचाइयों तक पहुंचाता है।

आज की कथा का सबसे भावुक क्षण तब आया जब एक दंपत्ति का उल्लेख किया गया, जिन्हें विवाह के 25 वर्षों बाद पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। दंपत्ति बाबा से मिलकर अपनी भावनाएं व्यक्त करने पहुंचे थे।

इस प्रसंग ने कथा स्थल पर उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं की आंखें नम कर दीं और वातावरण अत्यंत भावुक हो उठा।

फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर 8.52 करोड़ की ठगी, एक गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की साइबर क्राइम थाना पुलिस ने फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सीआईडी ने एक साइबर अपराधी को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान बृजेश सिंह के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर जिले का रहने वाला बताया गया है।

डीएसपी नेहा बाला ने रविवार को बताया कि गत 10 मार्च 2026 को साइबर क्राइम थाना कांड संख्या 27/26 दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसे व्हाट्सएप के माध्यम से एफएक्सपीआरओ ग्रुप सीसी नामक ग्रुप से जोड़ा गया और बाद में एक वेबसाइट के जरिए फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश करने का झांसा दिया गया।

जांच में सामने आया कि ठगों ने अलग-अलग बैंक खातों में निवेश के नाम पर पैसे जमा कराए और शुरूआत में मुनाफा दिखाकर विश्वास जीत लिया। इसके बाद पीड़ित से लगातार बड़ी रकम निवेश कराई गई। मामले में कुल करीब 8.52 करोड़ रुपये की साइबर ठगी की पुष्टि हुई है।

तकनीकी अनुसंधान और साक्ष्यों के आधार पर सीआईडी की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपित के पास से मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड और चेकबुक सहित कई अहम दस्तावेज बरामद किए हैं।

बहू ने ससुर को उतारा मौत के घाट, आरोपी महिला गिरफ्तार

रांची : पंडरा ओपी क्षेत्र स्थित विद्यानगर में बहू ने ससुर की हत्या कर दी. हत्या तकिये से दबाकर की गयी। मामले की जानकारी होने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही मामले की गहन जांच में जुट गई है।जानकारी के अनुसार, विद्यानगर निवासी बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना पुलिस को मिली थी। शुरूआती जांच और घर के सदस्यों के बयानों में विरोधाभास पाए जाने पर पुलिस का शक बहू की ओर गया। कड़ाई से पूछताछ करने पर यह बात सामने आई कि बहू और ससुर के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। घटना के वक्त घर में कहासुनी इतनी बढ़ गई कि आवेश में आकर बहू ने अपने ससुर पर हमला कर दिया और तकिए से उनका मुंह दबा दिया। जिससे दम घुटने के कारण बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई।

संक्षिप्त खबरें

एफटीएस युवा ने बच्चों संग मनाया मातृ दिवस

रांची(बिभा) : फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसायटी की युवा इकाई एफटीएस युवा रांची द्वारा एकल अभियान के अंतर्गत 10 मई को महेश्वरी भवन, अपर बाजार में संचालित शबरी बस्ती के बच्चों के साथ मातृ दिवस का भावपूर्ण आयोजन किया गया। शबरी बस्ती एफटीएस युवा रांची की एक विशेष पहल है, जिसके माध्यम से बस्ती के बच्चों तक शिक्षा, संस्कार एवं जागरूकता पहुँचाने का कार्य किया जाता है। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को मातृत्व के महत्व, माँ के त्याग, प्रेम एवं उनके द्वारा दिए जाने वाले संस्कारों के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर बच्चों को बताया गया कि एक माँ अपने परिवार एवं खानदान के लिए निःस्वार्थ भाव से प्रेम, देखभाल और समर्पण करती है तथा बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में उनकी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक अपनी माताओं के लिए हाथों से ग्रीटिंग कार्ड, संदेश एवं सुंदर ड्रॉइंग्स तैयार कीं। बच्चों द्वारा बनाई गई ड्रॉइंग्स के लिए लकी ड्रॉ गतिविधि भी आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर एफटीएस युवा रांची की पूरी टीम उपस्थित रही और सभी सदस्यों ने बच्चों के साथ मिलकर कार्यक्रम को भावनात्मक, प्रेरणादायक एवं यादगार बनाया।

12 मई को प्रदर्शन की तैयारी को लेकर भाजपा की हुई बैठक

रांची(बिभा) : भारतीय जनता पार्टी, रांची पश्चिमी जिला की बैठक रिंग रोड स्थित होटल एलएमटी कांटिनेंटल में जिला के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष नरेंद्र कुमार ने 12 मई को पानी और बिजली की किल्लत को लेकर जिला उपायुक्त कार्यालय के समक्ष होने प्रदर्शन एवं जिला स्तरीय होने वाले पंडित दिन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण कार्यक्रम की तैयारी के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की। बैठक में मुख्य अतिथि की रूप में राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी उपस्थित हुए। उन्होंने सभी आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की एवं सभी कार्यकताओं को संगठन को बूथ स्तर से लेकर मंडल एवं जिला स्तर तक कैसे मजबूती प्राप्त हो इसके बारे में मार्गदर्शन दिया। बैठक में प्रदेश के पूर्व मंत्री मनोज महतो वाजपेयी, प्रदेश किसान मोर्चा अध्यक्ष पवन साहू, प्रदेश संयोजक मृत्युंजय शर्मा, प्रभारी के रूप में रामगढ़ के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता एवं चतरा के पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक शर्मा जी, जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक प्रीतम साहू शामिल हुए।

सेवा भारती ने दिया स्वावलंबन के लिए सिलाई मशीन

रांची(बिभा) : सेवा भारती,रांची महानगर द्वारा सेवा बस्तियों में संचालित स्वावलंबन प्रशिक्षण केंद्र से प्रशिक्षित जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन,पीको मशीन दी गई। बिरसा चौक,प्रकाश नगर स्थित सेवा निकेतन में आयोजित सेवा भारती की कल्पतरु स्वावलंबन योजना के अंतर्गत 8 महिलाओं को स्वरोजगार के लिए सिलाई मशीन का वितरण किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा भारती के न्यासी गुरुशरण प्रसाद ने कहा कि सेवा भारती के स्वावलंबन प्रशिक्षण केन्द्रों से प्रशिक्षित महिलाएं अपने पैरों पर खड़े हो कर स्वावलंबी जीवन जी रही हैं। अपने परिवार को आर्थिक सहायता कर रही हैं साथ ही समाज में इनका स्वाभिमान बढ़ा है। मौके पर महानगर अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत ने बताया कि सिलाई-कटाई हुनरमंद महिलाओं को स्वरोजगार के लिए सेवा भारती द्वारा न्यूनतम किश्तों पर सिलाई मशीन दी गई है। मौके पर महिलाओं ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा भारती के सहयोग से हमें रोजगार खड़ा करने का सुनहरा अवसर मिला है। कार्यक्रम में सेवा भारती,रांची महानगर सचिव श्याम टोरका,भारती रायपत,मनोज कुमार, दुष्यंत कुमार, सहित स्वावलंबन केंद्र की शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

रांची पुलिस ने किया बड़े सॉल्वर गैंग का खुलासा, छह गिरफ्तार, कई सामान जब्त

बिभा संवाददाता

रांची। एसएससी जीडी कांस्टेबल परीक्षा 2026 में छात्रों को पास करवाने के लिए सॉल्वर गैंग हाईटेक साजिश का रांची पुलिस ने खुलासा किया है। सटीक सूचना के आधार पर रांची पुलिस ने सीआईडी और इंडियन साइबर को-ऑर्डिनेशन सेंटर की सहायता से छह अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया है।

रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने रविवार को बताया कि एसएससी जीडी कांस्टेबल 2026 परीक्षा की प्रथम पाली की परीक्षा केन्द्र द फ्यूचरिस्टिक ऑनलाइन एग्जामेशन सेंटर (सेंटर कोड 160513) पर परीक्षा के दौरान लैब-01 के कुछ कंप्यूटर सिस्टम के मॉनिटर में सिस्टम का क्रशर अपने आप चलने की सूचना प्राप्त हुई थी। उक्त सूचना स्थानीय पुलिस को और प्रतिनियुक्त परीक्षा नोडल पदाधिकारी को भी दी गई।

सूचना प्राप्त होते ही रांची पुलिस की ओर से सहायक पुलिस अधीक्षक कोतवाली के नेतृत्व में कई टीम गठित कर विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए परीक्षा सेंटर के सेंटर सुपरीटेंडेंट और सेंटर आईटी हेड के साथ छह अभ्यर्थियों के विरुद्ध सुखदेवनगर (पंडरा) थाना में मामला दर्ज कराया गया।

सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि परीक्षा के दौरान जांच में देखा कि 6 अभ्यर्थियों की कंप्यूटर स्क्रीन का क्रशर अपने आप ही चल रहा है। अभ्यर्थी सिर्फ कंप्यूटर को देख रहे थे और उनके प्रश्न पत्र अपने आप सॉल्व हो रहे थे। मामले में गहरी साजिश को देखते हुए उन्होंने तुरंत रांची पुलिस को मामले की जानकारी दी।

सिटी एसपी के अनुसार, जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि सभी 6 कंप्यूटर का रिमोट एक्सेस कहीं और से था और सॉल्वर गैंग वहीं से प्रश्न को हल कर रहे थे। प्रश्न को सॉल्व करने के लिए किसी दूसरे शहर में मास्टर कंप्यूटर को तैयार किया गया था।

पुलिस की जांच में अब तक या जानकारी सामने आई है कि हरियाणा के सॉल्वर गैंग इस कांड में शामिल थे। छात्रों को पास करवाने के लिए 10-10 लाख रुपये में डील फाइनल हुई थी। इस परीक्षा के जरिए बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी आईटीबीपी और असम राइफल्स में कांस्टेबल की भर्ती होनी है।

घटनास्थल से पुलिस ने छह कंप्यूटर, दो सीसीटीवी का डीवीआर, दो फायरवॉल, एक एयरटेल का राउटर, एक जियो का राउटर, एक सीपीयू, छह एडमिट कार्ड, पांच मोबाईल, एक टैब बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपितों में ऋषिकेश कुमार यादव, आर्यन कुमार, राहुल कुमार, रवि रंजन कुजूर, राजकुमार और अनु कुमारी शामिल है।

रांची नगर निगम के जीआईएस आधारित एसेट मैपिंग कार्य से राज्य को मिली 5 करोड़ की प्रोत्साहन राशि

बिभा संवाददाता

रांची : भारत सरकार, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित स्पेशन असिसटेंस टू स्टेट फॉर कैपिटन इनवेशमेंट 2025-26 योजना के अंतर्गत शहरी सुधार के लिए झारखंड राज्य को 5 करोड़ की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है।

यह उपलब्धि रांची नगर निगम द्वारा अपने नगर निगम परिसंपत्तियों की जीआईएस आधारित मैपिंग एवं शहरी क्षेत्रों में सरकारी भूमि के डिजिटल इन्वेंट्री निर्माण कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण किए जाने के परिणामस्वरूप प्राप्त हुई है।

रांची नगर निगम ने यह कार्य झारखंड स्पेस एप्लिकेशन सेंटर के तकनीकी सहयोग से किया, जिसके अंतर्गत निगम की विभिन्न परिसंपत्तियों, भवनों, बाजारों, कार्यालयों, बस टर्मिनलों, सामुदायिक भवनों एवं अन्य शहरी संपत्तियों को जीआईएस प्लेटफॉर्म पर डिजिटल रूप से चिन्हित एवं मैप किया गया।

भारत सरकार द्वारा किए गए मूल्यांकन में इस कार्य को Urban Governance Reform के अंतर्गत सराहा गया तथा इसके आधार पर राज्य को 5 करोड़ की प्रोत्साहन राशि हेतु पात्र माना गया। यह राशि नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार को प्राप्त होगी।

इस पहल से भविष्य में शहरी परिसंपत्तियों के बेहतर प्रबंधन, निगरानी, राजस्व वृद्धि, योजना निर्माण एवं पारदर्शी प्रशासन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही जीआईएस आधारित डेटा भविष्य की स्मार्ट सिटी एवं डिजिटल गवर्नेंस परियोजनाओं के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगा।

रांची नगर निगम ने इस उपलब्धि के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग,झारखंड स्पेस एप्लिकेशन सेंटर एवं इस कार्य से जुड़े सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

जनगणना 2027: गृह मंत्रालय ने की रांची नगर निगम की सराहना, मिला प्रशंसा पत्र

बिभा संवाददाता

रांची: जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत रांची नगर निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों को भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत जनगणना संचालन निदेशालय, झारखंड ने सराहना की है. निदेशालय की ओर से रांची नगर निगम को प्रशंसा पत्र भेजकर निगम की सक्रियता, कार्यशैली और समयबद्ध कार्य निष्पादन की प्रशंसा की गई है.

झारखंड जनगणना संचालन के निदेशक प्रभात कुमार द्वारा नगर आयुक्त को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों में रांची नगर निगम ने राज्यभर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है. विशेष रूप से HLB Geo-tagging और HLB Demarcation जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को गंभीरता और दक्षता के साथ पूरा करने को लेकर निगम की सराहना की गई है.

पत्र के मुताबिक, 27 अप्रैल 2026 तक उपलब्ध प्रगति रिपोर्ट में रांची नगर निगम ने लगभग 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया है. इसे राज्य के अन्य शहरी निकायों के लिए भी प्रेरणादायक बताया गया है. निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि HLB Geo-tagging एवं Demarcation जनगणना प्रक्रिया की बुनियाद हैं और इन कार्यों का गुणवत्तापूर्ण एवं समय सीमा के भीतर पूरा होना बेहद आवश्यक है.

जनगणना निदेशालय ने रांची नगर निगम की पूरी टीम के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए आगामी चरणों में भी इसी तरह सहयोग बनाए रखने की अपेक्षा जताई है, आने वाले दिनों में Self Enumeration, मकान सूचीकरण और मकानों की गणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे, जिनमें निगम की भूमिका अहम मानी जा रही है.

नगर निगम प्रशासन ने इस उपलब्धि का श्रेय निगम के पदाधिकारियों, सुपरवाइजरों, फील्ड कर्मचारियों और तकनीकी टीम को दिया है. निगम के अनुसार, डिजिटल तकनीक, बेहतर समन्वय और टीमवर्क के कारण यह कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा हो सका. निगम प्रशासन ने कहा कि कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण के कारण ही रांची नगर निगम राज्य में एक मॉडल के रूप में उभर रहा है.

नगर निगम ने यह भी कहा कि प्राप्त प्रशंसा पत्र केवल सम्मान नहीं बल्कि आगे के कार्यों को और अधिक जिम्मेदारी तथा प्रतिबद्धता के साथ पूरा करने की प्रेरणा है. निगम प्रशासन ने भरोसा जताया कि जनगणना 2027 को सफल बनाने के लिए रांची नगर निगम पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करता रहेगा तथा भविष्य में भी राज्य और देश के लिए एक आदर्श मॉडल की भूमिका निभाएगा.

रांची यूनिवर्सिटी के खिलाड़ियों का ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में शानदार प्रदर्शन 17 से अधिक पदक जीते

बिभा संवाददाता

रांची: 4 से 9 मई 2026 तक शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में आयोजित ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की ताऊलु प्रतियोगिता में रांची यूनिवर्सिटी के वुशु खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय उपविजेता का स्थान हासिल किया. खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 17 से अधिक पदक जीतकर विश्वविद्यालय, राज्य और झारखंड का गौरव बढ़ाया है.

प्रतियोगिता में रांची यूनिवर्सिटी के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक पर कब्जा जमाया. स्वर्ण पदक जीतने वालों में त्रिलोचन बेदिया, संजना कुमारी, शीतल कुमारी और अमित एक्का शामिल रहे. वहीं रजत पदक फनी भूषण बेदिया, राकेश टोप्पो, सोनाली कुमारी, रोशनी कुमारी, विक्रम कुमार गंजू और ज्योति कुमारी ने हासिल किया. इसके अलावा कांस्य पदक जीतने वालों में शशिकांत महतो, भास्कर ठाकुर, ललन यादव, सुमित कुमार महतो, चमरू बिरुवा, जितेंद्र महतो, शिवम उरांव, तनु कुमारी, प्रिया गाड़ी, आस्था उरांव, कंचन तिग्गा, वर्षा रानी, रेणु कुमारी, तारामुनि बखला और अंजना कुमारी शामिल हैं.

विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन को ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है. खिलाड़ियों ने टीम भावना और अनुशासन के साथ प्रतियोगिता में भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया. इस सफलता में प्रशिक्षकों और खेल विभाग की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही.

रांची यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है. उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित कर झारखंड का नाम रोशन किया है. वहीं यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. गुरुचरण महतो, प्रॉक्टर डॉ. मुकुंद मेहता, डिन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सुदेश साहू, खेल समन्वयक डॉ. राजेश गुप्ता सहित विश्वविद्यालय के खेल विभाग के पदाधिकारियों ने भी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं दीं.

झारखंड वुशु एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप वर्मा, सचिव शैलेन्द्र दुबे और झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. मधुकांत समेत खेल जगत से जुड़े कई पदाधिकारियों और खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों की इस सफलता पर खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

भाजपा पहले अपने शासित राज्यों की कानून व्यवस्था देखे, फिर झारखंड पर सवाल उठाए : सतीश पॉल मुंजनी

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष सह मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने भाजपा प्रवक्ता द्वारा झारखंड की विधि व्यवस्था पर दिए गए बयान को राजनीतिक प्रोपेगेंडा, भ्रामक प्रचार और तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास बताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को झारखंड पर उंगली उठाने से पहले अपने शासित राज्यों की कानून व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का गंभीरता से आत्ममंथन करना चाहिए, क्योंकि कई भाजपा शासित राज्यों में अपराध की स्थिति अधिक चिंताजनक रही है।

सतीश पॉल मुंजनी ने कहा कि भाजपा झारखंड को बदनाम करने के लिए चुनिंदा आंकड़ों का सहारा ले रही है, जबकि सच्चाई यह है कि भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध, दलित उत्पीड़न, सांप्रदायिक हिंसा, हत्या, बलात्कार और संगठित अपराध के मामले लगातार राष्ट्रीय चिंता का विषय बने हुए हैं। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, असम और मणिपुर जैसे राज्यों में कानून व्यवस्था को लेकर समय-समय पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं।

मुंजनी ने कहा कि गठबंधन सरकार अपराध नियंत्रण, पुलिस आधुनिकीकरण और प्रशासनिक मजबूती की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में नक्सलवाद में ऐतिहासिक कमी आई है, पुलिस बलों को आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं तथा कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य सरकार अपराधियों पर कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों को संरक्षण देने का सवाल ही नहीं उठता।

मुजनी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के पास जनता से जुड़े असली मुद्दों महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं, आर्थिक बदहाली और युवाओं के भविष्य–पर बोलने के लिए कुछ नहीं बचा है, इसलिए वह भय, भ्रम और नकारात्मक राजनीति के सहारे राजनीतिक जमीन तलाशने का प्रयास कर रही है। भाजपा को यह समझना चाहिए कि झारखंड की जनता केवल आरोप-प्रत्यारोप नहीं, बल्कि विकास, सामाजिक न्याय, रोजगार और स्थिर शासन चाहती है।

मां सीता साहसी मां सम्मान कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

रांची : मातृ दिवस के अवसर पर श्री राम भरत मिलाप कार्यालय डोरंडा बाजार में मां सीता साहसी मां सम्मान कार्यक्रम का आयोजन श्री राम भरत मिलाप समिति, मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण एवं जागृति महिला शाखा के संयुक्त तत्वाधान में श्री राम भरत मिलाप कार्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वैसी महिलाओं को सम्मानित किया गया जिनका अपने पति का साथ सालों पहले छूट गया , कुछ ऐसी महिला भी थीं जिनके पति देश की सेवा में शहीद हुए।उसके बाद भी उन्होंने अपने जीवन और बच्चों को अपनी मेहनत और साहस से पालपोस कर बड़ा किया और अपने जीवन को आगे बढ़ा रही हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वरूप झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष विशाल पाड़िया ने अपने संबोधन में कहा कि मां की जगह दुनिया में कोई और नहीं ले सकता , और बिना पिता के बच्चों को पालना अपने आप में एक जंग की तरह है।कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री राम भरत मिलाप समिति के अध्यक्ष रोहित शारदा , मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण शाखा के अध्यक्ष ऋषभ रामपुरिया, जागृति महिला शाखा की अध्यक्ष प्रमिला सराफ ने संयुक्त रूप से किया । मंच का संचालन महामंत्री नम्रता सोनी, धन्यवाद ज्ञापन राघव शारदा एवं कार्यक्रम के समापन के अवसर पर राष्ट्रगान प्रिया सिन्हा,खुशबू शारदा ने करवाया।

बोकारो में जिला बार एसोसिएशन के नवनिर्मित भवन का शिलान्यास, सीएसआर से योजनाओं की भी मंजूरी

बिभा संवाददाता

बोकारो। रविवार को बोकारो जिला बार एसोसिएशन के नवनिर्मित भवन निर्माण कार्य हेतु भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ झारखंड उच्च न्यायालय, रांची के न्यायमूर्ति श्री आनंदा सेन द्वारा विधिवत भूमि पूजन एवं शिलान्यास कर किया गया।

इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय, बोकारो, अन्य न्यायिक पदाधिकारी, बार एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उपस्थित अधिवक्ताओं एवं न्यायाधीशों ने कहा कि नवनिर्मित बार भवन न्यायिक कार्यों के सुचारु संचालन के साथझ्रसाथ अधिवक्ताओं की कार्यालयीन एवं पेशेवर सुविधाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा।

न्यायमूर्ति श्री आनंदा सेन ने अपने संबोधन में कहा कि अधिवक्ता एवं न्यायपालिका के बीच विश्वसनीय समन्वय ही न्याय व्यवस्था की मजबूती का आधार है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नया भवन अधिवक्ताओं को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराएगा तथा मामलों की जल्द सुनवाई एवं न्यायिक कार्यों की पारदर्शी निष्पादन में सहायक सिद्ध होगा।

कार्यक्रम के दौरान मंच से न्यायमूर्ति सेन ने जिला प्रशासन की ओर से सीएसआर मद से बोकारो जिला अधिवक्ता संघ परिसर में विभिन्न विकास योजनाओं की स्वीकृति प्रदान किए जाने की जानकारी दी। इनमें परिसर में पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य, प्रथम चरण में 30 केवीए क्षमता वाले सोलर पावर प्लांट का अधिष्ठापन तथा ईझ्रपुस्तकालय का संचालन शामिल हैं।

उसी दौरान न्यायमूर्ति सेन ने कैंपझ्र02 स्थित प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय के प्रस्तावित आवास के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। इस आवास निर्माण से न्यायाधीश के आवासीय व्यवस्था में सुधार एवं न्यायिक कार्य के लिए अधिक चिंतनपूर्ण वातावरण की उम्मीद है।

कार्यक्रम में उपस्थित गण ने बार एसोसिएशन को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं तथा भवन निर्माण कार्य के सफल एवं शीघ्र पूर्ण होने की कामना की। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

इससे पूर्व, बोकारो पहुंचने पर न्यायमूर्ति श्री आनंदा सेन का बोकारो परिसदन में पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अनिल कुमार मिश्रा, उपायुक्त श्री अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक श्री नाथू सिंह मीना सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। मौके पर पुलिस जवानों द्वारा माननीय न्यायमूर्ति को गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया।

वायरल वीडियो में 'पीड़ित' निकले दोषी, पुलिस ने दो को न्यायिक हिरासत में भेजा

बिभा संवाददाता

बोकारो : सोशल मीडिया पर वायरल सिटी थाना का एक वीडियो, जिसमें पुलिस द्वारा फरियादी को जबरन हिरासत में लेने का दावा किया जा रहा था, जांच में पूरी तरह गलत साबित हुआ। सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने बताया कि वीडियो में दिखाए गए 'पीड़ित' ही वास्तव में दोषी थे, जिन्हें कानूनी कार्रवाई के तहत गिरफ्तार किया गया।

घटना 19 अप्रैल 2026 को दुन्दीबाग स्थित केतारी गली में हुई, जहां दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। एक पक्ष के 7-8 लोग थाने पहुंचे, जिनमें से एक करण कुमार को सिर में हल्की चोट लगी थी। उसे ओपीडी पदाधिकारी सदर अस्पताल भेज रहे थे, तभी सूचना मिली कि इन्हीं लोगों ने दूसरे पक्ष के देव कुमार साव (पिताः ज्ञानचंद्र साव) को चाकू से गला और छाती पर गोदकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। देव कुमार की हालत नाजुक होने पर उन्हें सदर अस्पताल से बीजीएच अस्पताल, सेक्टर-4 रेफर किया गया।

थाने में मौजूद लोगों को इसकी भनक लगते ही गिरफ्तारी के डर से भागने की कोशिश की। पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो हंगामा मच गया। साथ आई महिलाओं ने भी हिरफ्तारियों को छुड़ाने का प्रयास किया और वीडियो बनाना शुरू कर दिया। मशक्कत के बाद दोषी हरेराम साव और करण साव को वादी ज्ञानचंद्र साव के तहरीर पर केस संख्या-72/2026 दर्ज कर 20 अप्रैल को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

इन लोगों ने सदर अस्पताल में भी हंगामा किया। थाने में पुलिस के साथ अभद्र व्यवहार और हंगामे के लिए बीएस सिटी थाना में संहा संख्या-04/2026 (20 अप्रैल 2026) दर्ज की गई है। डीएसपी ने कहा कि वायरल वीडियो भ्रामक है और पुलिस ने पूरी कानूनी प्रक्रिया का पालन किया।

संक्षिप्त खबरें

विश्व मातृ दिवस पर संकल्प सृजन वटिकाओं में मातृ पूजन व सम्मान समारोह

बोकारो (बिभा): संकल्प सृजन संचालित सभी शिशु सृजन वटिकाओं में विश्व मातृ दिवस के अवसर पर मातृ पूजन व सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। संकल्प सृजन शिक्षा प्रकोष्ठ की सह सचिव व केंद्र संचालिका आंचल ने बताया कि झोंपड़ी कलोनी की स्मृति शेष मनोरमा कश्यप शिशु सृजन वाटिका, विदुषी गार्गी शिशु सृजन वाटिका सहित सोनाटांड, ओझाडीह व अन्य केंद्रों पर अध्ययनरत बच्चों ने अपनी माताओं का पूजन किया। संकल्प सृजन कार्यकताओं ने माताओं को सम्मानित कर उनका मान बढ़ाया। कार्यक्रम में क्षेत्र संयोजिका सत्यभामा देवी, सुलेखा देवी, रिंकू देवी सहित केंद्र संचालिकाएं, बच्चे व अभिभावक उपस्थित रहे। अभिभावकों ने बच्चों को उपहार व चॉकलेट बांटे। अभिभावकों ने संकल्प सृजन केंद्रों से बच्चों के व्यवहार व वातावरण में आए सकारात्मक परिवर्तन की सराहना की तथा कार्य पद्धति की प्रशंसा की।

बोकारो स्टील सिटीः महाराणा प्रताप जयंती पर कविता सिंह ने किया पुष्प अर्पण

बोकारो(बिभा) : बोकारो स्टील सिटी के जैक-4 क्षेत्र में आज समाजसेवी कविता सिंह ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर उनकी जयंती के अवसर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कविता सिंह ने बताया कि झारखंड सरकार, बोकारो प्रबंधन तथा सर्वसमाज के सहयोग से बोकारो स्टील सिटी में महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा स्थापित करवायी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले त्याग, तपस्या, वीरता, संघर्ष, शौर्य और पराक्रम के प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती पर शत-शत नमन। महाराणा प्रताप को मेवाड़ के वीर योद्धा के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने मुगलों के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। स्थानीय स्तर पर उनकी जयंती पर आयोजित इस कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकताओं ने भाग लिया।

मातृ दिवस पर वृद्ध आश्रम में बुजुर्ग माताओं का भावुक सम्मान कार्यक्रम आयोजित

बोकारो(बिभा) : मातृ दिवस के शुभ अवसर पर जोड़हाडीह मोड़ स्थित बैद्यनाथ जन सेवा समिति द्वारा संचालित वृद्ध आश्रम में एक भावुक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान आश्रम में रह रही बुजुर्ग माताओं को पुष्प भेंट कर सम्मानित किया गया और पूरे स्नेह व श्रद्धा के साथ मातृ दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों और समाजसेवियों ने माताओं के बीच फल एवं खाद्य सामग्री का वितरण कर सेवा भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में माताओं और बुजुर्गों के प्रति सम्मान, प्रेम और देखभाल की भावना को मजबूत करना था। कार्यक्रम में रतन लाल, ओंकार सिन्हा, उज्ज्वल मनीष, लालेश सिन्हा, विजय कुमार महथा, रेनबो पब्लिक स्कूल के प्राचार्य, अकलेश शर्मा और गणेश सिंह चौधरी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने माताओं के साथ समय बिताकर उनके सुखद जीवन की कामना की।

छंटनी किए ठेका मजदूरों को नियमित करें प्रबंधन : ऐक्टू

बोकारो(बिभा)। भुवनेश्वर केवट ने कहा कि इस्पात संयत्र के पीसीएम दमन भट्ठी में कार्यरत ठेका मजदूरों की छंटनी श्रम कानूनों के तय शुदा नियमों के खिलाफ है। और सेल प्रबंधन हस्तक्षेप कर इस तुगलकी फरमान को वापस लें। कॉन्ट्रैक्ट की अवधि के बीच में ही मजदूरों के गेट पास को रद्द करना सेल की औद्योगिक परिवेश को अशांत करने जैसी कार्रवाई है। श्रम कानूनों या श्रम संहिता में भी मजदूरों को बिना कारण काम से नहीं हटाया जा सकता है। वर्षों से कार्यरत मजदूर जो कार्य कौशल और दक्ष हैं उन्हें काम से हटाने का फैसला से उत्पादन की प्रक्रिया को कमजोर करने के साथ ही सेल के लिए घातक साबित होगा। प्रधान नियोक्ता के नाते सेल प्रबंधन अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए छंटनी किए मजदूरों को काम में वापस लें। अन्यथा ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियन्स (ऐक्टू) आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

ढाई महीने से वेतन नहीं मिलने से उबले प्राथमिक, माध्यमिक और प्लस टू के शिक्षक संघों ने की घोषणा

बोकारो। कोषागार में कथित घोटाले के उजागर होने के बाद वित्त सचिव झारखंड के निदेर्शानुसार जिले के सभी शिक्षकों के मध्य विद्यालय स्थापना के निकासी एवं व्ययन पदाधिकारियों से विगत तीन वित्तीय वर्षों का जांच प्रतिवेदन जमा करने के बाद भी अभी तक कोषागार से वेतन पारित नहीं किया जा रहा है, वित्त विभागीय निर्देश से हटकर जिले में स्थानीय स्तर पर उपायुक्त बोकारो द्वारा उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में गठित कमिटी से अनापत्ति प्रमाण पत्र कर वेतन निकासी के आदेश में उप विकास आयुक्त बोकारो द्वारा अवांछित अड़ंगा उत्पन्न कर वेतन भुगतान की प्रक्रिया को अवरुद्ध कर रखा गया है। दूसरी तरफ माध्यमिक और प्लस टू के शिक्षकों के स्थापना से संबंधित जांच में निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी सह जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा अनावश्यक रूप से प्रधानाध्यापकों के ऊपर ठीकरा फोड़ते हुए विद्यालय स्तर से वेतन नामावली बनाने का निर्देश देकर वेतन निकासी को रोक रखा गया है, जबकि वेतन नामावली या पे रोल का संधारण निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी को ही करना होता है, सहायक आचार्यों के नियुक्ति के नौ माह बाद भी वेतन भुगतान नहीं किया जा रहा है। इस परिस्थिति में जिले के प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षकों में उबाल है, ढाई महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण पारिवारिक आर्थिक संकटों से जूझ रहे शिक्षकों के संघों की संयुक्त बैठक में निर्णय लिया गया कि जब तक वेतन भुगतान नहीं किया जाता है तब प्राथमिक, माध्यमिक, और प्लस टू के शिक्षक जनगणना कार्य शुरू नहीं करेंगे, 12 मई से प्रतिदिन दो बजे से शिक्षक उपायुक्त कार्यालय पर जमा होकर घंटी बजाएंगे और वेतन के लिए नारेबाजी करेंगे, जनगणना किट वितरण स्थल से कीट प्राप्त करने शिक्षक नहीं जाएंगे, 16 मई को जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय से उपायुक्त कार्यालय तक जुलूस निकालेंगे और उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन करेंगे, इसके बाद भी वेतन की समस्या का समाधान नहीं होने पर 16 मई को उपायुक्त कार्यालय से बृहत आंदोलन की घोषणा की जाएगी। आज की इस बैठक को अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश महासचिव राम मूर्ति ठाकुर, जिला अध्यक्ष राजू साहू, झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष वासुदेव सिंह चौधरी, जिला सचिव मुफीद आलम, झारखंड प्लस टू शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह, जिला महासचिव अवनीश कुमार झा, उच्च प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ता,कसमार प्रखंड उपाध्यक्ष मनीष कुमार जायसवाल ने संबोधित किया, बैठक में जिले भर के सैकड़ों शिक्षकों ने शिरकत की।

डीवाई पाटिल इंटरनेशनल स्कूल में मदर्स डे के अवसर पर विशेष सभा का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकरो : डी वाई. पाटिल इंटरनेशनल स्कूल, बोकारों में मदर्स डे के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बड़े उत्साह और भावपूर्ण माहौल में मनाया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को माँ के निस्वार्थ प्रेम, त्याग और महत्व से अवगत कराया गया। माँ, शब्द अपने आप में संपूर्ण संसार है। पहली गुरु, पहली दोस्त और जीवन का आधार माँ ही है। बच्चों ने अपनी भावनाओं को कला और संस्कृति के जरिए व्यक्त किया। कार्यक्रम की शुरूआत त्वमेव माता च पिता त्वमेव प्रार्थना से हुई। इसके बाद कक्षा प्री नर्सरी से कक्षा पहली तक के नन्हे विद्यार्थियों ने ₹तू कितनी अच्छी है गीत₹ पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी को भाव विभोर कर दिया।

इसके अतिरिक्त चित्र और कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। बच्चों ने अपने हाथों से अपनी माताओं के लिए सुंदर ग्रीटिंग काईस बनाए। हर कार्ड में लिखा यह संदेश - ₹आप मेरी पहली टीचर हो, थैंक्यू माँ !' प्रभारी प्राचार्य श्री मनोज कुमार ने माताओं को बधाई देते हुए अपने उद्बोधन में कहा, ₹माँ के बिना जीवन की कल्पना अधूरी है। ईश्वर भी माँ के रूप में धरती पर आते हैं।₹ उन्होने यह भी कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में कृतज्ञता और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं एवं अन्य कर्मचारियों का सहयोग रहा।

बोकारो में संगठित अपराध पर लगामः एसपी ने थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए

बिभा संवाददाता

बोकारो : जिले में संगठित अपराध, चोरी-छिनतई और साइबर धांधली पर लगाम लगाने की कवायद तेज हो गई है। एसपी नाथू सिंह मीणा ने कैंप-2 स्थित एसपी कार्यालय में थाना प्रभारियों, डीएसपी और आला पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर साफ निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया जाए।

एसपी ने जोर देकर कहा कि थाने पहुंचने वाले हर फरियादी की शिकायत सुनी जाए और कानून के मुताबिक तुरंत कार्रवाई हो। शहर में बढ़ रही चोरी-छिनतई की घटनाओं को रोकने के लिए पेट्रोलिंग व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए गए। साइबर अपराध पर समीक्षा तेज की जा रही है, जल्द ही इन पर भी अंकुश लगेगा। बता दें, बोकारो साइबर थाने में पिछले एक साल में कई शिकायतें दर्ज हुईं, लेकिन अपराधी अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं बैठक में पुलिस-पब्लिक के बीच मैत्री बढ़ाने और कानून-व्यवस्था दुरुस्त करने पर विशेष जोर दिया गया।

43वें बैच एसओटी ने धूमधाम से मनाया फैमिली प्राइड सेलिब्रेशन

बिभा संवाददाता

बोकारो : 43 वें बैच एसओटी के सदस्यों ने बोकारो क्लब में 'फैमिली प्राइड सेलिब्रेशन 2026' का भव्य आयोजन कर उत्साह और भाईचारे का अनूठा प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में सदस्यों व उनके परिवारजनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिससे यह यादगार बन गया।

कार्यक्रम की सफलता में कोर कमेटी के सदस्यों–प्रवीण पासवान, धनंजय दास, दिनेश कुमार महतो, रजनीश सिन्हा, आशीष बघेल, पंकज आर्य, अमित चौधरी, मतीन अंसारी और सुरेश रजवार–की अहम भूमिका रही। सभी सदस्यों, सहयोगियों व परिवारजनों के सक्रिय सहयोग से यह आयोजन अत्यंत आकर्षक साबित हुआ।

विशेष आकर्षण का केंद्र रहा स्वर्णालिका ज्वेलर्स के शिखर रस्तोगी, जिन्होंने मातृ दिवस के अवसर पर 43वें बैच एसओटी परिवार की महिलाओं को उपहार भेंट किए। यह न केवल सांस्कृतिक समारोह था, बल्कि बैच के सदस्यों के बीच प्रेम, एकता और पुराने बंधनों को मजबूत करने का माध्यम भी बना।सभी प्रतिभागियों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

खैराचातर की बेटियों ने बढ़ाया मान, पंचायत में सम्मान समारोह आयोजित

बिभा संवाददाता

बोकारो : कसमार प्रखंड के खैराचातर पंचायत की बेटियों ने झारखंड इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। राज्य और जिला स्तर पर सफलता का परचम लहराने वाली इन मेधावी छात्राओं के सम्मान में रविवार को नये पंचायत सचिवालय खैराचातर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है।

समारोह में मुख्य रूप से तीन छात्राओं को सम्मानित किया गया। जिसमे छोटी कुमारी झारखंड इंटरमीडिएट बोर्ड (कला संकाय) में राज्य स्तर पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। वही सीमा कुमारी इंटरमीडिएट (कला संकाय) में जिला स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया। खुशी प्रवीण इंटरमीडिएट (कला संकाय) में जिला स्तर पर पांचवां स्थान प्राप्त किया। इन तीनों लड़कियों को सम्मानित किया गया। इस गौरवमयी क्षण के साक्षी बनने के लिए प्रमुख नियोति दे, मुखिया विजय कुमार जायसवाल, सुमित्रा देवी,सहयोगिनी संस्था की सचिव कल्याणी सागर, निशाकर दे, श्याम प्रकाश जायसवाल, संजय सिंह, अजय जायसवाल, गौतम सागर, संजय जायसवाल, प्रकाश महतो, पूनम कुमारी, नंदकिशोर नायक, नीलम जायसवाल, राजेश जायसवाल, शेखर कपरदार, सुशीला जायसवाल, पुष्पा देवी, विजय कपरदार, मनोज घांसी,वार्ड सदस्य, आंगनवाड़ी सेविका-सहायिका, स्वास्थ्य सहिया, जल सहिया, जेएसएलपीएसकी सदस्य, पंचायत के शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्थानीय समाजसेवी, प्रखंड के सभी सम्मानित मुखिया शामिल हुए। इस अवसर पर प्रमुख नियोति दे ने कहा कि ग्रामीण परिवेश की इन बेटियों ने सीमित संसाधनों के बावजूद राज्य स्तर पर जो मुकाम हासिल किया है, वह पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। इस समारोह का उद्देश्य न केवल इन छात्राओं का उत्साहवर्धन करना है, बल्कि गांव की अन्य बालिकाओं को भी शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर करने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम का संचालन रेखा देवी ने की।

डीपीएस बोकारो में दो दिवसीय अंतरविद्यालय योगासन प्रतियोगिता 16 से

बिभा संवाददाता

बोकारो। विगत लगातार तीन वर्षों तक जिलास्तरीय एवं पिछले साल राज्यस्तरीय योगासन प्रतियोगिता के सफल आयोजन के बाद एक बार फिर दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो इस प्रतियोगिता की मेजबानी करने जा रहा है। बोकारो डिस्ट्रिक्ट योगासना स्पोर्ट एसोसिएशन के तत्वावधान में आगामी 16 एवं 17 मई को डीपीएस बोकारो में दोदिवसीय चतुर्थ बोकारो जिला योगासन प्रतियोगिता 2026 का आयोजन किया जा रहा है। 16 मई को प्रातः 9:00 बजे इसका उद्घाटन तथा 17 मई को भव्य समारोह के साथ समापन होगा। प्रतियोगिता सभी के लिए खुली है यानी सभी विद्यालयों व क्लबों के अलावा अन्य जगहों के प्रतिभागी भी इसमें भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और आगामी 14 मई तक ऑनलाइन व ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है।

अंडर- 9 से अंडर- 55 तक के प्रतिभागी दिखाएंगे अपने दमखम

अलग-अलग कैटेगरी में होने वाली इस प्रतियोगिता में योग की विभिन्न स्पधाओं में छात्र-छात्राओं और युवाओं के साथ-साथ 55 वर्ष तक की उम्र के महिला-पुरुष भी अपने दमखम दिखाएंगे। अंडर- 9 बालक-बालिका के लिए केवल सूर्य नमस्कार, अंडर- 14 सब-जूनियर एवं अंडर- 18 जूनियर बालक-बालिका के लिए ट्रेडिशनल योगासना के अलावा आर्टिस्टिक सिंगल एंड पेयर, रिदमिक पेयर, बैकवर्ड बेंड, फॉरवर्ड बेंड, सुपाइन, ट्विस्टिंग, लेग बैलेंस, हैंड बैलेंस एवं ग्रुप आर्टिस्टिक स्पधाएँ आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा सीनियर अंडर- 28, सीनियर ए अंडर- 35 सीनियर बी अंडर- 45 और सीनियर सी अंडर- 55 महिला-पुरुष वर्ग के लिए केवल ट्रेडिशनल इंडिविजुअल योगासना इवेंट का आयोजन किया जाएगा। एक प्रतिभागी अधिकतम तीन स्पधाओं में भाग ले सकता है।

स्वस्थ और सशक्त भारत-निर्माण के लिए योग जरूरी : डॉ. गंगवार

प्रतियोगिता के सफल एवं पुनः ऐतिहासिक आयोजन को लेकर शनिवार को डीपीएस बोकारो में एक बैठक आयोजित की गई। योगासन स्पोर्ट एसोसिएशन ऑफ झारखंड के मुख्य संरक्षक, बोकारो डिस्ट्रिक्ट योगासना स्पोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार की अध्यक्षता में यह बैठक हुई। इसमें प्रतियोगिता के निमित्त हर तरह की तैयारियों पर विचार-विमर्श के उपरांत समीक्षा की गई। साथ ही, अधिकारिक प्रतिभागियों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। डॉ. गंगवार ने कहा कि भारत के ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त यह प्राचीनतम योग-विद्या आज क्रीड़ा के रूप में बच्चा-बच्चा अपना रहा है। वास्तव में एक तरफ जहां हम वर्ष 2047 के विकसित भारत की ओर तेजी से अग्रसर हैं, तो दूसरी तरफ स्वस्थ, सशक्त और समृद्ध भारत-निर्माण के लिए भी हम सभी योग से जुड़ाव को लेकर संकल्पित होना होगा। इस दिशा में योगासना भारत के निर्देशन में एसोसिएशन की सभी इकाइयां झारखंड सहित पूरे देश में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इन्हीं प्रयासों का नतीजा है कि साल-दर-साल योगासन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों की संख्या बढ़ती जा रही है।

मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस पर माताओं ने मचाया धमाल

बिभा संवाददाता

बोकारो : मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि महिला थाना प्रभारी श्रीमती मीरा लकड़ा और निर्णायक श्री अखिलेश कुमार की मौजूदगी में सभी छात्रों की माताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी माताओं को समर्पित नृत्य पेश कर सबका दिल जीत लिया। इसके बाद माताओं के लिए नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें करीब 20 माताओं ने हिस्सा लिया। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

माँ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि माँ अपनी खुशियाँ त्यागकर बच्चों की छोटी-छोटी जरूरतों का ख्याल रखती हैं। फन गेम्स जैसे बैलून ब्रस्टिंग, आँखों पर पट्टी बाँधकर बच्चों को पहचानना और बच्चों की हिंदी कविता प्रतियोगिता ने माहौल को और रोमांचक बना दिया।

स्कूल सचिव श्री दिलीप कुमार झा ने संदेश में कहा, ₹आपके महत्व और प्रतिदिन के कार्यों के लिए मैं आभारी हूँ। आप करुणा, प्रेम और शक्ति से परिपूर्ण हैं। सबसे अद्भुत माँ को मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ!

अध्यक्ष श्री राजेंद्र कुमार ने कहा, माँ दुनिया की सारी खुशियाँ पाने की हकदार हैं। वह परिवार की ताकत और सबसे बड़ा सहारा होती हैं। माँ के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। प्राचार्य अमर प्रसाद और उप प्राचार्य देव दुलाल मित्रा ने संयुक्त रूप से कहा, उस अद्भुत महिला का सम्मान करें जो आपके जीवन का हिस्सा है और बच्चों का पालन-पोषण करती है। माँ के प्यार और त्याग का कोई मुकाबला नहीं।

विधानसभा प्राक्कलन समिति ने विभिन्न विभागों की समीक्षा

बिभा संवाददाता

दुमका। परिसदन भवन सभागार में झारखंड विधानसभा की प्राक्कलन समिति ने विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं परियोजना की प्रगति की समीक्षात्मक बैठक रविवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता सभापति सह लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू ने की। विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में बगोदर के विधायक नागेन्द्र महतो, घाटशिला विधायक सोमेश चंद्र सोरेन एवं टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो उपस्थित रहे। समिति ने योजनाओं के पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने एवं नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में आपदा प्रबंधन, पथ निर्माण विभाग, आपूर्ति विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, वन प्रमंडल दुमका, परिवहन विभाग, भवन निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, उत्पाद विभाग, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, भू-अर्जन, खनन विभाग सहित अन्य विभागों की समीक्षा की गई। पथ निर्माण विभाग को सड़कों के निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने एवं निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। आपूर्ति विभाग को राशन वितरण से संबंधित शिकायतों का त्वरित निवारण करने, समय पर लाभुकों के बीच राशन वितरण सुनिश्चित करने, नियमित क्षेत्र भ्रमण करने एवं नियमों का पालन नहीं करने वाले पीडीएस डीलरों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक पदाधिकारी को जिले के सभी चापाकलों को क्रियाशील रखने, खराब होने पर त्वरित मरम्मति कराने एवं पेयजल संकट उत्पन्न नहीं होने देने के निर्देश दिए गए।

बैठक में भवन निर्माण विभाग एवं निगम के तहत निमार्णाधीन भवनों की भी समीक्षा की गई। समिति ने डीपीआर में निर्धारित सभी मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान सभी सीएचसी एवं पीएचसी में आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर बल दिया गया। इससे लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। वहीं शिक्षा विभाग की समीक्षा में कार्यों को सराहना करते हुए प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण छात्रों को प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, वन प्रमंडल पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

लातेहार व्यवहार न्यायालय में डिजिटल न्यायिक कार्यों पर विशेष प्रशिक्षण

बिभा संवाददाता

लातेहार। व्यवहार न्यायालय परिसर में रविवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह के सानिध्य में एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण झारखंड उच्च न्यायालय के निदेर्शानुसार आयोजित किया गया, जिसमें न्यायिक अकादमी रांची के विशेषज्ञों ने न्यायालय कर्मियों को डिजिटल माध्यम से न्यायिक कार्यों के संचालन की विस्तृत जानकारी दी।प्रशिक्षण के दौरान न्यायालय कर्मियों को ई-कोर्ट प्रणाली, डिजिटल फाइलिंग, ऑनलाइन न्यायिक प्रक्रिया एवं तकनीकी दक्षता से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम दिनेश कुमार मिश्रा, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विक्रम आनंद, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कुमारी जीव एवं प्रभारी न्यायाधीश उत्कर्ष जैन उपस्थित रहे।प्रशिक्षक अभय सिंह एवं गणेश शंकर विद्यार्थी ने डिजिटल न्यायिक कार्यों को सरल और प्रभावी तरीके से संचालित करने की प्रक्रिया समझाई। मौके पर न्यायालय के कई कर्मी एवं अधिकारी मौजूद रहे।

पड़ रही भीषण गर्मी में बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं आदिम जनजाति परिवार के लोग

बिभा संवाददाता

लातेहार/चंदवा। कामता पंचायत के ग्राम दामोदर के परहैया टोला में करीब तीन चार माह से नल-जल योजना खराब होकर बंद पड़ा हुआ है, इससे दर्जन भर से अधिक आदिय जन जाति परिवार बुंद बुंद पानी के लिए तरस रहे हैं, पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने परहैया टोला का भ्रमण कर ग्रामीणों से मिलकर पानी समस्या की जानकारी ली, उन्होंने बताया कि पड़ रही भीषण गर्मी में यहां के ग्रामीणों को पीने की पानी के लिए काफी परेशानी हो रही है, परहैया टोला में रहने वाले परहैया परिवार के समुदाय के आज भी आदिम युग जैसी जिंदगी जीने को मजबूर हैं, शुद्ध पेयजल इन्हें नसीब नहीं हो रही है। प्यास बुझाने के लिए ग्रामीणों को कुआं का सहारा लेना पड़ रहा है, हालत इतनी बदतर है कि मासूम बच्चे और बुजुर्ग महिलाएं पानी के लिए कड़कड़ाती धूप में भटक रहे हैं, परहैया जाति के परिवार आज भी साफ पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित हैं,गर्मी बढ़ते ही पंचायत के गांव टोलों में जल संकट गहरा गया है और ग्रामीण नदी -नालों के सहारे जीवन गुजारने को मजबूर हैं, साफ पानी नहीं मिलने से गांव में बीमारियों का खतरा बना हुआ है, शुद्ध पानी नहीं मिलने से स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं।सरकार द्वारा विशेष योजनाओं के तहत पिछड़े और संरक्षित जनजातीय समुदायों को विकास से जोड़ने और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कई कार्य किए जा रहे हैं लेकिन अंतिम पायदान पर खड़े गांव और परिवार आज भी पानी और विकास से महरूम हैं।ग्रामीण बुटन परहैय, शिबन देवी, सबीता देवी, एतवरिया देवी, बुधमनीयां देवी का कहना है कि गांव में पीने के पानी का सिर्फ एक कुआं है इसके दुषित पानी से जिंदगी गुजार रहे हैं, गांव में दो नल-जल लगाए गए हैं एक नल-जल लगते ही बेकार पड़ा हुआ है दुसरे नल-जल करीब तीन चार माह से खराब पड़ा है।पंसस अयुब खान ने पंचायत में गहराए पेयजल संकट को जल्द से जल्द दूर करने की मांग उपायुक्त महोदय संदीप कुमार से की है।

संक्षिप्त खबरें

माँ शब्द में समाया पूरा संसार : रानी गुप्ता

हजारीबाग(बिभा): मदर्स डे के अवसर पर रानी गुप्ता ने मां के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि माँ केवल एक शब्द नहीं, बल्कि प्रेम, त्याग, ममता और एहसास का दूसरा नाम है। माँ अपने बच्चों की हर खुशी और हर दर्द को बिना कहे ही समझ जाती है। दुनिया में ऐसा कोई रिश्ता नहीं जो मां के प्रेम और समर्पण की बराबरी कर सके। उन्होंने कहा कि मां अपने बच्चों के लिए हर परिस्थिति में ढाल बनकर खड़ी रहती है और जीवनभर उनका मार्गदर्शन करती है। मां का प्यार निस्वार्थ होता है, जिसे शब्दों में पूरी तरह व्यक्त नहीं किया जा सकता। रानी गुप्ता ने सभी माताओं को मदर्स डे की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें सिर्फ एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन अपनी मां का सम्मान और आदर करना चाहिए।

मातृ दिवस पर हजारीबाग यूथ विंग ने ओल्ड एज होम में बांटी खुशियां, बुजुर्गों के चेहरों पर बिखरी मुस्कान

हजारीबाग(बिभा) : मातृ दिवस के पावन दिन पर हजारीबाग यूथ विंग द्वारा ओल्ड एज होम में विशेष सेवा एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्य वहां निवास कर रही मातृशक्ति एवं बुजुर्गों के बीच पहुंचे और पूरे आत्मीय भाव के साथ मातृ दिवस मनाया। इस दौरान ओल्ड एज होम का वातावरण भावुकता, सम्मान और अपनत्व से सराबोर हो उठा। संस्था की ओर से बुजुर्गों के बीच फल, बिस्किट ग्लूकोन-डी, हॉर्लिक्स, दूध के पैकेट, जूस, मुरी सहित कई आवश्यक खाद्य सामग्रियों का वितरण किया गया। संस्था के सदस्यों ने एक-एक बुजुर्ग से मिलकर उनका हालचाल जाना तथा उनके साथ समय बिताया। कार्यक्रम के दौरान कई बुजुर्ग भावुक हो उठे। किसी ने अपने परिवार की बातें साझा कीं तो किसी ने अपने जीवन के अनुभव सुनाए। पूरे धैर्य और आत्मीयता के साथ उनकी बातें सुनीं और उन्हें अपनेपन का एहसास कराया। मातृ दिवस के इस खास मौके पर बुजुर्ग माताओं के चेहरों पर जो मुस्कान देखने को मिली, वह पूरे कार्यक्रम की सबसे बड़ी उपलब्धि बन गई। कार्यक्रम के दौरान कई बुजुर्गों ने कहा कि ऐसे अवसर उन्हें अकेलेपन से बाहर निकालते हैं और यह एहसास कराते हैं कि वे समाज के लिए आज भी महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम के समापन पर वहां उपस्थित सभी बुजुर्गों ने संस्था के सभी सदस्यों को दोनों हाथ उठाकर आशीर्वाद दिया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूरे कार्यक्रम के दौरान ओल्ड एज होम में एक पारिवारिक वातावरण देखने को मिला।

माँ का प्यार शब्दों से परे : बबिता छाबड़ा

हजारीबाग(बिभा): मदर्स डे के अवसर पर बबिता छाबड़ा ने मां के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि अगर मां के बारे में बताने बैठें तो शायद समय भी कम पड़ जाए। मां के प्रेम, त्याग और ममता को शब्दों में बांध पाना संभव नहीं है।उन्होंने कहा कि मां ही जीवन का सर्वस्व होती है। मां का प्यार ऐसा एहसास है जिसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है, उसे पूरी तरह शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। एक मां अपने बच्चों की हर खुशी, हर दर्द और हर जरूरत को बिना कहे ही समझ जाती है। दुनिया में मां जैसा निस्वार्थ प्रेम कहीं नहीं मिलता। मां हर परिस्थिति में अपने बच्चों के लिए ढाल बनकर खड़ी रहती है और उनका जीवन संवारने में अपना पूरा जीवन समर्पित कर देती है।उन्होंने सभी माताओं को मदर्स डे की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मां का सम्मान सिर्फ एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन होना चाहिए।

मां का सम्मान हर दिन जरूरी, मदर्स डे सिर्फ एक दिन नहीं : संगीता नारनौली

हजारीबाग(बिभा): मदर्स डे केवल एक विशेष दिन नहीं, बल्कि हर दिन मां के सम्मान, प्रेम और समर्पण को याद करने का अवसर है। उक्त बातें समाजसेवी संगीता नारनौली ने कही। उन्होंने कहा कि मां का स्थान इस दुनिया में सबसे ऊंचा होता है। कहा जाता है कि भगवान हर जगह उपस्थित नहीं हो सकते, इसलिए उन्होंने मां को बनाया, जो हर परिस्थिति में अपने बच्चों का साथ निभाती हैं।संगीता नारनौली ने कहा कि मां अपने बच्चों की खुशी, शिक्षा, संस्कार और बेहतर भविष्य के लिए जीवनभर मेहनत करती हैं। वह बिना किसी स्वार्थ के अपने परिवार की देखभाल करती हैं और हर कठिन परिस्थिति में मजबूती से खड़ी रहती हैं। मां का प्यार सबसे सच्चा, पवित्र और अनमोल होता है, जिसकी तुलना किसी भी चीज से नहीं की जा सकती।उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमें सिर्फ मदर्स डे पर ही नहीं, बल्कि हर दिन अपनी मां के प्रति सम्मान, प्यार और आभार व्यक्त करना चाहिए। मां के आशीर्वाद और त्याग से ही परिवार मजबूत बनता है और समाज को सही दिशा मिलती है।संगीता नारनौली ने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि अपने व्यस्त समय में से कुछ पल अपनी मां के लिए जरूर निकालें, उनका सम्मान करें और उन्हें यह एहसास दिलाएं कि वे परिवार की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति हैं।

जमीन सर्वे की त्रुटियों के खिलाफ भाजपा छेड़ेगी आंदोलन, पंचायत चुनाव 2027 की तैयारी शुरूः मनीर उरांव

बिभा संवाददाता

लातेहारः भारतीय जनता पार्टी लातेहार जिला इकाई की महत्वपूर्ण जिला मासिक बैठक रविवार को जिला मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई। कार्यक्रम की शुरूआत पार्टी के पितृ पुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बंसी यादव जी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश मंत्री मनीर उरांव उपस्थित रहे।जिला अध्यक्ष बंसी यादव ने विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि वर्तमान में लातेहार जिले में जमीन सर्वे के नाम पर भारी अनियमितता बरती जा रही है। 20-30 साल पहले बिक चुकी जमीनें फिर से पुराने रैयत के नाम पर दर्ज हो रही हैं, जिससे गांवों में शांति भंग हो रही है और यह स्थिति खून-खराबे को आमंत्रण दे रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि प्रशासन ने इन त्रुटियों को अविलंब नहीं सुधारा, तो भाजपा उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।प्रदेश मंत्री मनीर उरांव ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की हेमंत सरकार हर मोर्चे पर विफल है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि पंचायत चुनाव 2027 को लक्ष्य मानकर अभी से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं, विशेषकर जमीन और बिजली-पानी के मुद्दों पर भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता ढाल बनकर खड़ा रहे।बैठक को मनिका के पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह , पूर्व जिला अध्यक्ष राजधानी प्रसाद यादव , पंकज सिंह एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सह अधिवक्ता राजीव रंजन पाण्डेय ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने संगठन की मजबूती और राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों पर कड़ा प्रहार किया।कार्यक्रम का कुशल संचालन जिला महामंत्री अमलेश सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री छोटू राजा द्वारा किया गया इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य महिला मोर्चा कल्याणी पांडे , प्रदेश कार्यसमिति सदस्य महिला मोर्चा मंजु सिंह , जिला परिषद सदस्य सरोज देवी , जिला उपाध्यक्ष राकेश दुबे , ईश्वरी सिंह , महिला मोर्चा जिला महामंत्री अर्पणा सिंह , युवा मोर्चा जिला महामंत्री अश्विनी सिंह , मनोज प्रसाद सहित जिले के सैकड़ों सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

निर्माण कार्य में गड़बड़ी की खबर छपते ही पत्रकारों को मिली धमकी, थाना में शिकायत दर्ज

बिभा संवाददाता

लातेहार/बरवाडीहः प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय बरवाडीह में चल रहे अतिरिक्त भवन निर्माण कार्य में कथित अनियमितता की खबर प्रकाशित होने के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। खबर प्रकाशित होने के बाद दो पत्रकारों को मोबाइल पर गाली-गलौज और धमकी दिए जाने का गंभीर मामला सामने आया है।जानकारी के अनुसार, पत्रकारों ने निर्माण कार्य में बरती जा रही कथित अनियमितताओं को लेकर समाचार प्रकाशित किया था। इसके बाद सांसद प्रतिनिधि से पक्ष जानने के लिए मोबाइल पर संपर्क किया गया। आरोप है कि बातचीत के दौरान जनप्रतिनिधि द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए पत्रकारों को धमकी दी गई। घटना से पत्रकारों में भारी आक्रोश है। मामले को लेकर दोनों पत्रकारों ने बरवाडीह थाना प्रभारी को लिखित आवेदन सौंपते हुए दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पत्रकारों ने कहा कि खबर प्रकाशित करना लोकतांत्रिक अधिकार और पत्रकारिता का दायित्व है, लेकिन इस तरह की धमकी प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला है।इधर, घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पत्रकारों और सामाजिक संगठनों में भी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

हजारीबाग के हृदय स्थल झील कहे जाने को मिलेगी नई पहचान :अरविंद कुमार राणा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग नगर निगम के महापौर अरविंद कुमार राणा मेयर बनने के बाद से लगातार दिन-रात अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। छुट्टी के दिन भी वे शहर के विकास कार्यों एवं आमजन से मुलाकात में सक्रिय रूप से जुटे रहते हैं।इसी क्रम में महापौर ने हजारीबाग शहर के हृदयस्थल माने जाने वाले बड़ा झील का गणमान्य लोगों के साथ भ्रमण किया। झील के सौंदर्यीकरण एवं समग्र विकास को लेकर उन्होंने कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर चर्चा की। इस संबंध में कला, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के सचिव मुकेश कुमार सिंह को ज्ञापन भी सौंपा गया, जिसमें झील विकास से जुड़े विभिन्न एजेंडों को शामिल किया गया है।भ्रमण के दौरान एक सामाजिक समूह द्वारा झील परिसर में पौधारोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाकर सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा था। इसे देखकर महापौर ने समूह के सदस्यों की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया तथा कहा कि समाज की भागीदारी से ही शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है।इस अवसर पर महापौर अरविंद कुमार राणा ने कहा कि आने वाले कुछ वर्षों में बड़ा झील की तस्वीर पूरी तरह बदल जाएगी। शहरवासियों को गंदगी और वाहनों से मुक्त, स्वच्छ, सुंदर एवं आकर्षक झील देखने को मिलेगी, जो हजारीबाग की नई पहचान बनेगी।उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर के सौंदर्यीकरण, पर्यटन विकास एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर लगातार कार्य कर रहा है, ताकि हजारीबाग को एक आधुनिक एवं स्वच्छ शहर के रूप में स्थापित किया जा सके।इस भ्रमण कार्यक्रम में शहर के कई गणमान्य एवं अनुभवी लोग उपस्थित थे, जिन्होंने झील विकास को लेकर अपने सुझाव भी साझा किए।

युवाओं को नशे से बचाने के लिए जागरूकता गोष्ठी आयोजित

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : नवोत्कर्ष फाऊंडेशन एवं नशा मुक्ति व स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के तहत युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकने और उसके समाधान पर चर्चा के उद्देश्य से शनिवार को प्रखंड मुख्यालय परिसर, पदमा के सभागार में एक महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयुक्त संचालन जिला स्तर पर इस मुहिम को आगे बढ़ा रहे परामर्शदाता अरुण कुमार यादव एवं शशिकांत मिश्रा के तत्वावधान में किया गया।कार्यक्रम में नवोत्कर्ष फाऊंडेशन की ओर से सक्रिय भूमिका निभा रहे प्रशांत कुमार मिश्रा सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से प्रसिद्ध अधिवक्ता अमरनाथ मिश्रा, पीएलवी अरुण कुमार आर्यन एवं प्रियंका यादव उपस्थित रहे। स्वास्थ्य क्षेत्र से डॉक्टर धीरज और डॉक्टर दीपक ने युवाओं में बढ़ते नशे के दुष्प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी।कार्यक्रम में झारखंड खेल प्राधिकरण पदमा केंद्र के मुख्य प्रशिक्षक उधम सिंह, स्थानीय प्रशासन से पुलिस पदाधिकारी विपिन बिहारी सिंह तथा सिविल सोसाइटी के कई प्रबुद्ध लोग शामिल हुए। सभी वक्ताओं ने युवाओं में तेजी से बढ़ रही नशे की लत पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए इसे सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर मिलकर रोकने की आवश्यकता बताई। अंचल पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी ने भी ऑनलाइन माध्यम से अपने विचार साझा करते हुए इस अभियान को जन-जागरूकता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। गोष्ठी में वक्ताओं ने बच्चों के बेहतर टाइम मैनेजमेंट, खेल-कूद के प्रति आकर्षण बढ़ाने, अभिभावकों द्वारा बच्चों के साथ अधिक समय बिताने तथा महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को नशा मुक्ति अभियान की सफलता के लिए आवश्यक बताया।

टीपी शाद्वाल कैरम बोर्ड टूनार्मेंट 2026 का हुआ शुभारंभ, मेयर अरविंद राणा ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि अनुशासन, एकता और आपसी भाईचारे का प्रतीक : मेयर

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग प्रेस क्लब में रविवार को टीपी साद्वल कैरम बोर्ड टूनार्मेंट 2026 का भव्य शुभारंभ हजारीबाग नगर निगम के मेयर अरविंद राणा द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर खिलाड़ियों, पत्रकारों एवं खेल प्रेमियों की उपस्थिति से आयोजन स्थल उत्साह और खेल भावना से सराबोर रहा।कार्यक्रम का उद्घाटन मेयर अरविंद राणा द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। इस अवसर पर मेयर अरविंद राणा ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि अनुशासन, एकता और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कैरम जैसे इंडोर खेल मानसिक एकाग्रता और धैर्य को मजबूत करते हैं तथा युवाओं को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मेयर ने हजारीबाग प्रेस क्लब द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देते हैं और प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं !टूनार्मेंट में निर्धारित सूची के अनुसार मुकाबले खेले गए। पहले चरण के मुकाबलों में कुणाल सिंह बनाम रुपेश कुमार दास, प्रदीप पाठक बनाम शशांक शेखर, रवि सिंह बनाम दीपक सिंह, अर्जुन टुडू बनाम अविरल लाल बिहारी, आशीष यादव बनाम एजाज आलम, मुरारी सिंह बनाम सितेश तिवारी, विवेक सिंह बनाम संजय लाल विश्वकर्मा, फैज अनवर बनाम अनिल राम, कृष्णा गुप्ता बनाम प्रदीप सिन्हा, अपराजिता पांडे बनाम कलाम खान, सागर कुमार बनाम रूपांशु चौधरी, अनुज सिन्हा बनाम सुशांत सोनी एवं रवि शर्मा बनाम सुमन सिन्हा के बीच रोमांचक मुकाबले हुए।

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया, वहीं दर्शकों ने भी तालियों के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन समिति ने बताया कि टूनार्मेंट के आगामी चरणों में विजेता खिलाड़ियों के बीच मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

रामगढ़ में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर प्रखंड में मनाया जाएगा

बिभा संवाददाता

रामगढ़.: भारत स्वाभिमान सह पतंजलि योग समिति के तत्वावधान में रविवार को होटल लॉ मेरीटॉल परिसर स्थित जिला कार्यालय में पदाधिकारी व कार्यकताओं की बैठक हुयी. बैठक की अध्यक्षता भारत स्वाभिमान के जिला संयोजक योजक प्रमोद लाल ने किया. बैठक में मुख्य रूप से आगामी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाये जाने को लेकर विस्तार से चर्चा किया गया. बैठक में निर्णय लिया गया कि जिला के प्रत्येक वार्ड में योग दिवस मनाया जायेगा. इसके लिये पतंजलि परिवार से जुड़े योग शिक्षकों को जबावदेही दी जायेगी. साथ ही प्रत्येक वर्ष की तरह जिला में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा. साथ ही लोगों को योग से होनवाले फायदे की जानकारी दी जायेगी. साथ ही अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सात दिन पूर्व से जिला के सभी प्रखंडों में सात दिवसीय सहयोग शुरू किया जायेगा. बताया कि जिला स्तरीय योग शिक्षक का प्रशिक्षण ऑनलाइन 16 मई से शुरू होगा. इस प्रशिक्षण में अधिक से अधिक युवाओं को शिक्षक के रूप में प्रशिक्षित करना है. बैठक में पतंजलि रामगढ जिला के संयोजक ओमप्रकाश मोदी ने हरिद्वार से सहयोग शिक्षक का प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे बिनोद को प्रमाण-पत्र सौंपा गया. कहा गया कि इस सटिफिकेट के बाद एक कुशल योग शिक्षक की मान्यता मिलती है. बैठक में मुख्य रूप से जिला संरक्षक ओम प्रकाश मोदी, जिला कोषाध्यक्ष रजनीकांत राठौर, जिला महिला महामंत्री लीलावती, जिला कार्यालय प्रभारी महेंद्र सोनी, चितरपुर प्रखंड प्रभारी प्रमोद, विजय कुमार गुप्ता, विनोद कुमार, रामकुमार करमाली मुख्य रूप से उपस्थित थे.

सोमनाथ से सिंदूर तकः पुनरुत्थानशील भारत की भावना

लेखक

पीयूष गोयल

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में नया भारत ऐसी चुनौतियों का जोरदार जवाब देता है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने आतंकवादियों और सीमा पार मौजूद उनके संरक्षकों को करारा सबक सिखाया। हाल के विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने उन दलों को नकार दिया, जो घुसपैठियों का समर्थन कर रहे थे, वोट-बैंक की राजनीति कर रहे थे और भारत की सांस्कृतिक विरासत को कमजोर कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर और सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, दोनों की वर्षगांठ में कुछ ही दिनों का अंतर है। ये दोनों ही भारत की दृढ़ता और शक्ति को दशार्ती हैं।

75 वर्ष पहले किया गया भव्य सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण और प्राण-प्रतिष्ठा भारत के सभ्यतागत गौरव की पुनर्स्थापना का निर्णायक क्षण था। इसने भारत की उस दृढ़ता और संकल्प को पुनः स्थापित किया, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन का मूल आधार है।

इस पवित्र उपलब्धि की 75वीं वर्षगांठ राष्ट्र को भारतीय सभ्यता की मजबूत नींव और शक्ति पर सर्वोच्च विश्वास प्रदान करती है, जो 1,000 वर्षों तक कट्टरपंथियों द्वारा मंदिर पर किए गए भीषण हमलों को झेलने के बाद भी और अधिक सशक्त होकर उभरी।

गुजरात के शांत समुद्र तट पर स्थित यह मंदिर हर आक्रमण के बाद खंडहरों से अपनी पूरी भव्यता के साथ फिर उठ खड़ा हुआ। कई मायनों में इसका इतिहास भारत के अतीत का प्रतिबिंब है, जहाँ हमारे शांतिप्रिय लोगों ने अपनी आस्था, संस्कृति और विरासत पर हुए क्रूर हमलों के बाद फिर से मजबूती से वापसी की।

जैसा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, जिस प्रकार सोमनाथ को नष्ट करने के लिए बार-बार षड्यंत्र और प्रयास हुए, उसी प्रकार विदेशी आक्रमणकारियों ने सदियों तक भारत को समाप्त करने की कोशिश की। फिर भी न तो यह पूजनीय तीर्थ नष्ट हुआ और न ही भारत।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि सोमनाथ पर हमलों का उद्देश्य लूटपाट से ज्यादा खतरनाक था। उन्होंने कहा, ह्ययदि हमले केवल लूट के लिए होते, तो एक हजार वर्ष पहले हुई पहली बड़ी लूट के बाद ही रुक गए होते। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सोमनाथ की पवित्र मूर्ति को अपवित्र किया गया, मंदिर के स्वरूप को बार-बार बदला गया। और हमें यह सिखाया गया कि सोमनाथ को केवल लूट के लिए नष्ट किया गया था। घृणा, उत्पीड़न और आतंक का यह क्रूर इतिहास हमसे छिपाया गया।

नेहरू का विरोध- स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण के मिशन का नेतृत्व किया। यह नवस्वतंत्र भारत में राष्ट्रीय आत्मविश्वास की प्रारंभिक अभिव्यक्तियों में से एक था। लेकिन इस प्रयास की राह में भी मुश्किलें आईं। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसके ऐतिहासिक लोकार्पण समारोह में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने का औपचारिक तौर पर विरोध किया। इसके बावजूद राष्ट्रपति ने 11 मई 1951 को मंदिर का लोकार्पण किया।

सदियों के क्रूर उत्पीड़न के बाद इस पुनर्निर्माण ने भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सभ्यता पर गर्व के बीज बोए। काशी विश्वनाथ और उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के पुनरुद्धार से लेकर अयोध्या में भव्य राम मंदिर तक; केदारनाथ के पुनर्जीवन से लेकर असंख्य धरोहर स्थलों के संरक्षण तक – भारत अपनी सभ्यता की कहानी को गरिमा और उद्देश्य के साथ पुनः स्थापित कर रहा है। इन प्रयासों से पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं व्यापार के अनेक अवसरों का सृजन हो रहा है।

वैश्विक पहचान- सोमनाथ की ही भांति भारत भी और अधिक सशक्त होकर उभरा है। यह विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ अपनी समृद्ध विरासत और आधुनिकता के अद्वितीय संगम के लिए वैश्विक पहचान बना रहा है। 2014 में जब देश भारी बहुमत से मोदी सरकार को सत्ता में लाया, तो संयुक्त राष्ट्र महासभा ने रिकॉर्ड 175 देशों के समर्थन से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया। योग आज एक वैश्विक वेलनेस मुहिम बन चुका है, जिसने दुनिया की सभी संस्कृतियों के लोगों को लाभ पहुंचाया है। एक दशक बाद, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पश्चिम एशिया में संयुक्त अरब अमीरात सरकार द्वारा उपहार में दी गई भूमि पर बने एक भव्य मंदिर का लोकार्पण किया। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने बहरीन में 200 वर्ष पुराने मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ किया था। वह नियमित रूप से प्रवासी भारतीयों से संवाद करते हैं जिससे वे भारतीय सांस्कृतिक विरासत का गौरवशाली दूत बन जाते हैं।

आयुष और योग का वैश्वीकरण-भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों से जुड़े पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसरों का सृजन करना, हाल के वर्षों में भारत द्वारा विकसित देशों के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। हमारे कारीगरों, श्रमिकों, किसानों, मछुआरों, छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स के लिए लाभकारी वैश्विक अवसरों का सृजन करने के साथ-साथ ये समझौते प्रधानमंत्री के विकास भी, विरासत भी के विजन को आगे बढ़ाते हैं।

हाल ही में न्यूजीलैंड के साथ संपन्न एफटीए पारंपरिक चिकित्सा और समग्र स्वास्थ्य सेवाओं में भारत की वैश्विक पहुँच में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें आयुष चिकित्सकों और योग प्रशिक्षकों के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक एवं ज्ञान-आधारित पेशेवरों को न्यूजीलैंड में कार्य करने के लिए वीजा कोटा प्रदान किया गया है।

यह एफटीए आयुर्वेद, योग और अन्य पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं के व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करता है तथा आयुष को समकालीन और वैश्विक रूप से प्रासंगिक स्वास्थ्य समाधान के रूप में स्थापित करता है।

ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया के साथ हुए व्यापार समझौतों में भी इसी प्रकार के प्रावधान हैं। यूरोपीय संघ के साथ एफटीए आयुष चिकित्सकों को भारत में प्राप्त व्यावसायिक योग्यता के आधार पर यूरोपीय देशों में सेवाएँ देने की अनुमति देगा। यह यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में आयुष वेलनेस सेंटर और क्लीनिक बनाने में भी मदद करता है।

नई चुनौतियों पर विजय-जहाँ एक ओर भारत की सांस्कृतिक विरासत दुनिया का ध्यान आकृ?ट कर रही है, वहीं देश कट्टरपंथियों के निशाने पर बना हुआ है, जो आतंकवाद और घुसपैठ के माध्यम से भारत की सामंजस्यपूर्ण विरासत को बिगाड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में नया भारत ऐसी चुनौतियों का जोरदार जवाब देता है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने आतंकवादियों और सीमा पार मौजूद उनके संरक्षकों को करारा सबक सिखाया। हाल के विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने उन दलों को नकार दिया, जो घुसपैठियों का समर्थन कर रहे थे, वोट-बैंक की राजनीति कर रहे थे और भारत की सांस्कृतिक विरासत को कमजोर कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर और सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, दोनों की वर्षगांठ में कुछ ही दिनों का अंतर है। ये दोनों ही भारत की दृढ़ता और शक्ति को दशार्ती हैं।

सोमनाथ की कहानी अंततः राजनीति से कहीं आगे है। यह एक ऐसी सभ्यता की दास?तान है, जिसने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। अपने पुनर्निर्माण के 75 वर्ष बाद, आज सोमनाथ केवल मंदिर नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ता, निरंतरता और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का कालजयी प्रतीक बनकर खड़ा है।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं।)

संपादकीय

बंगाल का 'रक्त-चरित्र'

बेशक पश्चिम बंगाल में 'परिवर्तन' का जनादेश दिया गया है और आज पहली भाजपा सरकार शपथ ग्रहण कर रही है, लेकिन बंगाल का 'रक्त-चरित्र' नहीं बदला है। जनादेश के बाद बंगाल का 'बदलापुर' सामने है। चुनाव के बाद हिंसा, हत्या, आगजनी, तोडफोड़, कब्जेबाजी और बुलडोजर सरेआम दिख रहे हैं। पांच राजनीतिक हत्याएं की जा चुकी हैं। उनमें घोर निर्मम हत्या सुवेन्दु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की है। सुवेन्दु भाजपा सरकार के भावी मुख्यमंत्री माने जा रहे हैं। गौरतलब है कि उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनकी घरेलू सीट 'भवानीपुर' में पराजित किया है। चंद्रनाथ राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे। वायुसेना से सेवानिवृत्त थे। वह सुवेन्दु के साथ तब से कार्यरत थे, जब सुवेन्दु ममता सरकार में मंत्री थे और मुख्यमंत्री के भरोसेमंद नेता थे। हमलावरों ने चंद्रनाथ को उनके घर से 100-150 मीटर दूर ही गोलियों से भून दिया। हमलावर अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, लेकिन एसआईटी की जांच जारी है। ममता बनर्जी ने अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग की है, जिसे तृणमूल नेता दोहरा रहे हैं। सुवेन्दु अधिकारी का मानना है कि हमलावरों के निशाने पर वह थे, क्योंकि उन्होंने ममता बनर्जी को हराया है, लेकिन उनके सहायक की हत्या कर दी गई। यह पूर्व नियोजित, साजिशाना, नृशंस हत्या है। हमलावरों को बख्शा नहीं जाएगा। दरअसल यह हत्या ही बंगाल के 'रक्तचरित्र' को बयां करती है। हालांकि चुनाव और जनादेश के बाद भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल और तृणमूल के कार्यकर्ता अबीर शेख की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। कांग्रेस कार्यकर्ता को भी मारा गया है, जबकि बंगाल में कांग्रेस के अवशेष ही बचे हैं। बंगाल के कोलकाता, हावड़ा, टॉलीगंज, हुगली, बांकुरा, आसनसोल, बीरभूम, जलपाईगुड़ी से 24 परगना तक हिंसा का जो 'नंगा नाच' सामने आया है, उनके 'रक्तबीज' कौन हैं? कमोबेश बंगाल से 'भद्रलोक' का सम्मानजनक विशेषण छीन लेना चाहिए, क्योंकि अब वह मुखौटा भर है, क्योंकि राजनीतिक हिंसा और हत्याओं में बंगाल देश में शीर्ष स्थान पर है। यह राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का आंकड़ा है। इस बार भी 400 से अधिक जगहों पर हिंसा, तोडफोड़, आगजनी की घटनाएं हुई हैं। 200 से अधिक अप्राथमिकी दर्ज की गई हैं, 433 लोगों की गिरफ्तारियां की गई हैं और करीब 1100 लोग हिरासत में लिए गए हैं। राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 2.40 लाख जवान तैनात किए गए थे। सीएपीएफ की 500 कंपनियां और तैनात की जा रही हैं, लेकिन बंगाल का 'रक्तचरित्र' यथावत है, कोई अंकुश नहीं, कोई बदलाव नहीं। बेशक प्रधानमंत्री मोदी 'बदला नहीं, बदलाव' की अपील करते रहें। इस बार चुनाव के दौरान अपेक्षाकृत बहुत कम हिंसा हुई। हत्या कोई नहीं हुई थी, लेकिन चुनाव और जनादेश के बाद बंगाल का 'रक्तरंजित' चरित्र सामने आ गया। दरअसल बंगाल में जो 'रक्तबीज' कांग्रेस ने बोया था, उससे पैदा हिंसा की फसलों को वाममोर्चे की सत्ता के दौरान 'संस्थानगत' आकार दिया गया। तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई, तो वामदलों के गुंडे, अपराधियों ने निष्ठाएं बदल लीं और तृणमूल के साथ जुड़ गए। नतीजतन 15 साल की सत्ता के दौरान हिंसा, हत्या, दादागीरी, गुंडई और इलाकाई बदमाशी का एक 'इकोसिस्टम' तैयार हो गया।

चिंतन-मनन

वर्तमान में जिएं

मुनि ने सेठ की पुत्रवधू से पूछा, श्वसुरजी कहां हैं? उसने कहा, जूते की दुकान पर गए हैं। श्वसुर उस समय आराधना-कक्ष में आराधना कर रहा था। उसने सुना, वह तत्काल आया और बोला, महाराज! मेरी पुत्रवधू ने असत्य कहा है। मैं आराधना कर रहा था। इसने जानते हुए भी असत्य कहा है। मुनि ने सेठ से कुछेक प्रश्न पूछे। पूछते-पूछते एक प्रश्न के उत्तर में सेठ ने कहा, धर्म की आराधना तो चल रही थी, किन्तु एक बात मन में चक्कर लगा रही थी कि आराधना पूरी होते ही मैं दुकान पर जाकर जूते खरीदूंगा। जूते फट गए हैं, अच्छा नहीं लगता। कब आराधना पूरी हो और कब मैं जूते वाले के यहां जाऊं। इसी विचार से आराधना पूरी कर अब बाहर आया हूं। मुनि बोले, सेठजी! तुम्हारी पुत्रवधू ने सत्य ही तो कहा था। तुम्हारा शरीर आराधना-कक्ष में था, पर चित्त जूते की दुकान के चक्कर लगा रहा था। बिना चित्त के आराधना कैसी? प्रत्येक आदमी की आज यही दशा है। उसका चित्त किसी और दिशा में जा रहा है और शरीर किसी भिन्न दिशा में है। हमारा शरीर स्नायविक क्रिया के आधार पर काम करता है। कोई व्यक्ति जब पहले दिन सीढियों पर चढ़ता है, तब सावधानी से पैर रखता है। दस-बीस बार उन सीढियों पर चढ़ चुकने के बाद पैर अभ्यस्त हो जाते हैं। इसी प्रकार हमारे शारीरिक स्नायुओं को अभ्यास हो जाता है, फिर काम के साथ चित्त को जोड़ना नहीं पड़ता। काम यंत्रवत पूरा हो जाता है। हमें पता ही नहीं चलता। एक सफल सूत्र है-वर्तमान में जीना।

संवैधानिक संस्थानों पर गहराता संदेह और बदलता सियासी मिजाज

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय लोकतंत्र आज एक दोराहे पर है, जहां चुनाव के नतीजों से ज्यादा चर्चा चुनावी प्रक्रिया और संवैधानिक मयार्दाओं की हो रही है। देश की राजनीति में हाल के दिनों में जो कुछ घटा है—चाहे वह पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और राज्यपाल के बीच का अभूतपूर्व टकराव हो, या फिर विपक्षी नेताओं का जेल जाना - इन सबने आम जनता के मन में कई गंभीर सवाल पैदा कर दिए हैं। क्या हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं वास्तव में स्वतंत्र हैं? या फिर सत्ता की बिसात पर मोहरे अब संस्थानों की गरिमा से बड़े हो गए हैं?

सबसे पहले बात करते हैं पश्चिम बंगाल की। वहां संवैधानिक संकट जिस मोड़ पर पहुंचा है, वह भारतीय संसदीय इतिहास के लिए एक चिंताजनक अध्याय है। ममता बैनर्जी ने चुनाव हारने के बाद साफ कह दिया कि हम हारे नहीं है, बल्कि चुनाव आयोग ने हमें हराया है, मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, राज्यपाल चाहें तो मुझे सस्पेंड कर दें, मैं चुनावी प्रक्रिया में धांधली के मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाऊँगी या फिर अंतरराष्ट्रीय कोर्ट जाऊँगी यह पहली बार हुआ है जब किसी मुख्यमंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया तो राज्यपाल ने सरकार बरखास्त कर दी, राज्यपाल ने बरखास्त कर दिया ये तो होना ही था, लेकिन इस तरह न नाटकीय घटनाओं से लोकतंत्र कमजोर होता है, उसमे सत्ता - विपक्ष दोनों को गहराई से सोचना चाहिए कि आम नागरिको में क्या संदेश जाएगा।

क्या लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं सक्रिय राजनीति का अखाड़ा बन गई हैं? यह सवाल आज हर जागरूक नागरिक पूछ रहा है। वहीं दूसरी ओर, देश में ईवीएम और वोट चोरी को लेकर उठ रहे स्वर थमने का नाम नहीं ले रहे। हालांकि चुनाव आयोग बार-बार इसकी शुचिता का दावा करता है, लेकिन जब विपक्षी दल और नागरिक समाज के एक बड़े हिस्से में अविश्वास पैदा हो जाए, तो वह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

भाजपा की एकतरफा जीत को लेकर भी समाज में दो फाड़ है, समर्थकों के लिए यह विकास की जीत है, तो विरोधियों के लिए यह संसाधनों और संस्थानों के दुरुपयोग का परिणाम। यह कहना भी हास्यापद होगा कि देश में राम राज्य आ गया है, क्योंकि महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव जैसे जमीनी मुद्दे आज भी जस के तस बने हुए हैं।

राजनीति की नैतिकता पर सबसे बड़ा प्रहार दलबदल ने किया है। क्षेत्रीय दलों के कद्दावर नेताओं का रातों-रात पाला बदलकर भाजपा के साथ जुड़ना, अब विचारधारा की राजनीति नहीं बल्कि अवसरवाद की राजनीति का प्रतीक बन गया है। जब जनता किसी व्यक्ति को एक खास विचारधारा के लिए चुनती है और वह नेता व्यक्तिगत लाभ या दबाव में दूसरी तरफ चला जाता है, तो यह सीधे तौर पर जनमत का अपमान है। आयाराम-गयाराम की यह संस्कृति लोकतांत्रिक शुचिता पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाती है। इन सबके बीच, न्यायपालिका की साख पर भी उंगली उठने लगी है। हाल ही में अरविंद केजरीवाल द्वारा अदालत में यह कहना कि - मुझे आप पर विश्वास नहीं है कि आप न्याय करेंगी, केजरीवाल का दावा था कि जज आरएसएस से जुड़ी संस्था अधिवक्ता परिषद के कार्यक्रमों में कई बार शामिल हुई हैं, जो एक विशेष विचारधारा को दशार्ता है। यह एक बेहद डराने वाली स्थिति की ओर इशारा करता है। जब देश के बड़े नेता और आम आदमी अदालतों की निष्पक्षता पर संदेह करने लगें, तो समझ लीजिए कि लोकतंत्र का अंतिम स्तंभ भी डगमगा रहा है। न्याय का केवल होना ही काफी नहीं है, बल्कि उसका दिखना भी जरूरी है।

आज की राजनीति में स्वतंत्र संस्थानों की विश्वसनीयता सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। चुनाव आयोग, जांच एजेंसियां और यहां तक कि राजभवन - सभी की निष्पक्षता आज सवालों के घेरे में है। लोकतंत्र केवल वोट डालने और सरकार बनाने का नाम नहीं है; यह विश्वास और मयार्दाओं का खेल है। अगर जनता का भरोसा इन संस्थाओं से टूट गया, तो फिर हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने का गौरव कैसे बनाए रखेंगे? वक्त आ गया है कि सत्ता और विपक्ष, दोनों आत्ममंथन करें। राजनीति में जीत-हार चलती रहती है, लेकिन जीत की भूख में अगर हम लोकतंत्र की नींव ही खोद देंगे, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। संस्थानों को अपनी रीढ़ मजबूत करनी होगी और नेताओं को अपनी नैतिकता। क्योंकि बिना विश्वास के, लोकतंत्र केवल एक खोखला ढांचा बनकर रह जाएगा।

(लेखक पत्रकार हैं)

सोमनाथ : आस्था, संकल्प और पुनर्जागरण की अनंत धारा

लेखक

गजेन्द्र सिंह शेखावत

श्रीमद्भगवद्गीता के इस श्लोक में निहित भाव और भारतीय सभ्यता की सनातन चेतना का सबसे जीवंत स्वरूप गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र के दक्षिणी तट पर स्थित सोमनाथ मंदिर में दिखाई देता है। बारह ज्योतिर्लिंगों में प्रथम माने जाने वाले सोमनाथ ने इतिहास में अनेक आक्रमणों और विनाश को सहा, लेकिन हर बार फिर खड़ा हुआ और उसकी आरती, घंटियों और श्रद्धा की ध्वनि कभी थमी नहीं।

भारतीय इतिहास के हजारों वर्षों में सनातन धर्म ने कई तरह की चुनौतियों का सामना किया। राजनीतिक परिवर्तन, आक्रमण और सत्ता परिवर्तन के दौर में मंदिरों, मठों और ज्ञान केंद्रों को नुकसान पहुंचाया गया, उनकी संरचनाएं बदली गईं और उन्हें संरक्षण देने वाली व्यवस्थाएं भी प्रभावित हुईं। इसके बावजूद भारतीय आध्यात्मिक परंपरा न केवल जीवित रही, बल्कि समय के साथ स्वयं को पुनर्स्थापित भी करती रही। इसकी सबसे बड़ी शक्ति यही रही कि संस्थागत क्षति और राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद इसकी आत्मा कभी समाप्त नहीं हुई।

प्राचीन और मध्यकालीन भारत में मंदिर केवल पूजा के स्थल नहीं थे, बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन के भी केंद्र थे। राजसत्ता से उनके गहरे संबंध के कारण वे युद्ध और संघर्ष के समय सबसे पहले निशाने पर आए। महमूद गजनवी द्वारा सोमनाथ पर किया गया आक्रमण इतिहास की सबसे चर्चित घटनाओं में से एक है। फारसी ग्रंथों में इसे विजय के रूप में प्रस्तुत किया गया, जबकि भारतीय परंपरा में इसे पीड़ा, संघर्ष और पुनर्निर्माण की कथा के रूप में याद किया गया। लेकिन ऐतिहासिक सत्य यह है कि सोमनाथ कभी श्रद्धा से विलुप्त नहीं हुआ। चालुक्य शासकों सहित अनेक राजाओं ने इसका पुनर्निर्माण कराया और यह निरंतर आस्था का केंद्र बना रहा। ऐसी अनेक घटनाएं भारत के अन्य हिस्सों में भी देखने को मिलती हैं।

सोमनाथ का इतिहास केवल एक आक्रमण की कहानी नहीं है। प्राचीन काल से ही प्रभास पाटन एक महान तीर्थभूमि रहा है। इसे विभिन्न ग्रंथों और परंपराओं में प्रभास-पट्टन, शिव-पट्टन और प्रभास-तीर्थ जैसे नामों से जाना गया। यहां तीन पवित्र नदियों का संगम होता है और यही वह स्थान माना जाता है जहां भगवान श्रीकृष्ण के देहत्याग के बाद उनका अंतिम संस्कार हुआ। निकट ही वैराग्य क्षेत्र और गोपी तालाब स्थित हैं, जहां से गोपी चंदन प्राप्त होता है। इस संपूर्ण क्षेत्र की यात्रा को भारतीय तीर्थ परंपरा में अत्यंत पवित्र माना गया है। काठियावाड़ और गुजरात की प्राचीन धरोहरों पर आधारित कई ऐतिहासिक अभिलेखों और पुरातात्विक रिपोर्टों में भी इस क्षेत्र का उल्लेख मिलता है।

सोमनाथ भारत की समावेशी सांस्कृतिक परंपरा का भी प्रतीक है। यह शैव और वैष्णव परंपराओं के अद्भुत संगम का केंद्र है और हमें यह याद दिलाता है कि भारतीय संस्कृति हमेशा से बहुलतावादी और समावेशी रही है।

स्वतंत्र भारत में सोमनाथ के पुनर्जागरण का आधुनिक अध्याय 12 नवंबर 1947, दीपावली के दिन आरंभ हुआ, जब देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस पवित्र स्थल का दौरा किया। विभाजन की पीड़ा के बीच सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया। यह केवल एक मंदिर के पुनर्निर्माण का निर्णय नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय चेतना को पुनर्जीवित करने का एक ऐतिहासिक प्रयास था। इसके बाद सोमनाथ को एक सांस्कृतिक और बौद्धिक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य प्रारंभ हुआ।

11 मई 1951 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में प्रातःकाल संपन्न हुई प्राण-प्रतिष्ठा ने पूरे राष्ट्र की सांस्कृतिक स्मृति और आत्मविश्वास को नई शक्ति प्रदान की।

आज जब भारत ह्यभारत@2047ह्व की ओर बढ़ रहा है, तब सोमनाथ से जुड़े ये सभ्यतागत मूल्य और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। तकनीकी बदलाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में भारत दुनिया को यह संदेश देता है कि विकास का अर्थ करुणा को त्यागना नहीं है और शक्ति का अर्थ संयम को छोड़ देना नहीं है। सोमनाथ हमें सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व केवल सामर्थ्य से नहीं, बल्कि स्मृति, विवेक और मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता से निर्मित होता है।

इसी दृष्टि से ह्लसोमनाथ स्वाभिमान पर्व 2026-27ह्व की परिकल्पना की गई है। यह वर्षभर चलने वाला राष्ट्रीय आयोजन सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की आध्यात्मिक शक्ति, सांस्कृतिक निरंतरता और सभ्यतागत चेतना को समर्पित है। सदियों तक अनेक बार विध्वंस झेलने के बाद भी जिस प्रकार समाज के सामूहिक संकल्प से सोमनाथ पुनः स्थापित होता रहा, वह भारत की सांस्कृतिक आत्मशक्ति और राष्ट्रीय स्वाभिमान का जीवंत उदाहरण है।

8 से 11 जनवरी 2026 के बीच प्रारंभ हुए इस पर्व के माध्यम से दो महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पड़ावों को स्मरण किया जा रहा है - 1026 में सोमनाथ पर हुए प्रथम दर्ज आक्रमण के एक हजार वर्ष और स्वतंत्रता के बाद 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के पुनः उद्घाटन के 75 वर्ष।

इस आयोजन का उद्देश्य सोमनाथ को राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक चेतना और सामूहिक स्मृति के प्रतीक के रूप में स्थापित करना है। 11 मई 2026 को आयोजित होने वाले प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रम तक देशभर में यात्राएं, सांस्कृतिक आयोजन, संवाद, शैक्षिक कार्यक्रम और विभिन्न ज्योतिर्लिंगों, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, जिलों और शिवालयों में समन्वित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, जो श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं, सोमनाथ ने एक नए पुनर्जागरण का दौर देखा है। प्रशासनिक सुधार, आधारभूत संरचना का विकास, धरोहर संरक्षण और सांस्कृतिक पहलों ने सोमनाथ को एक जीवंत आध्यात्मिक केंद्र के रूप में और अधिक सशक्त किया है। पर्यावरणीय संतुलन और महिला-सशक्तिकरण आधारित सेवा पहलों के माध्यम से यह दिखाया गया है कि भारतीय सभ्यतागत मूल्य आधुनिक जिम्मेदारियों और समावेशिता के साथ कैसे आगे बढ़ सकते हैं।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व आधुनिक समाज को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का एक प्रयास है। यह हमें याद दिलाता है कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं है। इसकी वास्तविक शक्ति उन मूल्यों, परंपराओं और जिम्मेदारियों में है, जिन्हें पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया जाता रहा है। इसी कारण आज सोमनाथ केवल पुनर्निर्मित मंदिर नहीं, बल्कि एक जीवंत तीर्थ है।

इक्कीसवीं सदी में आगे बढ़ते भारत के लिए सोमनाथ एक महत्वपूर्ण संदेश देता है – कोई भी सभ्यता तब मजबूत रहती है जब वह अपनी जड़ों से जुड़ी रहे, समय के साथ स्वयं को ढालती रहे और सभी को साथ लेकर चले।

सोमनाथ की यह विरासत हमें निरंतर प्रेरित करती रहे – उद्देश्यपूर्ण निर्माण करने के लिए, संतुलित आचरण के लिए और अपनी पहचान के प्रति सजग रहते हुए आगे बढ़ने के लिए।

जय सोमनाथ!

(लेखक केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार है)

रुद्राक्ष के 1 छोटे से उपाय से दूर कर सकते हैं कुंडली के दोष

रुद्राक्ष को हमारे शास्त्रों ने अत्यंत पवित्र माना है। किंवदती है कि रुद्राक्ष भगवान शिव की आंख का अश्रु है। रुद्राक्ष एक से लेकर चौदह मुखी तक पाए जाते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष अत्यंत दुर्लभ होने के साथ-साथ साक्षात भगवान शिव का प्रत्यक्ष रूप माना जाता है। अतः उचित रुद्राक्ष धारण कर जन्मपत्रिका में बने अशुभ योगों के दुष्प्रभाव में कम कर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि जन्मपत्रिका के किस दोष के लिए कौन सा रुद्राक्ष धारण किया जाना श्रेयस्कर रहेगा-

- मांगलिक योग- मांगलिक योग की शांति के लिए 11 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- ग्रहण योग- ग्रहण योग की शांति के लिए 2 एवं 8 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- केमद्रुम योग- केमद्रुम योग की शांति के लिए 13 मुखी रुद्राक्ष चांदी में धारण करना लाभप्रद रहता है।
- शकट योग- शकट योग की शांति के लिए 10 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- कालसर्प दोष- कालसर्प दोष की शांति के लिए 8 व 9 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- अंगारक योग- अंगारक योग की शांति के लिए 3 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- चांडाल दोष- चांडाल दोष की शांति के लिए 5 व 10 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठीं सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

- तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योंकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारत्मक उर्जा का संचार होता है।
- तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाईं ओर रखें क्योंकि किचन के दाईं ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।
- कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा।

भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों हैं विराजित

शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असमर्थता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।

तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का पौराणिक और साइंटिफिक कारण

शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल के अलावा दूध, घी, शहद, दही आदि क्यों अर्पित किए जाते हैं? इसके दो कारण है पहला कारण तो पौराणिक है और दूसरा कारण साइंटिफिक है। आओ जानते हैं हम दोनों ही कारणों को संक्षिप्त में।

पौराणिक कथा के अनुसार जब समुद्र मंथन हुआ तो सबसे पहले उसमें से विष निकला। इस विष से संपूर्ण संसार पर विष का खतरा मंडराने लगा। इस विपत्ति को देखते हुए सभी देवता और दैत्यों ने भगवान शिव से इससे बचाने की प्रार्थना की। क्योंकि केवल भगवान शिव के पास ही इस विष के ताप और असर को सहने की क्षमता थी। तब भगवान शिव ने संसार के कल्याण के लिए बिना किसी देरी के संपूर्ण विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष का तीखापन और ताप इतना ज्यादा था कि भोले बाबा का कंठ नीला हो गया और उनका शरीर ताप से जलने लगा। जब विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में विराजमान देवी गंगा पर पड़ने लगा तो उन्हें शांत करने के लिए जल की शीतलता कम पड़ने लगी। उस वक्त सभी देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ ही उन्हें दूध ग्रहण करने का आग्रह किया ताकि विष का प्रभाव कम हो सके। सभी के कहने से भगवान शिव ने दूध ग्रहण किया और उनका दूध से अभिषेक भी किया गया। तभी से ही शिवलिंग पर दूध चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है। कहते हैं कि दूध भोले बाबा का प्रिय है और उन्हें सावन के महीने में दूध से स्नान कराने पर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

साइंटिफिक कारण

- कहते हैं कि शिवलिंग एक विशेष प्रकार का पत्थर होता है। इस पत्थर को क्षरण से बचाने के लिए ही इस पर दूध, घी, शहद जैसे चिकने और ठंडे पादार्थ अर्पित किए जाते हैं।
- अगर शिवलिंग पर आप कुछ वसायुक्त या तैलीय सामग्री अर्पित नहीं करते हैं तो समय के साथ वे भंगुर होकर टूट सकते हैं, परंतु यदि उन्हें हमेशा गीला रखा जाता है तो वह हजारों वर्षों तक ऐसे के ऐसे ही बने रहते हैं। क्योंकि शिवलिंग का पत्थर उपरोक्त पदार्थों को एब्जॉर्ब कर लेता है जो एक प्रकार से उसका भोजन ही होता है।
- शिवलिंग पर उचित मात्रा में ही और खास समय पर ही दूध, घी, शहद, दही आदि अर्पित किए जाते हैं और शिवलिंग को हाथों से रगड़ा नहीं जाता है। यदि अत्यधिक मात्रा में अभिषेक होता है या हाथों से रगड़ा जाता है तो भी शिवलिंग का क्षरण हो सकता है। इसीलिए खासकर सोमवार और श्रावण माह में ही अभिषे करने की परंपरा है।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुनः साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

फेंगशुई क्या है? कैसे करता है लाइफ को प्रभावित

फेंगशुई चीन का वास्तु शास्त्र है जिसका भारत में भी बहुत ज्यादा प्रचलन हो चला है। फेंगशुई के कई आइटम आजकल बाजार में मिलते हैं। जैसे विंड चाइम, लाफिंग बुद्धा, कछुआ, तीन टांगों वाला मेंढक, मछलीघर, तीन सिक्के, क्रिस्टल-ट्री, बांस का पौधा आदि। आओ जानते हैं कि कैसे करता है लाइफ को प्रभावित फेंगशुई।

वायु और जल

फेंग और शुई का शाब्दिक अर्थ है वायु और जल। फेंगशुई के टिप्स घर के वायु और जल को सकारात्म दिशा देने वाले होते हैं। यह घर के वातारवण को प्रभावित करता है।

प्रकाश

यदि घर में नकारात्मक प्रकाश कहीं से आ रहा है या घर में ही कहीं नकारात्मक प्रकाश है तो फेंगशुई उस प्रकाश को सकारात्मक प्रकाश में बदलकर हमारी लाइफ को प्रभावित करता है।

मानसिक दशा

फेंगशुई घर के लोगों की मानसिक दशा बदलने का कार्य भी करता है। इसके लिए फेंगशुई के जो आइटम घर में रखते हैं उससे लोगों की मानसिकता बदलती है। जैसे लाफिंग बुद्धा को घर में रखने से मानसिक परेशानी दूर होती है। इसी तरह के अन्य कई आइटम हैं।

दिशाओं के गलत प्रभाव को रोकना

फेंगशुई पूरी तरह से पांच तत्वों पानी, अग्नि, पृथ्वी, धातु, लकड़ी के तत्वों पर कार्य करती है। फेंगशुई के अनुसार इन पांच तत्वों की मदद से दिशाओं के गलत प्रभावों पर काबू पा सकते हैं।

घर की उर्जा

घर में बिना तोड़फोड़ किए ही फेंगशुई साधनों का उपयोग कर घर को अपने अनुरूप बनाया जा सकता है। इन साधनों का उपयोग कर फेंगशुई की सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में वृद्धि की जा सकती है।

ची ऊर्जा

फेंगशुई के अंतर्गत विभिन्न प्राकृतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुओं को उचित दिशा और स्थान पर रखने से 'ची' यानी कि ऊर्जा का सकारात्मक प्रवाह सुनिश्चित किया जाता है। घर की 'ची' ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सबसे अहम चीजों में से एक होती है उचित प्राकृतिक प्रकाश और हवा की व्यवस्था। फेंगशुई इसी संबंध में जानकारी देता है।

रंग

घर की खूबसूरती और ऊर्जा में रंगों की बड़ा योगदान रहता है। सही स्थान पर सही प्रकार के रंग का प्रयोग उसे सुंदर भी बनाता है और साथ ही वहां की ऊर्जा का भी प्रकृति के साथ समायोजन कर देता है। फेंगशुई के प्रोडक्ट्स या आइटम न सिर्फ किसी स्थान की ऊर्जा को संतुलित करने का काम करते हैं, बल्कि यह सजावट के रूप में भी काम में लिए जा सकते हैं।

साफ-सफाई

फेंगशुई के वास्तु के अनुसार घर की साफ सफाई का आपके घर के वातावरण और मानसिकता पर असर पड़ता है। अतः साफ-सफाई का रहना जरूरी है।

ग्रीनरी और गार्डन

फेंगशुई के अनुसार घर की ग्रीनरी सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाती है। इनडोर प्लांट्स घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को आकर्षक बना देते हैं। इसीलिए फेंगशुई में बांस का पौधा बोनसाई पौधों रखने का प्रचलन है।

रिश्ते और खुशी

फेंगशुई के अनुसार धन, सुख, सौभाग्य के साथ ही रिश्तों में मधुरता और खुशी के लिए फेंगशुई के उपाय कारगर सिद्ध होते हैं। हर कोई यदि चाहता है कि हम खुश रहें। फेंगशुई के आइटम यही कार्य करते हैं।

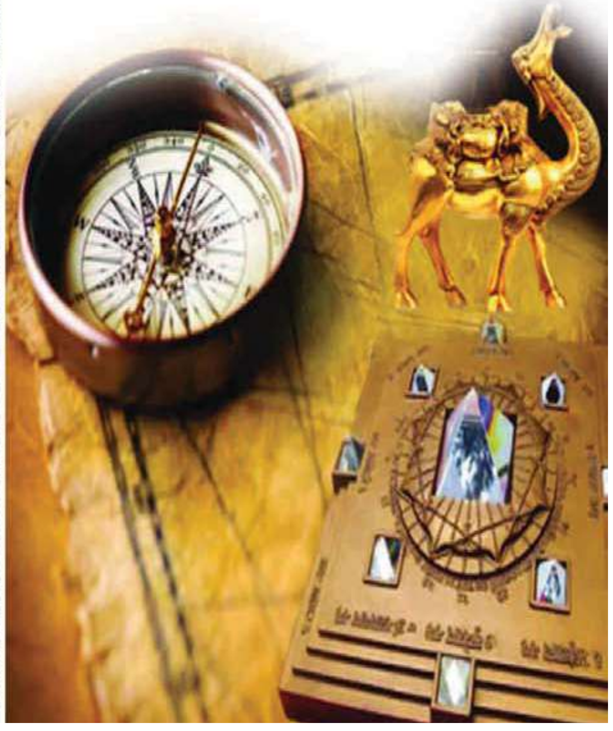

सुप्रिया सुले की कार को दूसरे वाहन ने बगल से टक्कर मारी, बाल-बाल बचीं, सभी लोग सुरक्षित

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले शनिवार को एक सड़क हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गईं। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार वाहन ने उनकी कार को बगल से टक्कर मार दी। गनीमत रही कि इस घटना में सुप्रिया सुले और उनके साथ मौजूद सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस भयावह अनुभव को साझा करते हुए बताया कि पुणे से मुंबई आते समय गुजरात पंजीकरण नंबर वाले एक वाहन ने लापरवाही से उनकी कार को टक्कर मारी। उन्होंने वाहन की नंबर प्लेट साझा करते हुए ड्राइवरों से सीट बेल्ट पहनने और जिम्मेदारी से गाड़ी चलाने की अपील की। उन्होंने कहा, तेज गति और लापरवाही जानलेवा हो सकती है, यह घटना हम सभी के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

राज्यसभा नहीं जाएंगे जय पवार

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के छोटे बेटे जय पवार ने राज्यसभा जाने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी मां वर्ष 2029 में मुख्यमंत्री पद की दावेदार होंगी। मीडिया से बातचीत में जय पवार ने कहा कि वह राज्यसभा नहीं जाएंगे और बारामती में रहकर लोगों के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा, बारामती के लोग और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के कार्यकर्ता चाहते थे कि अजित पवार मुख्यमंत्री बनें, लेकिन उनके आकस्मिक निधन के कारण यह इच्छा पूरी नहीं हो सकी। अब कार्यकर्ताओं और लोगों को उम्मीद है कि सुनेत्रा पवार मुख्यमंत्री बनकर अजित दादा की इच्छा पूरी करेंगी।

झारखंड के शराब घोटाले की जांच रही बेनतीजा, जमानत पर रिहा हुए सभी आरोपी

रांची (एजेंसी)। झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी को एक साल पूरा होने वाला है, लेकिन जांच अब तक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है। 20 मई 2025 को दर्ज हुई इस प्राथमिकी के बाद एसीबी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। एजेंसी ने पिछले एक साल के दौरान निलंबित आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे समेत 17 रसूखदार अधिकारियों और शराब कारोबारियों को गिरफ्तार कर जेल तो भेजा, लेकिन समय पर उनके विरुद्ध आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल करने में विफल रही। एसीबी की इस सुस्ती का सीधा लाभ आरोपितों को मिला और एक-एक कर लगभग सभी आरोपित डिफॉल्ट बेल पाकर जेल से बाहर आ गए। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि एसीबी ने गिरफ्तारी के समय जितनी तत्परता दिखाई थी, उतनी ही उदासीनता चार्जशीट दाखिल करने में बरती गई। एजेंसी के अधिकारियों ने दलील दी कि उनकी तैयारी पूरी नहीं थी, जिसके कारण निर्धारित समय सीमा के भीतर कानूनी दस्तावेज अदालत में पेश नहीं किए जा सके। गौरतलब है कि 20 मई 2025 को कार्रवाई शुरू करते हुए एसीबी ने सबसे पहले तत्कालीन आईएएस विनय कुमार चौबे, उत्पाद विभाग के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह और प्लेसमेंट एजेंसी के नीरज कुमार को सलाखों के पीछे भेजा था। उस समय अदालत में दावा किया गया था कि अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के पुख्ता सबूत मौजूद हैं। हालांकि, इन दावों के बावजूद जांच एजेंसी कानूनी प्रक्रिया को अंजाम तक नहीं पहुंचा पाई। फिलहाल, विनय कुमार चौबे एक अन्य मामले में न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि सिंडिकेट के बाकी सभी सदस्य बाहर आ चुके हैं। यह पूरा घोटाला वर्ष 2022 की नई उत्पाद नीति से जुड़ा है। आरोप है कि छत्तीसगढ़ के शराब सिंडिकेट के साथ मिलकर नियमों में मनमाना बदलाव किया गया और फर्जी बैंक गारंटी के आधार पर चहेती प्लेसमेंट एजेंसियों को मैनपावर सप्लाई का ठेका दिया गया। शुरुआती जांच में यह घोटाला 38 करोड़ रुपये का बताया गया था, लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, इसके 750 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया। आरोप है कि इस पूरी साजिश से राज्य के खजाने को भारी चपत लगी और निजी कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। अब एक साल बीतने के बाद भी एसीबी की चार्जशीट का इंतजार जारी है।

एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट में मां और दो बेटियों की मौत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के ब्यावर जिले में रविवार को एलपीजी सिलेंडर में गैस लीकेज से हुए धमाके में एक महिला और उसकी दो बेटियों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा रायपुर मारवाड़ उपखंड क्षेत्र के कानचा उड़ावता गांव में हुआ। जानकारी के अनुसार, महिला सुबह चाय बनाने के लिए रसोई में गई थी। जैसे ही उसने गैस चालू की, लीकेज के कारण अचानक आग भड़क उठी और जोरदार धमाका हो गया। आग इतनी तेजी से फैली कि महिला और दोनों बच्चियां बाहर नहीं निकल सकीं। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक रसोई पूरी तरह जल चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में सिलेंडर से गैस रिसाव को हादसे की वजह माना जा रहा है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सिद्धार्थनगर में जहरीला हुआ सरसों तेल, 28 में से 22 नमूने फेल, सेहत से खिलवाड़ का बड़ा खुलासा

सिद्धार्थनगर (एजेंसी)। जिले में रसोई के सबसे अनिवार्य हिस्से, सरसों तेल की शुद्धता को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा की गई हालिया जांच में सरसों तेल के 28 नमूनों में से 22 नमूने फेल पाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जांचे गए नमूनों में से छह में लेबलिंग की खामियां मिलीं, जबकि अन्य नमूनों में सीधे तौर पर मिलावट की पुष्टि हुई है। यह स्थिति जिले के लाखों उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर चेतावनी है। विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के 25 नमूनों के साथ पिछले वर्ष के तीन लंबित नमूनों की रिपोर्ट सार्वजनिक की है। तकनीकी जांच में कई नमूनों की आयोडीन, सपोनिफिकेशन और रेंसी वैल्यू तय मानकों से काफी अधिक मिली है। विशेष रूप से बांसी कस्बे से लिए गए एक नमूने में आयोडीन वैल्यू खतरनाक स्तर पर पाई गई। जानकारों का कहना है कि तेल के मानकों में इस तरह की गिरावट सेहत के लिए बेहद हानिकारक हो सकती है। जिले में सरसों का स्थानीय उत्पादन कम होने के कारण लगभग 95 प्रतिशत आबादी बाजार के ब्रांडेड और खुले तेल पर निर्भर है।

हम दुनिया को दिखाएंगे सरकार को कितनी कुशलता से चला सकते हैं

-टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री बनी कीर्तना ने बोली फर्राटेदार हिंदी

चेन्नई (एजेंसी)। विजय ने जिस दिन सीएम पद की शपथ ली, उसी दिन एस कीर्तना ने तमिलनाडु में टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री के रूप में शपथ ली। वह नवगठित मंत्रिमंडल में शामिल 9 मंत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने रविवार सुबह जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एन आनंद, आधव अर्जुन, के ए सेंगोत्तैयान, पी वेंकटरमनन, आर निर्मलकुमार, राजमोहन, टी के प्रभु और के जी अनुराज के साथ शपथ ग्रहण की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शपथ ग्रहण करने के बाद कीर्तना ने कहा कि तमिलनाडु की नई सरकार शासन में एक मिसाल कायम करेगी। उन्होंने कहा कि यह अविश्वसनीय है क्योंकि किसी अन्य राज्य में इस तरह का कैबिनेट मंत्री नहीं होगा। कोई हमें ऐसा मौका नहीं देगा। हम दुनिया को दिखाएंगे कि हम सरकार को कितनी कुशलता से चला सकते हैं। कीर्तना शिवकाशी से नवनिर्वाचित विधायक हैं, जिसे अक्सर भारत की आतिशबाजी राजधानी कहा जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त कीर्तना 29 साल की आयु में मंत्रिमंडल की सबसे युवा सदस्य हैं। उन्होंने हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में 11,697 वोटों के अंतर से शिवकाशी सीट जीती। वह विजय के मंत्रिमंडल में एकमात्र महिला हैं और शिवकाशी से पहली महिला विधायक हैं, जिन्होंने इस निर्वाचन क्षेत्र में करीब सात दशकों के पुरुष वर्चस्व को खत्म किया है।

कई भाषाओं में धाराप्रवाह बोलने वाली कीर्थना ने हिंदी पर अपनी मजबूत पकड़ के लिए ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने अपने भाषण में फर्राटेदार हिंदी बोली। विशेष रूप से तमिलनाडु में, जहां भाषा एक संवेदनशील और राजनीतिक रूप से अहम मुद्दा बनी हुई है। विजय ने रविवार को तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत हुई। विजय ने जनता को उनके जनादेश के लिए धन्यवाद दिया और धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय पर आधारित सरकार बनाने के लिए एकजुट प्रयास का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वे एक साधारण व्यक्ति हैं जो झूठे वादों से बचेंगे और केवल उन्हीं कार्यों को पूरा करेंगे जो संभव हैं।

शेख हसीना ने बंगाल के सीएम सुवेंदु को दी बधाई, कहा-मित्रता और संबंध होंगे मजबूत

जम्मू (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के सीएम के रूप में शपथ लेने वाले सुवेंदु अधिकारी को बधाई दी। बांग्लादेश अवामी लीग ने भी एक पत्र साझा कर अधिकारी को बधाई दी। पत्र में अवामी लीग पार्टी ने अपने संदेश में, उन्होंने पश्चिम बंगाल के नव निर्वाचित मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की कामना की। शेख हसीना ने आशा व्यक्त की कि उनके सक्षम नेतृत्व में पश्चिम बंगाल का विकास और भी तीव्र होगा और बांग्लादेश और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे मित्रता और सहयोग के संबंध और मजबूत होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पत्र में आगे कहा गया कि उन्होंने पश्चिम बंगाल के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों और जनता के निरंतर समृद्धि और खुशहाली की भी कामना की। सुवेंदु अधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के साथ हुआ। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में बीजेपी ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें जीतकर शानदार जीत हासिल की और टीएमसी के 15 साल के शासन का अंत किया। वहीं तृणमूल ने 80 सीटें जीतीं।

केरल में कांग्रेस की शानदार जीत के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए रार

-दिल्ली में शुरु हुआ मंथन, टटोला जा रहा है मन

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में वामपंथी लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) के 10 साल के शासन को उखाड़ फेंकने के बाद कांग्रेस गठबंधन (यूडीएफ) सत्ता में वापसी तो कर चुका है, लेकिन पार्टी के भीतर जश्न से ज्यादा मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर खींचतान तेज हो गई है। मुख्यमंत्री पद के लिए तीन दिग्गजों-वीडी सतीसन, रमेश चेन्निथला और केसी वेणुगोपाल के बीच छिड़ी यह जंग अब सड़कों तक पहुंच गई है। शनिवार को केरल कांग्रेस के तमाम बड़े नेता दिल्ली में डेरा डाले रहे, जहां आलाकमान के साथ बैठकों का दौर जारी रहा। माना जा रहा है कि अगले 24 घंटों में केरल के नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लग जाएगी।

सत्ता की यह होड़ उस समय विवादित हो गई जब तिरुवनंतपुरम से लेकर इडुक्की तक समर्थकों ने अपने-अपने पसंदीदा नेताओं के पक्ष में पोस्टर युद्ध छेड़ दिया। इडुक्की में दिवंगत नेता ओमान चांडी और राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल की तस्वीर वाले फ्लेक्स बोर्ड को फाड़कर उस पर कालिख पोत दी गई, जिसकी कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन और पीजे कुरियन ने कड़ी निंदा की है। वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि दबाव की राजनीति से नेतृत्व तय नहीं किया जा सकता। दावेदारों की बात करें तो निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीसन को एलडीएफ के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने के लिए जाना जाता है और उन्हें मुस्लिम लीग का भी समर्थन प्राप्त है। दूसरी ओर, रमेश चेन्निथला की संगठन पर मजबूत पकड़ है और उन्हें सोनिया गांधी का करीबी माना जाता है। वहीं, केसी वेणुगोपाल राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेहद भरोसेमंद हैं, हालांकि उन्होंने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा है। इनके साथ ही तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर का नाम भी चर्चा में है, जिन्होंने हाल ही में पार्टी अध्यक्ष से मुलाकात कर राज्य की स्थिति पर फीडबैक दिया है। चयन प्रक्रिया के तहत एआईसीसी पर्यवेक्षकों ने विधायकों की व्यक्तिगत राय लेकर रिपोर्ट मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंप दी है। शनिवार को खड़गे के आवास पर हुई अहम बैठक में गठबंधन के साथियों, विशेषकर मुस्लिम लीग की पसंद पर भी विचार किया गया। वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन ने स्पष्ट किया कि केवल वरिष्ठता ही नहीं, बल्कि सहयोगियों की राय भी इस फैसले में महत्वपूर्ण होगी। अब सबकी निगाहें राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के अंतिम फैसले पर टिकी हैं, ताकि नई सरकार के शपथ ग्रहण से पहले पार्टी की गुटबाजी को शांत किया जा सके।

अब एक और आप विधायक विवादों में, युवक ने लगाए नौकरी का झांसा देकर पैसे लेने के आरोप

चंडीगढ़ (एजेंसी)। लुधियाना से आम आदमी पार्टी के विधायक अशोक कुमार पाराशर विवादों में घिरते हुए नजर आ रहे हैं। फर्जी नौकरियों के लगे आरोपों में घिरा युवक निखिल सभ्रवाल मीडिया के सामने आया। निखिल ने बताया कि उसके ऊपर गलत आरोप लगाए गए हैं। जबकि नौकरियों का झांसा देकर लोगों को जितने भी पैसे लिए जाते थे वह विधायक पाराशर को दिए जाते थे।

मीडिया के सामने आए निखिल ने बताया कि जब उसके खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया तो उसे मजबूरन मीडिया के सामने आना पड़ा। उसे नकली पीए बोलकर 2 साल बाद मामला दर्ज करवा दिया गया है। विधायक उसे 13 हजार रुपए देते थे। जितने भी उलटे सीधे काम होते थे उससे करवाते थे। जेब खर्च पानी के लिए 5-6 हजार देते थे।

निखिल ने कहा कि क्या पहले ये लोग सो रहे थे, अब इन्हें याद आ गई। मेरे उपर आरोप लगाए गए हैं, नकली पीए है। उसने कहा कि मेरा आईडी कार्ड, सोशल मीडिया अकाउंट फेसबुक और इंस्टाग्राम चेक कर सकते हैं। मेरी वीडियो और तस्वीरें चेक कर लें। युवक ने कहा कि वह अशोक पाराशर पप्पी का पीए है। उसका आफिस इंचार्ज का आईकार्ड बना हुआ है। जब 2022 में वह विधायक बने तब से उनके साथ काम कर रहा हूं। उसे प्राइवेट रखा हुआ था। युवक निखिल ने बताया कि, विधायक के दफ्तर का सारा काम वह करता था। सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक वह दफ्तर में ही काम करता था।

निखिल ने आरोप लगाते हुए कहा कि लोगों को नौकरियां देने का झांसा देकर 1.70 लाख रुपए लिए जिन्हें विधायक को दिए। ये रकम इतनी ही नहीं बल्कि 80-90 करोड़ों रुपए से ज्यादा तक जाएगी। अभी तो सिर्फ 2 लोग ही सामने आए हैं, जिससे ये मामला सामने आया। डीसी रेट की भर्ती के लिए एक लाख रुपए लेने के लिए कहा जाता था। किसी व्यक्ति से 90 हजार रुपए लेकर 10 हजार निखिल खुद रखता था। उसके रिश्तेदार भी फंस गए। निखिल ने बताया कि उसके पिता की मौत 2022 में हो गई है, उसके परिवार में उसकी मां, दादी, और बहन है। जिन लोगों को नौकरी की बात का झांसा दिया उनमें उसके परिवार के लोग भी शामिल है। युवक ने कहा कि, विधायक के कारण उसका अपना घर बिक गया।

निखिल ने कहा कि हर बार उसे कहा जाता था कि, तेरा काम सही है हमारे साथ रहेगा तो आगे तक जाएगा। चुनावों के दौरान प्रचार दौरान जितने भी पेमेंट गई उसके बिल पड़े हैं। इसके अलावा उसके पास बैंक खातों के स्टेटमेंट भी है। निखिल ने कहा आने वाले समय में सभी सबूत दिखा दूंगा। उसने अपना आईडी कार्ड दिखाते हुए कहा कि वह नकली पीए नहीं है। उसकी सोशल मीडिया पर निखिल सभ्रवाल की आईडी है। कोई भी विधायक ऐसे ही किसी को अपनी कुर्सी पर नहीं बैठाता। किसी व्यक्ति ने मेरी शिकायत करवा दी, कि ये विधायक पाराशर का पीए है। युवक ने बताया कि उसकी 2 नंबर थाने में शिकायत दी गई। थाने का टीएसपी भनोट विधायक पाराशर का खास दोस्त है। शिकायत मिलने पर उसने विधायक को फोन कर दिया कि, आपके खिलाफ शिकायत मिली है। इसके बाद विधायक ने कहा कि इसके खिलाफ मामला दर्ज कर लो नहीं तो मैं फंस जाऊंगा।

इसके बाद निखिल 2 महीने दुबई चला गया, लेकिन इस दौरान उसके परिवार वालों को तंग किया जाता था। उसके घर में अलग-अलग थाने की पुलिस आती थी। इस बात से परेशान होकर वह वापस आया है। और लोगों को सच्चाई बताई। प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की जांच सीबीआई और होम मिनिस्टर, ईडी से जांच करवाई जाए। क्योंकि पंजाब की पुलिस से कोई उम्मीद नहीं है। युवक ने अपनी जान को भी खतरा बताया। उसने कहा कि वह मीडिया के सामने नहीं आना चाहता था। परिवार वालों की जान को खतरा है। जल्द से जल्द पूरे प्रूफ सार्वजनिक करूंगा।

वहीं, दूसरी तरफ विधायक अशोक पाराशर ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे विपक्ष की ओछी साजिश बताया है। विधायक ने कहा कि आरोपी उसके आफिस में आता था और जब उन्हें उसकी ठगी का पता चला, तो उन्होंने खुद पीड़ितों की मदद की और पुलिस से केस दर्ज करवाया। आरोपी अब बीजेपी नेता गुरदेव देबी के साथ मिलकर उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। आरोपी के पास कोई सबूत नहीं है। सिर्फ फर्जी कागज़ दिखा कर आरोप लगा रहा है। उसकी किसी बात में कोई सच्चाई नहीं है।

हार के बाद भाजपा को हराने साझा मंच बनाने निकलीं ममता

एकजुट होने की कर रहीं अपील

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के परिणामों के बाद राज्य की राजनीति में मचे उथल-पुथल के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बड़ा राजनीतिक दांव खेला है। राज्य की सत्ता भाजपा के हाथों में जाने के बाद अब ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद शुरू कर दी है। शनिवार को रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर कालीघाट स्थित अपने आवास पर आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने सभी भाजपा विरोधी ताकतों को एक साझा मंच पर आने का आह्वान किया।

ममता बनर्जी ने अपनी अपील में न केवल क्षेत्रीय दलों, बल्कि वामपंथी और अति-वामपंथी विचारधारा वाले दलों को भी साथ आने को कहा। उन्होंने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए वह किसी भी दल से संवाद करने को तैयार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब यह सोचने का समय नहीं है कि दुश्मन का दुश्मन दोस्त है, बल्कि यह समझने की जरूरत है कि मुख्य वैचारिक और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भाजपा है और उससे मुकाबला करने के लिए एकजुटता अनिवार्य है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि चुनाव परिणामों के बाद से ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में टीएमसी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में गुंडागर्दी बढ़ गई है और असामाजिक तत्व सत्ताधारी दल की आड़ में हिंसा फैला रहे हैं। अपने कार्यकाल की याद दिलाते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि 2011 में जब वह पहली बार सत्ता में आई थीं, तब उन्होंने इस तरह की प्रतिशोध की राजनीति को अनुमति नहीं दी थी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में पश्चिम बंगाल की 294 सीटों में से भाजपा ने 207 सीटों पर प्रचंड जीत हासिल कर पहली बार राज्य में अपनी सरकार बनाई है। वहीं, टीएमसी को महज 80 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा है। इस हार के बाद ममता बनर्जी अब राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा तैयार करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि उनके इस न्यौते पर अन्य विपक्षी दल क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

हमारी प्राथमिकता बंगाल को नए सिरे से बनाना और जनता का विश्वास जीतना

-मंत्री घोष बोले- यह तय कर रहे हैं किसे कौन सी जिम्मेदारी और भूमिका सौंपी जाए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद अब पार्टी जनता का विश्वास जीतने में लगी है। मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि आज छुट्टी है और सोमवार को एक बैठक होगी जिसमें कई फैसले लिए जा सकते हैं। हम लोग जनता का विश्वास जीत रहे हैं। घोष ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारी प्राथमिकता बंगाल को एक नए सिरे से बनाना है क्योंकि कई व्यवस्थाएं बिगड़ चुकी हैं। कानून-व्यवस्था कमजोर है और लोग कई सालों से डर के साए में जी रहे हैं। शिक्षा की स्थिति अच्छी नहीं है, स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है और उद्योग या रोज़गार के अवसर बहुत ही कम हैं। उन्होंने कहा पार्टी के नेता आपस में चर्चा कर रहे हैं और यह तय कर रहे हैं कि किसे कौन सी जिम्मेदारियां और भूमिकाएं सौंपी जाएंगी, जिससे पश्चिम बंगाल में विकास का काम तेजी से हो सके। हमारी प्राथमिकता जनता की समस्याओं को दूर करना है। घोष ने कहा कि हमें बंगाल को फिर से बनाना है। हमें हर चीज पर काम करना होगा और इसमें समय लगेगा। हालांकि हम तुरंत काम शुरू कर देंगे और आप बदलाव देख सकेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में 207 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया है और टीएमसी के 15 साल के शासन को खत्म कर दिया है। जनता को पहले ही विश्वास हो गया था कि बीजेपी ही पश्चिम बंगाल का विकास कर सकती है।

वहीं यूपी सरकार में मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल का विकास बीजेपी की प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने वहां की जनता से विकास का जो वादा किया है, हम निश्चित तौर पर उसे निभाएंगे। पश्चिम बंगाल में अवैध रूप से घुसपैठ होती थी। भारतीयों के हितों की रक्षा के लिए जरूरी है कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था मजबूत हो। वहां शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर काम होना चाहिए।

पाकिस्तान की निकलेगी दम, भारत तैयार कर रहा एक विशाल 'ड्रोन फोर्स'

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने बदली जंग की रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने पहली बार एक विशाल 'ड्रोन फोर्स' तैयार करने का फैसला कर लिया है। यह नई फोर्स भविष्य के किसी भी सैन्य हमले में 'फर्स्ट रेस्पोंडर' यानी सबसे पहले जवाबी कार्रवाई करने वाली ताकत होगी। रक्षा प्रतिष्ठान के मुताबिक इस फोर्स को डेटा और कॉग्निटिव वारफेयर सिस्टम का तकनीकी सहयोग मिलेगा, जिससे युद्ध के दौरान दुश्मन की गतिविधियों पर तेजी से नजर रखी जा सकेगी और सटीक हमले किए जा सके।

इंटीग्रेटेड रक्षा मुख्यालय के अनुसार फिलहाल करीब 50 हजार सैन्य कर्मियों को ड्रोन संचालन और आधुनिक युद्ध तकनीकों का प्रशिक्षण मिल रहा है। अगले तीन वर्षों में 15 नए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनाए जाएंगे, जहां सिम्युलेटर और वर्चुअल रियलिटी के जरिए सैनिकों को रीयल-टाइम बैटल ट्रेनिंग दी जाएगी। भविष्य में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) को भी नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। यह फोर्स इंटेलिजेंस, सर्विलांस और प्रिसीजन स्ट्राइक यानी सटीक हमले की दोहरी भूमिका निभाएगी। इस वायुसेना के इंटीग्रेटेड एयर कमांड और सेना के 'आकाशतीर' सिस्टम का सुरक्षा कवच मिलेगा।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा उत्पादन में भी तेजी से आत्मनिर्भरता हासिल की है। देश का रक्षा उत्पादन 1.54 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। तीनों सेनाओं के लिए थिएटर कमांड की तैयारी हो रही है। दुश्मन के सस्ते ड्रोन हमलों से निपटने के लिए अब 'सॉफ्ट किल' तकनीक जैसे जैमिंग और स्पूफिंग के साथ 'हार्ड किल' तकनीक जैसे लेजर आधारित डायरेक्टेड एनर्जी वेपन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

ड्रोन फोर्स की अवधारणा तब मजबूत हुई जब पाकिस्तान ने करीब 1,000 ड्रोन के जरिए भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम की कमजोरियों को परखने की कोशिश की। इसके बाद सेना ने तय किया कि भविष्य के युद्धों में हर सैनिक के पास अपना ड्रोन होना चाहिए। योजना के तहत सेना की प्रत्येक कोर में लगभग 8,000 ड्रोन शामिल किए जाएंगे, जिससे एक लाख ड्रोन की बड़ी ताकत तैयार होगी।

देश में रक्षा क्षेत्र में स्टार्टअप और एमएसएमई की भूमिका भी तेजी से बढ़ रही है। इस वर्ष 120 नए डिफेंस स्टार्टअप शुरू हुए हैं, जिनमें 20 कंपनियां ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर तकनीकों पर काम कर रही हैं। भारत अब मिसाइलों के अहम सेंसर और इंजन जैसे महत्वपूर्ण उपकरण भी खुद बना रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक भविष्य के युद्ध 'मल्टी-डोमेन' होंगे, जहां अंतरिक्ष से समुद्र तक एक साथ लड़ाई लड़ी जाएगी। इसतरह से भारत अब इसतरह के ड्रोन विकसित कर रहा है जो बिना जीपीएस के भी काम कर सकें और जिन्हें जैम करना बेहद मुश्किल हो।

घरों व धार्मिक स्थलों में बारिश का पानी घुसने से आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा चौक स्थित तालाबवाली मस्जिद के पास बीते शनिवार की रात्रि में झमाझम बारिश होने से कई घरों एवं धार्मिक स्थलों में पानी घुस जाने पर आक्रोशित स्थानीय दर्जनों लोगों ने रविवार की सुबह बांस-बल्ला लगाकर उधवा-राजमहल फोरलेन सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शनकरियों ने जल निकासी और पानी जमने की समस्या के स्थाई समाधान की मांग की है। जानकारी के अनुसार शनिवार की देर रात प्रखंड के अलग-अलग क्षेत्रों में आंधी-तूफान के साथ झमाझम बारिश हुई। इससे पतौड़ा पंचायत के पहाड़गांव तालाबवाली मस्जिद के पास दर्जनों घरों और मस्जिदों में बारिश का पानी घुस गया। इससे जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से कई घरों में पानी घुसने से घरेलू सामान का नुकसान हुआ है। वहीं मस्जिद में पानी घुसने से फजर की नमाज पढ़ने में काफी परेशानी हुई। स्थानीय ग्रामीण रेजाउल शेख,बजहुल शेख,मनीरूल शेख,समीम शेख,बरकत शेख सहित दर्जनों ग्रामीणों ने बांस-बल्ला लगाकर उधवा-राजमहल फोरलेन सड़क को जाम कर दिया। सड़क जाम होने से दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। जिससे राहगीरों को यातायात करने में काफी परेशानी हुई। प्रदर्शनकरियों ने करीब 3 घंटे तक सड़क को जाम विरोध प्रदर्शन किया। इधर,सूचना मिलते ही राधानगर थाना पुलिस व एनएचआई के पदाधिकारी मौके पर पहुंचकर लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया एवं जाम हटवाया। फिलहाल उक्त जगहों से जेसीबी मशीन के माध्यम से जमा पानी को हटा दिया गया है।

सातवें दिन भी जारी रहा शेरशाहबादी समाज का महाधरना, प्रेस वार्ता कर प्रशासन पर साधा निशाना

बिभा संवाददाता

बरहरवा। शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र पुनः निर्गत करने की मांग को लेकर बरहरवा प्रखंड सह अंचल मुख्यालय परिसर में जारी अनिश्चितकालीन महाधरना रविवार को सातवें दिन भी जारी रहा।सात दिनों से लगातार चल रहे इस आंदोलन में समुदाय के लोगों का उत्साह और भागीदारी लगातार बढ़ती नजर आ रही है।धरनास्थल पर बड़ी संख्या में छात्र, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग मौजूद रहे।आंदोलन के सातवें दिन शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसाइटी की ओर से एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया,जिसमें संगठन केपदाधिकारियों ने आंदोलन की पृष्ठभूमि,समुदाय की समस्याओं और प्रशासन के रवैये को लेकर विस्तार से अपनी बात रखी।प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मुखिया मो. इश्तियाक ने कहा कि शेरशाहबादी समुदाय झारखंड सरकार की पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल है,इसके बावजूद वर्षों से समुदाय के लोगों को जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया जा रहा है। इसका सीधा असर छात्रों और युवाओं पर पड़ रहा है, जो शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी नौकरियों में आरक्षण के लाभ से वंचित हो रहे हैं। पिछले सात दिनों से समुदाय शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है,लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई।उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन मामले को गंभीरता से लेने के बजाय केवल तकनीकी कारणों का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रहा है।उन्होंने कहा कि बिहार और पश्चिम बंगाल में स्थानीय जांच के आधार पर शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है, जबकि झारखंड में भी वर्ष 2012 तक यह प्रक्रिया लागू थी।ऐसे में अब प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया जाना समुदाय के साथ अन्याय है।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।आने वाले दिनों में जिला स्तर पर बड़े आंदोलन और जनप्रतिनिधियों के घेराव की रणनीति पर भी विचार किया जा रहा है।धरनास्थल पर दिनभर नारेबाजी का दौर चलता रहा।आंदोलनकारियों ने एक स्वर में कहा कि जब तक शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र पुनः निर्गत नहीं किया जाता,तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। मौके पर मोअजमाइल, तोफाइल हक, शकील अहमद , शाहीन अख्तर, वसीम अकरम, मोबास्सेर हुसैन, सोलेमान शेख, मोफक्कार हुसैन, अतिकूर रहमान, महमूद आलम सहित समाज के कई गणमान्य लोग छात्र-युवा एवं सैकड़ों आंदोलनकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

दो नाम, दो राज्यों में नौकरी.. सुप्रीम कोर्ट ने खोली फजीवाड़े की पोल, झारखंड के पूर्व सिपाही पर होगी आपराधिक कार्रवाई

रांची (बिभा): दो अलग-अलग नाम और दस्तावेजों के सहारे झारखंड और बिहार पुलिस में नौकरी करने वाले पूर्व सिपाही रंजन कुमार पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट की खंडपीठ के फैसले को रद्द करते हुए रंजन कुमार की बर्खास्तगी को सही ठहराया है। साथ ही कोर्ट ने मामले में आपराधिक कार्रवाई शुरू करने का भी निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ए अमानुल्लाह और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने झारखंड सरकार की विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि पुलिस जैसी अनुशासित सेवा में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा सबसे अहम है। फर्जी पहचान और जाली दस्तावेजों के आधार पर नौकरी हासिल करना गंभीर कदाचार है। मामले के अनुसार, रंजन कुमार की नियुक्ति 18 मई 2005 को झारखंड पुलिस में सिपाही के पद पर हुई थी और उसकी तैनाती गढ़वा जिले में थी। दिसंबर 2007 में छुट्टी पर जाने के बाद वह वापस ड्यूटी पर नहीं लौटा। आरोप है कि इसी दौरान उसने बिहार पुलिस में संतोष कुमार नाम से दूसरी नौकरी हासिल कर ली। जांच में सामने आया कि झारखंड पुलिस में उसने अपना नाम रंजन कुमार, पिता का नाम कामता सिंह बताया था, जबकि बिहार पुलिस में संतोष कुमार, पिता कामता शर्मा के नाम से नौकरी कर रहा था। फॉरेंसिक जांच, फिंगरप्रिंट, बायोमैट्रिक रिकॉर्ड और तस्वीरों के मिलान में पुष्टि हुई कि दोनों नामों के पीछे एक ही व्यक्ति था। विभागीय जांच के बाद 20 अगस्त 2010 को उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। अपील और पुनर्विचार याचिका भी खारिज हो गई थी। बाद में उसने झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की। एकल पीठ ने राहत देने से इनकार कर दिया था, लेकिन खंडपीठ ने बर्खास्तगी आदेश रद्द कर दिया था। इसी फैसले को झारखंड सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने अब हाईकोर्ट की खंडपीठ का फैसला पलटते हुए विभागीय कार्रवाई को वैध माना है। साथ ही 26 दिसंबर 2007 को बिहार पुलिस में संतोष कुमार के नाम से हुई नियुक्ति भी रद्द कर दी गई है। कोर्ट ने कहा कि यह मामला केवल विभागीय अनुशासन का नहीं, बल्कि धोखाधड़ी, जालसाजी और फजीवाड़े का भी है। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार और झारखंड के डीजीपी को निर्देश दिया है कि मामले की जांच कर कानून के तहत आपराधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में भक्ति,भजन एवं अन्नपूर्णा महाप्रसाद का भव्य आयोजन

रांची (बिभा): पुंदाग स्थित एम.आर.एस. श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम श्रीराधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में डॉक्ट्र संत शिरोमणि स्वामी सदानंद महाराज जी के सानिध्य में 265 वें श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्री राधा-कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया।इस अवसर पर मंदिर परिसर को भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर कर दिया गया। मंदिर में श्री राधा रानी जी का दिव्य एवं अलौकिक श्रृंगार आकर्षक आभूषणों एवं मनोहारी पुष्पों से किया गया, जिसकी छटा देखते ही बन रही थी।दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडेय द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना एवं मंत्रोच्चार के साथ महाप्रसाद का भोग लगाया गया। इसके पश्चात शिव भगवान अग्रवाल के सौजन्य से मसालेदार वेजिटेबल खिचड़ी, जलजीरा शर्बत एवं सत्तू पानी का वितरण श्रद्धालुओं के बीच किया गया। मंदिर परिसर में उपस्थित लगभग 1500 से अधिक श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक महाप्रसाद ग्रहण किया।भक्ति रस से ओत-प्रोत भजन संध्या कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी ने राधे राधे बरसाने वाली राधे, कान्हा रे कान्हा, तूने लाखों का जीवन संवारा एवं अच्युतम केशवम्-कृष्ण दामोदरम्-जैसे सुमधुर एवं मनमोहक भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे तथा पूरा मंदिर परिसर राधे-कृष्ण एवं श्याम के जयकारों से कृष्णमय एवं भक्तिमय हो गया।तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर भगवान श्री राधा-कृष्ण की आराधना की। वातावरण पूरी तरहआध्यात्मिक ऊर्जा एवं भक्तिरस से सराबोर हो उठा।ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा तथा लगभग 3 हजार से अधिक भक्तों ने भगवान के दर्शन किए। उन्होंने जानकारी दी कि मंदिर में प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक वेजिटेबल खिचड़ी महाप्रसाद का वितरण किया जाता है, जिसमें प्रतिदिन 400 से अधिक श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में डूंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, पूरणमल सर्राफ, सुरेश अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, विशाल जालान, विष्णु सोनी, मनीष सोनी, पवन पोद्दार, सुरेश भगत, ज्ञान प्रकाश शर्मा, हरीश सोनी सहित अनेक श्रद्धालुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जनता से किये गए वादों पर खरा उतरने में जुटे कई वार्ड पार्षद

जनसहयोग से जागरूकता व स्वच्छता की बना रहे मिसाल

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । कुछ कर गुजरने के इरादों व वादों के साथ नगर परिषद चुनाव जीतने वाले कई वार्ड पार्षद अब अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति का प्रदर्शन कर मिसाल बनने में जुटे हुए हैं। सेवा भावना की इस शैली में महिला-पुरूष दोनों वार्ड पार्षद शामिल हैं। शादी-शुदा महिला वार्ड पार्षदों ने अपने पतियों को भी इस सेवा कार्य की ओर आमंत्रित किया है। वहीं कई पुरुष वार्ड पार्षदों की सामाजिक जिम्मेदारियों में उनकी पत्नी भी हाथ बंटाने लगी हैं। जनहित के कार्यों के साथ अब जनसेवा की भावना भी अब बलवंत होने लगी है। इन की दिनचर्या अब अहले सुबह अपने परिवार में नहीं बल्कि समाज रूपी बड़े परिवार में सामाजिक चाय की चुस्की व समस्याओं के जाने के लिए सवालों और उनके समाधान के लिए सलाह के साथ शुरू हो रही है। ऐसे वार्ड पार्षदों के कार्य और उनके व्यवहार की चर्चा अब उनके समाज से निकल कर शहरी स्तर पर होने लगी है। ऐसे ही वार्ड पार्षदों में एलसी रोड वार्ड नंबर-09 की पार्षद रिफत परवीन का है। रिफत अपने काम से जनता का दिल जीतने में लगी हैं। उन्होंने खुद अपने पति के साथ मिलकर 15 वर्ष से साफ नहीं हुए नाली की उसके उपर बने सीढ़ी को निजी खर्च से तुड़वाकर सफाई कराई। इससे लोगों में हर्ष का माहौल है। वार्ड क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने और सुसज्जित बनाने के लिए वार्ड पार्षद रिफत परवीन लगातार प्रयासरत हैं। चौक बाजार, वार्ड नंबर-7 की वार्ड पार्षद सुनीता सिन्हा ने भी अपने वार्ड की समस्याओं के निदान का प्रयास शुरू कर दिया है। इन्होंने अपने पति के साथ मिल कर वार्ड के लिए व्हाट्सअप ग्रुप बनाया है। जहां लोग अपनी समस्या साझा करते हैं। वहीं वार्ड पार्षद उनकी समस्या का समाधान करती हैं। सकरुगढ़ वार्ड नंबर-19 की वार्ड पार्षद वर्षा कुमारी ने भी अपने वार्ड में जनसेवा शुरू कर दी है। इनके पति को सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर भाग लेते रहते हैं। पति की सेवा भावना का लाभ व अनुभव पत्नी को मिल रहा है। पत्नी के वार्ड पार्षद बनने के बाद पति व पत्नी अब पहले से ज्यादा जवाबदेह और सक्रिय हो गए हैं। कुल मिला कर ऐसे वार्ड पार्षदों के वार्डों में तदबीर से तस्वीर बदलने लगी है।

जनकल्याण की नीतियों और कानूनों पर मंथन : बेंगलुरु कार्यशाला में शामिल होंगे राजमहल विधायक

बिभा संवाददाता

राजमहल । बेंगलुरु के अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में जनकल्याण के लिए नीतियों एवं कानून पर चर्चा की कार्यशाला 11 एवं 12 मई 2026 को आयोजित की गई है। जिसमें पूरे देश के विभिन्न राज्यों की विधानसभा से चयनित विधायकों को आमंत्रित किया गया है। इसमें माननीय राजमहल विधानसभा से विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा जी को आमंत्रित किया गया है। वह इस कार्यशाला में भाग लेंगे।कार्यशाला में शिक्षा की गुणवत्ता, बच्चों के समग्र कल्याण, विधायकों अपने निर्वाचन क्षेत्र के कार्य अनुभव को साझा करेंगे, सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी कार्यों पर चर्चा एवं सार्वजनिक व्यय एवं वित्त पर का प्रभावी ढंग से विश्लेषण और उसकी निगरानी, जनकल्याण की नीतियों एवं कानून पर चर्चा होगी।

नौ दिवसीय राम कथा ज्ञान यज्ञ को लेकर कुंवारी कन्याओं ने निकाली कलशयात्रा

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत अंतर्गत रामपुर गांव में कमिटी की ओर से नौ दिवसीय राम कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के पहले दिन रविवार को गाजे-बाजे के साथ कुंवारी कन्याओं के द्वारा कलशयात्रा निकाली गई। जानकारी के अनुसार कार्यक्रम स्थल से कलशयात्रा निकाली गई। जो उधवा चौक, पाकीजा मोड़, भुदेव मंडल टोला नदी घाट में पहुंचकर कलश में जल भरकर पुनः सोमवारी हाटपाड़ा, मोहनपुर के विभिन्न गांवों का भ्रमण किया गया। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर विधि-विधान के साथ कलश स्थापित किया गया। इस दौरान कमिटी के निमाई चंद्र मंडल ने बताया कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या से कथावाचक आचार्य धनंजय वैष्णव जी महाराज के द्वारा राम कथा ज्ञान यज्ञ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक कथावाचन किया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राधानगर थाना पुलिस मौजूद थे। मौके पर धर्मराज मंडल, तारा चंद्र मंडल, कुश रविदास, संदीप साहा, सूरज ठाकुर, सोना चांद साहा, धर्मराज साहा, महेश साहा सहित अन्य मौजूद थे।

एसआईआर को लेकर बीएलए को दी गयी जानकारी

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड मुख्यालय स्थित बीपीआरसी भवन में रविवार को एसआईआर को लेकर झामुमो की प्रखंड स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि सह बीएलए -1 झामुमो जिलाध्यक्ष अरुण सिंह उपस्थित हुए। इसके अलावा विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू,केंद्रीय समिति सदस्य एखलाकुर रहमान,राजमहल पूर्व प्रखंड अध्यक्ष घीसू शेख,महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष बसंती हांसदा आदि मौजूद रहे। अतिथियों को गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। बैठक में प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में झामुमो द्वारा चयनित दर्जनों बीएलए - 2 मौजूद रहें। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू ने संबोधित करते हुए कहा कि उधवा प्रखंड के कार्यकताओं ने पूर्व एवं वर्तमान में पार्टी के प्रति एकजुटता दिखाया है। आगे कहा कि चयनित बीएलए -2 को दिए गए निदेर्शों पर अमल करने की आवश्यकता है। कहा कि किसी भी परिस्थिति में वास्तविक मतदाताओं का नाम हटना नहीं चाहिए।

उन्होंने हाल ही में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का हवाला देते हुए कहा कि मानिकचक विधानसभा में एसआईआर के आड़ में तकरीबन 32 हजार मतदाता का नाम काटा गया। इसके अलावा पूरे पश्चिम बंगाल में लाखों की संख्या में एसआईआर के नाम पर मतदाताओं का नाम काटा गया। वहीं झामुमो जिलाध्यक्ष अरुण सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि एसआईआर के दौरान किसी भी वास्तविक मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी उत्पन्न न हो। इसके लिए केंद्रीय कमिटी के निदेर्शानुसार प्रखंड स्तर पर बैठक कर बीएलए को आवश्यक दिशा - निर्देश दिया जा रहा है। कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के दौरान 11 प्रकार की दस्तावेजों की मांग किया गया था। जिसमें आधार कार्ड,राशन कार्ड आदि मूल दस्तावेजों को जोड़ा नहीं गया था। परंतु लंबी लड़ाई व मांग किए जाने पर एसआईआर के दौरान आधार कार्ड एवं राशन कार्ड को दस्तावेज के रूप में जोड़ा गया है। कहा कि हमें सतर्क रहने की आवश्यकता है। यदि एसआईआर मैपिंग में नाम छूट जाता है तो नियमसंगत आवश्यक दस्तावेजों के साथ नाम जोड़ने का काम कराया जाएगा। साथ ही चयनित बीएलए -2 को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। मंच का संचालन झामुमो जिला संगठन सह सचिव काजू मल्लिक ने किया। मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली, सचिव विश्वजीत मंडल, जिप सदस्य रानी हांसदा, प्रखंड प्रमुख स्टेनशिला सोरेन, कीनू सोरेन, भैय्या किस्कू, संजय मंडल, आलमगीर बादल, जहांगीर अली, वर्णवास सोरेन, सकल हेंब्रम, नाईम शेख, टीपू सुल्तान, जहीर शेख, पिंटू शेख, टिंकू शेख सहित अन्य मौजूद थे।

गांव-गांव पहुंच रही विधिक जागरूकता की अलख : साहेबगंज में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान जारी

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), रांची के निदेर्शानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में जिले में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत गांव-गांव, पंचायतों, नगर निगम क्षेत्रों तथा विभिन्न सामाजिक संस्थानों में जागरूकता शिविर आयोजित कर आम लोगों को उनके कानूनी अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां पीएलवी - न्याय मित्रों ने ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों को कानून संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। कार्यक्रम के दौरान श्रम कानून, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, महिला उत्पीड़न से संबंधित कानून, घरेलू हिंसा अधिनियम तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वहीं कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को यह भी बताया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर, महिलाएं, बच्चे, वरिष्ठ नागरिक एवं जरूरतमंद व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। शिविर में लोगों द्वारा पूछे गए विभिन्न कानूनी प्रश्नों का सरल भाषा में समाधान भी किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि यह अभियान लगातार 90 दिनों तक संचालित किया जाएगा, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और कानूनी सहायता की पहुंच सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कानूनी जागरूकता बढ़ाना तथा लोगों को उनके अधिकारों के प्रति सजग बनाना है। इस अवसर पर अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी श्री तुषार आनंद ने भी उपस्थित लोगों को विभिन्न विधिक अधिकारों एवं योजनाओं की जानकारी दी। अभियान को सफल बनाने में पारा विधिक स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका रही। लगातार चल रहे इस जागरूकता अभियान से ग्रामीण क्षेत्रों में विधिक चेतना एवं न्याय के प्रति विश्वास मजबूत हो रहा है।

सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन गंभीर : डीटीओ संजय बाखला

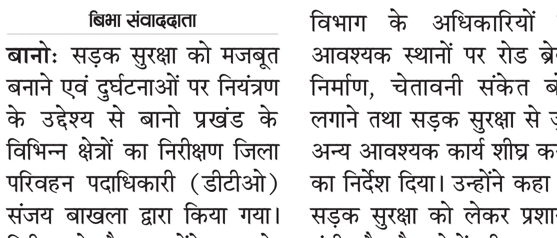

बिभा संवाददाता

बानो: सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने एवं दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के उद्देश्य से बानो प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) संजय बाखला द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सड़क के कर्व टर्निंग, वाई टर्निंग तथा दुर्घटना संभावित स्थलों का जायजा लिया। साथ ही सड़क किनारे मौजूद सूखे एवं जर्जर पेड़ों को भी चिन्हित किया गया, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की दुर्घटना न हो।

डीटीओ संजय बाखला ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक स्थानों पर रोड ब्रेकर निर्माण, चेतावनी संकेत बोर्ड लगाने तथा सड़क सुरक्षा से जुड़े अन्य आवश्यक कार्य शीघ्र कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन गंभीर है और लोगों की सुरक्षा के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों से भी बातचीत कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना गया। मौके पर अजीत कुमार, चंदन कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

उर्विल पटेल का अर्धशतक, चेन्नई ने लखनऊ सुपर जाइंट्स को 5 विकेट से हराया

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (CSK) ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स (LSG) को पांच विकेट से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। उर्विल पटेल ने 13 गेंद में अर्धशतक पूरा कर भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने 23 गेंद में आठ छक्कों और दो चौकों की मदद से 65 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। जोश इंग्लिस की 33 गेंद में 85 रन की आक्रामक पारी के बावजूद सुपरकिंग्स ने जैमी ओवरटन की शानदार गेंदबाजी के बूते सुपरजायंट्स को आठ विकेट पर 203 रन पर रोकने के बाद 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 208 रन बनाकर जीत दर्ज की।

टीम 11 मैचों में छठी जीत के बाद 12 अंक के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जबकि अंतिम पायदान पर काबिज सुपर जायंट्स की आठवीं हार के बाद प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं। उर्विल के अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 28 गेंद में 42 रन का योगदान दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 34 गेंद में 81 रन जोड़े। गायकवाड़ ने इससे पहले संजू सैमसन (14 गेंद में 28 रन) के साथ 22 गेंद में 45 रन की साझेदारी कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। शिवम दुबे (नाबाद 15) ने एडेन मारक्रम के खिलाफ अंतिम ओवर में लगातार दो छक्के जड़े, जिससे सुपरकिंग्स ने पहली बार 200 से अधिक का लक्ष्य हासिल किया। प्रशांत वीर 17 रन पर नाबाद रहे।

इंग्लिस ने अपनी पारी में छह छक्के और 10 चौके जड़कर सुपरजायंट्स का स्कोर नौवें ओवर के बाद 112 रन तक पहुंचा दिया था। ओवरटन की अगुवाई में गेंदबाजों ने 10वें से 15वें ओवर के बीच 35 रन के अंदर चार विकेट झटककर रनगति पर अंकुश लगा दिया। ओवरटन ने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट लिए, जिसमें इंग्लिस का विकेट भी शामिल था। नूर अहमद ने चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि अंशुल कंबोज को दो विकेट मिले लेकिन उन्होंने 47 रन खर्च किए। आखिरी ओवरों में शाहबाज अहमद (नाबाद 43) और हिम्मत सिंह (17) ने सातवें विकेट के लिए 32 गेंद में 50 रन की साझेदारी कर बीच के ओवरों के नुकसान की भरपाई की। शाहबाज ने 25 गेंद की नाबाद पारी में तीन चौके और इतने ही छक्के लगाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सैमसन और गायकवाड़ ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। सैमसन कुछ आकर्षक शॉट खेलने के बाद चौथे ओवर में राठी की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद उर्विल पटेल ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पावरप्ले में ही मैच का रुख पलट दिया। आवेश खान के खिलाफ लगातार तीन छक्के जड़ने के बाद राठी तीन छक्के और चौका लगाकर पावरप्ले में सुपरकिंग्स के स्कोर को एक विकेट पर 97 रन तक पहुंचा दिया। उन्होंने आक्रामक तेवर जारी रखते हुए शमी के खिलाफ छक्का लगाने के बाद एक रन साथ 13 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा कर अपनी इस उपलब्धि को अपने पिता को समर्पित किया। उन्होंने जेब से एक कागज निकाला, जिस पर लिखा था, 'यह आपके लिए है पापा।'

राठी ने आसान कैच टपकाकर उन्हें जीवनदान दिया लेकिन वह इसका फायदा उठाने में नाकाम रहे।। उन्होंने आवेश खान की गेंद पर कैच देकर अपना विकेट गंवा दिया। सुपरजायंट्स के गेंदबाजों ने इसके बाद रनगति पर अंकुश लगाना शुरू किया और शाहबाज ने गायकवाड़ को बोल्ड कर बड़ी सफलता हासिल की। कार्तिक शर्मा (20) और डेवाल्ड ब्रेविस (10) सहज नजर नहीं आए। जरूरी रनगति के बढ़ने के साथ ही ब्रेविस राठी की गेंद पर गच्चा खाकर बोल्ड हो गए। आवेश ने अगले ओवर की पहली गेंद पर कार्तिक को पवेलियन की राह दिखा दी। दो गेंद पर दो विकेट के साथ सुपरजायंट्स ने मैच में अच्छी वापसी की, लेकिन इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर आये प्रशांत ने 18वें ओवर में प्रिंस के खिलाफ छक्का जड़ा। अगले ओवर में आवेश की गेंद पर उन्हें लगातार दो जीवनदान मिले। राठी और निकोल्स पूरन ने उनका कैच टपका दिया। इस बल्लेबाज ने छक्का जड़कर इसका जश्न मनाया, जिससे टीम को आखिरी ओवर में 10 रन की जरूरत थी।

क्रीज पर बाएं हाथ के बल्लेबाजों की मौजूदगी के कारण पंत ने शाहबाज की जगह गेंद मारक्रम को सौंपी, लेकिन दुबे के दो गगनचुंबी छक्कों के साथ मैच खत्क किया। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर इंग्लिस ने

अकील हुसैन के खिलाफ साइट स्क्रीन के ऊपर से छक्का जड़ने के बाद मुकेश चौधरी और कंबोज के खिलाफ सहजता से बड़े शॉट खेलते हुए 3.4 ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा कर दिया। यह सुपरजायंट्स का सबसे तेज अर्धशतक है। इंग्लिस ने इन दोनों तेज गेंदबाजों के खिलाफ रिवर्स स्कूप पर दो कमाल के छक्के लगाए। उन्होंने 18 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। कंबोज ने मिचेल मार्श को आउट कर 31 गेंद में 77 रन की साझेदारी को तोड़ा। इस साझेदारी में मार्श का योगदान 10 गेंद में 10 रन का था।

नूर ने पावरप्ले के बाद निकोल्स पूरन (एक) का अपनी फिरकी में फंसाकर कैच कराया। पावरप्ले में सुपरजायंट्स ने इस सत्र का अपना सर्वोच्च स्कोर एक विकेट पर 91 रन बना लिए। ओवरटन के खिलाफ 10वें ओवर में इंग्लिस एक बार फिर स्कूप करने की कोशिश में विकेटकीपर सैमसन को कैच दे बैठे। कप्तान ऋषभ पंत (15) का खराब फॉर्म जारी रहा और वह इसी ओवर में गेंद को विकेटों पर खेल गए। टीम अभी इन झटकों से उबरी भी नहीं थी कि ब्रेविस ने बाउंड्री के बाउंड्री के पास से सीधे विकेटों पर थ्रो कर मारक्रम (छह) को रन आउट कर दिया। अक्षत रघुवंशी (18) ओवरटन का तीसरा शिकार बने। हिम्मत ने क्रीज पर आते ही छक्का जड़कर आत्मविश्वास दिखाया, वहीं एक छोर से संभलकर खेलने के बाद शाहबाज ने 19वें ओवर में ओवरटन के खिलाफ दो चौके और एक छक्का जड़कर 17 रन बटोरे इस गेंदबाज के आंकड़े खराब किये। इस बायें हाथ के बल्लेबाज पारी की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम के स्कोर को 200 रन के पार पहुंचा दिया।

आईपीएल अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंची गुजरात टाइटंस

जयपुर (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को 77 रनों से हराकर आईपीएल के 19 वें सत्र में लगातार चौथी जीत के साथ ही अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। यह गुजरात की रनों को देखते हुए आईपीएल में अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 229 रन बनाये। जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की टीम 16.3 ओवर में ही केवल 152 रनों पर ही सिमट गयी।

इस मैच में शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 118 रन बनाये। सुदर्शन ने 36 गेंदों में 55 रन बनाए, जबकि शुभमन ने 44 गेंदों पर 84 रन बनाये। वहीं अंत में, वॉशिंगटन सुंदर ने 20 गेंदों में नाबाद 37 रन और राहुल तेवतिया ने नाबाद 14 रन बनाकर टीम को 229 के लक्ष्य तक पहुंचाया। गुजरात टाइटंस की ओर से बृजेश शर्मा ने सबसे अधिक 2 विकेट लिए।

इसके बाद 230 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल सिर्फ 3 रन बनाकर सस्ते में पवेलियन लौट गए। वैभव सूर्यवंशी 36 रन पर ही आउट हो गये। ध्रुव जुरेल 24 और शिमरोन हेटमायर 6 रनों पर ही आउट हो गये। रवींद्र जडेजा ने 25 गेंदों में 38 रन बनाये। शुभम दुबे 15 और जोफ्रा आर्चर 5 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। दासुन शनाका ने 16 रन बनाये।

दूसरी ओर गुजरात से राशिद खान ने 33 रन देकर 4 विकेट लिए। जेसन होल्डर ने भी कमाल की गेंदबाजी करते हुए 2.3 ओवर में महज 12 रन खर्च कर 3 विकेट लिए। वहीं कगिसो रबाडा को दो और सिराज को एक विकेट मिला। यह गुजरात टाइटंस की रनों के हिसाब से आईपीएल में सबसे बड़ी जीत है, जिसने उनके 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 62 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वहीं, राजस्थान रॉयल्स को यशस्वी जायसवाल की कप्तानी में अपनी चौथी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही गुजरात 11 मैचों में 14 अंक लेकर दूसरे स्थान पर आ गयी है, जबकि राजस्थान को 11 मैचों में अपनी 5वीं हार झेलनी पड़ी और वह अंक तालिका में वह 5वें पायदान पर फिसल गई है। यह गुजरात की इस सत्र की सातवीं जीत थी। सनराइजर्स हैदराबाद 14 अंक और बेहतर रन रेट होने के कारण पहले स्थान पर है, वहीं पंजाब किंग्स 13 अंक लेकर तीसरे जबकि रॉयल चैलेंजर्स और राजस्थान रॉयल्स 5-5 अंक लेकर चौथे और पांचवे नंबर पर है।

शुभमन लगातार सात आईपीएल सत्र में 400 रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने

जयपुर (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। शुभमन ने इस मैच में 44 गेंदों पर ही 84 रनों की पारी के साथ ही अपने 400 आईपीएल रन पूरे किये। इसी के साथ ही शुभमन लगातार सात आईपीएल सीजन में 400 या उससे अधिक रन बनाने वाले विश्व के केवल तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। शुभमन ने साल 2020 के सत्र से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं साल 2026 के सत्र में भी यह सिलसिला बना रहा। उन्होंने साल 2020 और 2021 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते हुए ये उपलब्धि हासिल की थी। इसके बाद साल 2022 में गुजरात टाइटंस से जुड़ने के बाद से ही वह लगातार रन बनाते आये हैं। आईपीएल में उनसे पहले केवल दो खिलाड़ियों के नाम ही ये रिकार्ड है।

वहीं इससे पहले सुरेश रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से साल 2008 से 2014 तक लगातार सात आईपीएल सीजन में 400 से अधिक रन बनाए थे। रैना ने इस दौरान सीएसके के आधार बने रहे। उनके बाद सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने भी यह रिकार्ड अपने नाम किया। धवन ने साल 2016 से 2022 तक लगातार सात आईपीएल सत्र में 400 या उससे अधिक रन बनाए। इस अवधि में उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद (2016-2018), दिल्ली कैपिटल्स (2019-2021) और पंजाब किंग्स (2022) का प्रतिनिधित्व करते हुए जमकर रन बनाये। अब शुभमन भी इस विशेष क्लब में शामिल हो गये हैं। गिल की व्यक्तिगत उपलब्धियों के साथ-साथ, उनकी कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने इस मैच में रॉजस्थान रॉयल्स को 77 रनों से हरा दिया।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी पंजाब

धर्मशाला (एजेंसी)। पंजाब किंग्स की टीम सोमवार को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के इरादे से उतरेगी। पंजाब किंग्स की टीम लगातार तीन हार के बाद अंकतालिका में तीसरे स्थान पर फिसल गयी है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में सत्र की शुरुआत से ही बेहतर प्रदर्शन कर रही पंजाब का प्रदर्शन पिछले कुछ मुकाबलों में गिरा है। ऐसे में उसे जीत के लिए अपने क्षेत्ररक्षण को भी बेहतर करना होगा। हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में टीम ने काफी कैच छोड़े थे जिससे उसके हाथ से मैच निकल गया था। इसके अलावा उसके गेंदबाज भी पिछले मैच में असफल रहे थे। उसे अब ये कमी भी दूर करनी होगी। पंजाब की बल्लेबाजी प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह के अलावा श्रेयस पर भी निर्भर करेगी। गेंदबाजी में उसके पास तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के अलावा स्पिनर यजुवेन्द्र चहल भी हैं। पंजाब के अभी 13 अंक हैं और उसे प्लेऑफ में पहुंचने दो जीत चाहिये। ऐसे में टीम का लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ ही लय हासिल करना रहेगा। वहीं दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स की टीम 8 अंक लेकर आठवें स्थान पर है और उसकी प्लेऑफ की उम्मीदें तकरीबन समाप्त हो गयी हैं पर वह पंजाब का खेल जरुर बिगाड़ सकती है।

अक्षर पटेल की कप्तानी में कैपिटल्स का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। टीम अपने पिछले छह मुकाबलों में से पांच हारी है और अंक तालिका में आठवे नंबर पर है। टीम के बल्लेबाज ओर गेंदबाज उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। बल्लेबाजी में केवल केएल राहुल ही रन बना पाये हैं। गेंदबाजी में उसके पास मिचेल स्टार्क और टी नटराजन भी हैं। स्टार्क भी वापसी के बाद से ही प्रभावित नहीं कर पाये हैं जिससे भी टीम का प्रदर्शन खराब हुआ है। अब तक दोनो टीमों के बीच 36 मैच हुए हैं जिसमें से पंजाब ने 18 जबकि दिल्ली ने 17 जीते हैं।

पंजाब किंग्स संभावित टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, निहाल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसेन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बरार, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, प्रवीण दुबे, पायला अविनाश और विशाल निषाद।

दिल्ली कैपिटल्स संभावित टीम

अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, लोकेश राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी शॉ, काइल जेमिसन, अजय जाधव मंडल, माधव तिवारी, साहिल पारख, करुण नायर और टी नटराजन।

चहल को ई–सिगरेट सेवन के लिए होनी चाहिये जेल : शिवरामकृष्णन

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय स्पिनर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल के उड़ान के दौरान ई सिगरेट (वेप) का सेवन करने को लेकर कड़ी फटकार लगायी है। शिवरामकृष्णन के अनुसार इस प्रकार के गलत काम के लिए चहल पर जुर्माना ही काफी नहीं होगा। उन्हें जेल भी भेजा जाना चाहिये। शिवरामकृष्णन ने इस मामले को लेकर चहल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की है। चहल पर हैदराबाद की फ्लाइट में वेप सेवन का आरोप है। इसका एक वीडियो भी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने जारी किया था। चहल आईपीएल 2026 के दौरान वेप का सेवन करने के मामले में फंसे दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग भी पंजाब किंग्स के ड्रेसिंग रूम में वेप का सेवन करते पकड़े गये थे। इस कारण उनपर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगा था पर शिवरामकृष्णन का मानना है कि चहल का मामला अलग है उन्होंने लोगों की सुरक्षा को खतरे में डाला है उन्हें इसके लिए जेल भेजा जाए। शिवरामकृष्णन ने सोशल मीडिया में लिखा, ' 'भारत में वेप पर प्रतिबंध है। उन्हें जेल में होना चाहिए। कानून बनाकर अगर उन्हें लागू नहीं किया जाए तो उसका क्या लाभ। मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना तो बहुत कम है। साथ ही सवाल किया कि अगर कोई आम आदमी ऐसा करता तो उसके खिलाफ भी क्या यही कार्रवाई होती?' वहीं बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने अपनी सलाह में लिखा, ड्रेसिंग रूम और टूर्नामेंट वेन्यू के अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों में वेपिंग के मामले बीसीसीआई की नजर में आए हैं।

धोनी को खेलते रहना चाहिए, उनके जैसा विकेटकीपर कोई नहीं : माइकल क्लार्क

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने भारतीय क्रिकेट के दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि उम्र बढ़ने के बावजूद उन्हें प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहिए। क्लार्क का मानना है कि धोनी का खेल पर प्रभाव आज भी बेहद खास है और टी20 क्रिकेट में उनसे बेहतर विकेटकीपर कोई नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस दिन धोनी क्रिकेट से संन्यास लेंगे, उसके बाद शायद वह किसी भी रूप में खेल से जुड़े नजर नहीं आएंगे। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 शुरू होने से पहले महेंद्र सिंह धोनी को पिंडली में खिंचाव की समस्या हो गई थी। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से जानकारी दी गई थी कि 44 वर्षीय धोनी शुरुआती कुछ मुकाबले ही मिस करेंगे। हालांकि टीम अब तक 10 मैच खेल चुकी है, लेकिन धोनी मैदान पर वापसी नहीं कर पाए हैं। वह लगातार नेट्स में अभ्यास जरूर कर रहे हैं, लेकिन मैचों के दौरान टीम के साथ यात्रा नहीं कर रहे। उनकी गैरमौजूदगी ने प्रशंसकों को निराश किया है, लेकिन माइकल क्लार्क का मानना है कि धोनी और चेन्नई सुपर किंग्स एक–दूसरे से अलग नहीं हो सकते। एक पॉडकास्ट' में बातचीत के दौरान माइकल क्लार्क ने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी ही चेन्नई सुपर किंग्स की असली पहचान हैं। उन्होंने कहा कि जब भी चेन्नई का मैच होता है तो स्टेडियम में ज्यादातर दर्शक नंबर 7 वाली पीली जर्सी पहनकर पहुंचते हैं। यहां तक कि टीम के साथ जुड़ने वाले प्रायोजक भी चाहते हैं कि धोनी टीम का हिस्सा बने रहें। क्लार्क ने कहा कि भारत और चेन्नई सुपर किंग्स दोनों के लिए धोनी का महत्व बेहद बड़ा है और उम्र को उनकी क्षमता का पैमाना नहीं माना जाना चाहिए। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि कोई भी उन्हें यह समझा नहीं सकता कि वर्तमान समय में टी20 क्रिकेट में धोनी से बेहतर विकेटकीपर मौजूद है। उनके अनुसार धोनी की विकेटकीपिंग कौशल, मैच को पढ़ने की क्षमता और दबाव में शांत रहने का अंदाज उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाता है। उन्होंने प्रशंसकों और क्रिकेट विशेषज्ञों से अपील की कि वे धोनी के संन्यास की मांग करना बंद करें और उन्हें जितना चाहें उतना क्रिकेट खेलने दें।

वैभव सूर्यवंशी टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) लीग में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में अपनी 36 रनों की पारी में तीन छक्के लगाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है।अपनी इस पारी के साथ ही वैभव ने टी20 क्रिकेट में एकसाथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं।

वैभव अब टी20 क्रिकेट में सबसे तेज और सबसे कम उम्र में 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने केवल 29 टी20 पारियों में हासिल की, जो अपने आप में एक बड़ा रिकार्ड है। वैभव ने केवल 514 गेंदों में अपने 100 टी20 छक्के पूरे कर लिए हैं, जो इससे पहले किसी भी बल्लेबाज ने इतनी कम गेंदों में नहीं किया था।

वहीं इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज करणबीर सिंह ने 813 और वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेर कीरोन पोलार्ड ने 843 गेंदों में 100 टी20 छक्के लगाए थे।

वैभव ने पावरप्ले में सबसे अधिक छक्के लगाने का नया रिकॉर्ड भी बनाया है। उन्होंने मौजूदा सीजन में पावरप्ले के भीतर कुल 30 छक्के लगाये हैं, जिससे उन्होंने 2024 सीजन में अभिषेक द्वारा बनाए गए 29 छक्कों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। अभिषेक शर्मा ने 2026 सीजन में भी 27 छक्के लगाए हैं, जबकि सनथ जयसूर्या (2008), ट्रेविस हेड (2024) और यशस्वी जायसवाल (2025) जैसे दिग्गजों ने अपने-अपने सीजन में 22-22 छक्के लगाए थे। अगर देखा जाये तो वैभव ने अबतक के आईपीएल सीजन में 40 छक्के लगाए हैं, जो किसी एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीयों की सूची में अभिषेक शर्मा (42 छक्के, 2024) के बाद दूसरे स्थान पर है। श्रेयस अय्यर (39 छक्के, 2025), विराट कोहली (38 छक्के, 2016 और 2024) और सूर्यकुमार यादव (38 छक्के, 2025) जैसे नाम भी इस विशिष्ट सूची में शामिल हैं, जो वैभव की उपलब्धियों को और भी खास बनाते हैं।

राशिद आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले विदेशी स्पिनर बने

जयपुर। गुजरात टाइटंस के स्पिनर राशिद खान ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मैच में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। राशिद ने इस मैच में चार विकेट लेकर राजस्थान रॉयल्स को 152 रनों पर आउट करने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। राशिद अब आईपीएल इतिहास में विदेशी स्पिनर के तौर पर सबसे ज्यादा बार तीन या उससे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इसी के साथ ही कोलकाता नाइटराइजर्ड (केकेआर) के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन को भी पीछे छोड़ दिया है। यह ये 18 वीं बार है जब राशिद ने आईपीएल मैच में तीन या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। इस उपलब्धि के साथ ही अब वह अमित मिश्रा और रवींद्र जडेजा जैसे प्रमुख स्पिनरों से आगे निकल गए हैं। अब केवल स्पिनर युजवेंद्र चहल ही उनसे आगे हैं, जिन्होंने 23 बार यह कारनामा किया है। अगर हम तेज गेंदबाजों को भी शामिल कर लें, तो राशिद से अधिक विकेट केवल जसप्रीत बुमराह के नाम 25, भुवनेश्वर कुमार के 21 और लसिथ मलिंगा के नाम 19 विकेट हैं। मैच के बाद अपनी गेंदबाजी पर बात करते हुए राशिद खान ने बताया कि पहली गेंद फेंकते ही उन्हें पिच से मदद मिलने का एहसास हो गया था। उन्होंने कहा, मुझे बस अपनी गेंदों की गति को लगातार बदलते रहना था। मैं सही जगह पर गेंद डालने और स्टंप्स को निशाना बनाने की कोशिश कर रहा था। मुझे लगा कि अगर मैं स्टंप्स से दूर गेंद डालूंगा, तो बल्लेबाज के लिए रन बनाना या चौका मारना आसान हो जाएगा। उन्होंने आगे जोर दिया कि उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण सही लेंथ और लाइन पर ध्यान देना था, ताकि गेंद तीनों स्टंप्स के बीच ही रहे। राशिद ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने फरेरा को आउट करने के बारे में पहले ही सोच लिया था और उनके दिमाग में पूरी योजना तैयार थी। जैसे ही गेंद उनके हाथ से निकली, उन्हें यकीन हो गया था कि विकेट मिलने वाला है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में दिखेगा नोरा फतेही का जलवा

– अंतरराष्ट्रीय मंच पर बिखेरेंगी भारतीय प्रतिभा की चमक

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड की मशहूर डांसर और ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करने जा रही हैं। नोरा अब फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में अपनी शानदार परफॉर्मेंस और सिंगिंग का जलवा बिखेरेंगी। यह भव्य आयोजन कनाडा के टोरंटो शहर में आयोजित किया जाएगा। नोरा का इस प्रतिष्ठित मंच पर शामिल होना भारतीय मनोरंजन जगत के लिए बेहद गर्व की बात माना जा रहा है। दुनियाभर में अपनी डांस परफॉर्मेंस और स्टेज प्रेजेंस के लिए पहचान बना चुकीं नोरा अब वैश्विक स्तर पर एक बार फिर भारतीय कला और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती नजर आएंगी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी 12 जून को टोरंटो के प्रसिद्ध बीएमओ फील्ड स्टेडियम में आयोजित होगी। इस खास कार्यक्रम में नोरा फतेही के साथ कई बड़े अंतरराष्ट्रीय कलाकार भी मंच साझा करेंगे। इनमें माइकल बुबले, एलानिस मॉरिसेट, एलेसिया कारा, एलियाना, जेसी रेयेज, संजॉय, वेगड्रीम और विलियम प्रिंस जैसे लोकप्रिय नाम शामिल हैं। वहीं अमेरिका में आयोजित होने वाली दूसरी ओपनिंग सेरेमनी में अनीता, फ्यूचर, कैटी पेरी, लिसा, रेमा और टायला जैसे ग्लोबल सुपरस्टार्स अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस तरह फीफा वर्ल्ड कप 2026 सिर्फ फुटबॉल का महाकुंभ नहीं बल्कि संगीत, संस्कृति और मनोरंजन का भी विशाल उत्सव बनने जा रहा है।

फीफा की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, कनाडा में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी के जरिए देश की संस्कृति, विविधता और परंपराओं को दुनिया के सामने पेश किया जाएगा। समारोह में कनाडा की खूबसूरत लोकेशनों और सांस्कृतिक विरासत को विशेष प्रस्तुति के माध्यम से दिखाया जाएगा। आयोजकों के मुताबिक यह कार्यक्रम एकता, उत्साह और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक होगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि टोरंटो में होने वाली यह ओपनिंग सेरेमनी कनाडा की पहचान और फुटबॉल के प्रति वहां के लोगों के उत्साह को दुनिया के सामने पेश करेगी।

इटेलियन ओपन में सबालेंका और पाओलिनी की सनसनीखेज हार

रोम। इटेलियन ओपन में कई चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिले, जिसमें महिलाओं की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और गत चैंपियन जैस्मीन पाओलिनी दोनों बाहर हो गईं। दिन का सबसे बड़ा झटका महिलाओं के सिंगल्स के राउंड ऑफ़ 32 में लगा, जहां दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी सबालेंका ने एक सेट की बढ़त गंवा दी और रोमानिया की सोराना सिस्टिर्या से 2–6, 6–3, 7–5 से हार गईं। सिस्टिर्या ने बेसलाइन से सबालेंका के साथ जोरदार मुकाबला किया और नेट की ओर आक्रामक रुख अपनाकर बेलारूस की इस खिलाड़ी को बार–बार परेशान किया, जिससे उन्हें दूसरे सेट के आठवें गेम में एक महत्वपूर्ण 'ब्रेक' हासिल हुआ। सबालेंका को सिस्टिर्या के खेल की विविधता का सामना करने में मुश्किल हुई और उन्होंने लगातार 'अनफोर्स्ड एरर' (बिना दबाव के की गई गलतियां) करना शुरू कर दिया। निर्णायक सेट के पांचवें गेम में सिस्टिर्या ने अपने चौथे 'ब्रेक पॉइंट' के मौके को भुनाते हुए एक और 'ब्रेक' हासिल किया और फिर अपनी सर्विस के साथ मैच जीत लिया; यह किसी शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ उनके करियर की पहली जीत थी। जीत के बाद सिस्टिर्या ने कहा, 'शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ आप सिर्फ़ सुरक्षित खेल नहीं खेल सकते। वे आपको जीत थाली में परोसकर नहीं देंगी। आपको जीत खुद हासिल करनी पड़ती है।'

भारतीय महिला टीम ने तीरंदाजी विश्व कप में चीन को हराकर स्वर्ण जीता

शंघाई (एजेंसी)। दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और युवा कुमकुम मोहोद वाली भारतीय महिला रिकर्व टीम ने यहां हुए तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में चीन को हराकर स्वर्ण पदक जीता है। दीपिका, अंकिता और कुमकुम ने मेजबान चीनी खिलाड़ियों को फाइनल शूट-ऑफ मुकाबले में 5-4 (28-26) से हराया। इसी के साथ ही भारतीय महिला रिकर्व टीम ने साल 2021 के बाद विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक जीता है।

भारतीय टीम ने पहले सेट में 54-53 के अंतर से जीत हासिल की। इसके बाद चीनी टीम ने जबरदस्त वापसी करते हुए अगले दो सेट (55-52 और 57-56) जीते और 4-2 की बढ़त बना ली, जिससे भारतीय खेमे पर दबाव बढ़ गया। भारतीय टीम ने चौथे सेट में मुकाबला 4-4 से बराबर कर दिया, जिससे जीत का फैसला शूट-ऑफ पर आ टिका।

निर्णायक शूट-ऑफ में, भारतीय तीरंदाजों ने जबरदस्त खेल दिखाया। अंकिता भकत ने सटीक नौ अंक हासिल किये। इसके बाद कुमकुम मोहोद ने दबाव के बीच सीधा 10 का स्कोर किया। जीत के लिए भारत को केवल आठ अंक की आवश्यकता थी, और अनुभवी दीपिका कुमारी ने नौ अंक हासिल कर भारतीय टीम को जीत दिला दी। इससे आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए भी टीम का मनोबल बढ़ा है।

भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में 10 बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया और फिर, चीन को उसके घरेलू मैदान पर हराया था। ये जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि टीम बिना किसी राष्ट्रीय कोच के खेल रही थी। शंघाई विश्व कप में भारत के लिए यह दूसरा पदक है। इससे पहले, कंपाउंड तीरंदाज साहिल जाधव ने कांस्य पदक जीतकर देश का खाता खोला था।

वैश्विक नरमी से गिरे खाद्य तेलों के दाम, सोयाबीन-बिनौला में उछाल

विदेशी असर से खाद्य तेल बाजार में उठापटक, किसानों को अच्छे दाम से सोयाबीन रकबा बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों के दाम टूटने के बीच देश के तेल-तिलहन बाजार में मिलाजुला रुझान देखने को मिला। जहां सोयाबीन तेल, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के दाम गिर गए, वहीं कम उपलब्धता और स्थानीय मांग के चलते सोयाबीन तिलहन और बिनौला तेल में सुधार दर्ज किया गया। महत्वपूर्ण बात यह है कि विदेशी बाजारों में नरमी के बावजूद सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे। बाजार विशेषज्ञों के अनुसा सोयाबीन डीगम तेल का दाम बीते सप्ताह 1,345-1,350 डॉलर प्रति टन से घटकर 1,300-1,305 डॉलर प्रति टन पर आ गया, जिसका सीधा असर घरेलू सोयाबीन, सीपीओ और पामोलीन तेलों पर पड़ा। हालांकि, गर्मी में पाम-पामोलीन की औद्योगिक मांग ने इसकी कीमतों में अत्यधिक गिरावट को कुछ हद तक सीमित रखा। इसके विपरीत सोयाबीन के कम स्टॉक और सोयाबीन खल (डीओसी) की मजबूत स्थानीय मांग से सोयाबीन तिलहन के दामों में सुधार आया। इसी तरह, बिनौला तेल भी सीमित उपलब्धता के कारण मजबूत हुआ। आयातित तेलों की नरमी के बावजूद सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतें पिछले सप्ताहांत के स्तर पर स्थिर रहीं। जानकारों का कहना है कि सरकार को मूंगफली के लिए बाजार विकसित करने और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने हेतु सख्त कदम उठाने होंगे। किसानों को सोयाबीन के अच्छे दाम मिलने से इस बार इसके रकबे में वृद्धि की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 7,000-7,025 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 14,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,400-2,500 रुपये और 2,400-2,545 रुपये टिन (15 किलो) पर स्थिर रुख लिए बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 425-425 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 6,950-7,000 रुपये और 6,600-6,675 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।दूसरी ओर, दिल्ली में सोयाबीन तेल 325 रुपये की गिरावट के साथ 15,675 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 275 रुपये की गिरावट के साथ 15,575 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 300 रुपये की गिरावट के साथ 12,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताहांत मूंगफली तिलहन 6,650-7,125 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 15,750 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,500-2,800 रुपये प्रति टिन पर स्थिरता के रुख के साथ बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 50 रुपये घटकर 15,400 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की गिरावट के साथ 14,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 15,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पश्चिम एशिया तनाव से पिडिलाइट फिर बढ़ा सकती है उत्पादों के दाम

कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों की लागत 40-50 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे माल की लागत में भारी बढ़ोतरी के मद्देनजर एडहेसिव और निर्माण रसायन बनाने वाली कंपनी पिडिलाइट इंडस्ट्रीज कीमतों में एक और दौर की वृद्धि पर विचार कर रही है। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों की लागत भारित औसत आधार पर 40-50 प्रतिशत तक बढ़ गई है। यह जानकारी कंपनी के तिमाही नतीजों की घोषणा के बाद दी गई। पिडिलाइट इंडस्ट्रीज, जो फेविकोल, डॉ. फिक्सिट, फेवीक्विक और एम-सील जैसे लोकप्रिय ब्रांडों की मालिक है, पहले ही अप्रैल और मई में दो बार कीमतों में वृद्धि कर चुकी है, जिसमें फेविकोल की कीमतों में 12-15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी शामिल है। अे धिकारी ने कहा कि कंपनी अपनी नीति के अनुरूप लागत वृद्धि को चरणबद्ध तरीके से बाजार पर डालेगी ताकि 20-24 प्रतिशत के कर-पूर्व लाभ (एबिटा) मार्जिन दायरे को बनाए रखा जा सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि पश्चिम एशिया संकट का समाधान इस महीने के भीतर निकल सकता है, जिससे उपभोक्ता मांग पर बड़ा असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, यदि संघर्ष लंबा खिंचता है, तो महंगाई मांग को प्रभावित कर सकती है। कंपनी ने मौजूदा तिमाही के लिए आपूर्ति सुनिश्चित कर ली है और मांग सृजन पर ध्यान केंद्रित कर रही है। नए वित्त वर्ष में मांग के रुझान उत्साहजनक बने हुए हैं, जिसमें शहरी और ग्रामीण दोनों बाजारों में मजबूत खपत देखी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्धि अब भी शहरी बाजारों से बेहतर रही है।

सेंसेक्स की शीर्ष 4 कंपनियों का 1 लाख करोड़ से अधिक का मार्केट कैप घटा

भारती एयरटेल, टीसीएस एसबीआई को बड़ा नुकसान, रिलायंस व एचडीएफसी बैंक ने दर्ज की अच्छी बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में सेंसेक्स और निफ्टी ने भले ही सीमित दायरे में बढ़त दर्ज की हो, लेकिन देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई है। इस दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे दिग्गजों ने अच्छा प्रदर्शन कर अपनी स्थिति मजबूत की। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल, एसबीआई, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इस सूची में भारतीय स्टेट बैंक को सर्वाधिक 44,722.34 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिससे इसका मार्केट कैप घटकर 9,41,107.62 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 31,167.1 करोड़ रुपये घटकर 11,18,055.03 करोड़ रुपये पर आ गया, वहीं टीसीएस ने 28,456.26 करोड़ रुपये गंवाए, जिससे उसकी बाजार हैसियत 8,66,477.69 करोड़ रुपये रह गई। एलएंडटी को भी 5,371.84 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसके विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्यांकन में कुल 46,685.21 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 15,425.09 करोड़ रुपये बढ़कर 12,02,699.26 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 11,486.89 करोड़ रुपये बढ़कर 5,94,610.02 करोड़ रुपये हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने 8,763.97 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की और रिलायंस इंडस्ट्रीस का बाजार पूंजीकरण 6,563.28 करोड़ रुपये बढ़कर 19,42,866.58 करोड़ रुपये रहा, जिससे वह शीर्ष स्थान पर बरकरार रही। एलआईसी और आईसीआईसीआई बैंक ने भी क्रमशः 2,751.37 करोड़ रुपये और 1,694.61 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी देखी।

भारत में तोहफों का नया दौर, डिजिटल गिफ्टिंग बनी सबकी पसंद

स्मार्टफोन और यूपीआई के दौर में बढ़ा ई-गिफ्ट वाउचर और डिजिटल कार्ड का चलन

नई दिल्ली ।

भारत में खुशियों और त्योहारों पर तोहफे देने की पुरानी परंपरा अब एक नए डिजिटल स्वरूप में ढल रही है। स्मार्टफोन और यूपीआई के बढ़ते चलन ने लोगों की खरीदारी और गिफ्टिंग की आदतों में बड़ा बदलाव ला दिया है। अब लोग भौतिक वस्तुओं के बजाय ई-गिफ्ट वाउचर और डिजिटल कार्ड भेजना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। भारत में डिजिटल गिफ्टिंग अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हर किसी की पहली पसंद बन गई है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग सुविधा को सबसे ऊपर रखते हैं। डिजिटल गिफ्टिंग ने तोहफे की पसंद-नापसंद की टेंशन खत्म कर दी है। अब आप किसी को उनकी पसंद के ब्रांड का वाउचर भेजकर उन्हें अपनी मर्जी से खरीददारी का मौका देते हैं। इससे न सिर्फ तोहफा देने वाले की मेहनत बचती है, बल्कि आखिरी मिनट में भी तुरंत गिफ्ट भेजने की सुविधा मिलती है और कूरियर के झंझट से भी मुक्ति मिलती है।

तेल कीमतें रहेंगी ऊंची, भारत की जीडीपी घटेगी और महंगाई बढ़ेगी एडीबी

एशियाई विकास बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री ने 2026 में 96 डॉलर/बैरल का अनुमान जताया

नई दिल्ली ।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के मुख्य अर्थशास्त्री ने चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया संकट के लंबे समय तक खिंचने से कच्चे तेल के दाम ऊंचे बने रहेंगे, जिसका सीधा असर भारत सहित एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ेगा। उन्होंने भारत की वृद्धि दर में कमी और महंगाई में तीव्र वृद्धि का अनुमान जताया है। एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री ने एक साक्षात्कार में कहा कि कच्चे तेल की कीमतें 2026 में औसतन 96 डॉलर प्रति बैरल और 2027 में 80 डॉलर प्रति बैरल रह सकती हैं, जो लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बने रहने का संकेत है। उन्होंने बताया कि हाजिर बाजार में कमी के चलते निकट वायदा कीमतें भी ऊंची बनी हुई हैं। भारत पर पश्चिम एशिया संकट के असर पर उन्होंने कहा कि इससे देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 0.6 प्रतिशत घटकर 6.3 प्रतिशत रह जाएगी। साथ ही चालू वित्त वर्ष में महंगाई भी 2.4 प्रतिशत बढ़कर 6.9 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। भारत का आयातित तेल और गैस पर अत्यधिक निर्भरता इस बढ़ी हुई महंगाई का प्रमुख कारण है, हालांकि अगले वित्तीय वर्ष में वृद्धि में सुधार की उम्मीद है। क्षेत्रीय स्तर पर एडीबी ने 2026 के लिए एशिया-प्रशांत की वृद्धि दर का अनुमान 5.1 प्रतिशत से घटाकर 4.7 प्रतिशत कर दिया है। एल नीनो के संभावित प्रभाव पर, पार्क ने खाद्य उत्पादन, विशेषकर चावल की वैश्विक व्यापार में भारत की भूमिका पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उर्वरक की बढ़ती कीमतें भी पैदावार और अंततः खाद्य कीमतों को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे आपूर्ति में कमी की चुनौती बढ़ सकती है।

भू-राजनीति की गिरफ्त में शेयर बाजार अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चा तेल तय करेगा चाल

रुपए-डॉलर की चाल, विदेशी निवेशकों का रुख, महंगाई के आंकड़े और तिमाही नतीजे भी देंगे बाजार को दिशा

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा मुख्य रूप से अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों का मानना है कि भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के प्रति बाजार बेहद संवेदनशील रहेगा, जबकि रुपये-डॉलर की चाल, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियां और आगामी महंगाई के आंकड़े भी बाजार के रुख को प्रभावित करेंगे। कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। बाजार `` विश्लेषकों का कहना है` कि बाजार इस सप्ताह भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील रहेगा। निवेशकों का ध्यान अमेरिका-ईरान से संबंधित हर गतिविधि पर केंद्रित रहेगा। उन्होंने जोर दिया कि ब्रेंट कच्चे तेल के दाम बाजार की दिशा निर्धारित करने में अहम भूमिका निभाएंगे। यदि कच्चे तेल की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बनी रहती हैं या तनाव कम करने की दिशा में कोई प्रगति होती है, तो जोखिम वाले निवेश माध्यमों में राहत भरी तेजी देखी जा सकती है। इसके विपरीत यदि तनाव बढ़ता है, तो बाजार पर दबाव बना रह सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह जारी होने वाले महंगाई के आंकड़े भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण होंगे। बाजार` विशेषज्ञों के मुतो बिक भारत के अप्रैल महीने के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ब्याज दर नीति का संकेत देंगे। वहीं अमेरिका के सीपीआई और उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) आंकड़े फेडरल रिजर्व की संभावित ब्याज दर कटौती, बॉन्ड प्रतिफल और वैश्विक जोखिम धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। इस बीच केनरा बैंक, टाटा पावर, भारती एयरटेल, डीएलएफ, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी प्रमुख कंपनियां सप्ताह के दौरान अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी, जो शेयर और क्षेत्र आधारित गतिविधियों को प्रभावित करेंगी। एफआईआई की निकासी और बाजार का रुख बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 414.69 अंक (0.53 प्रतिशत) मजबूत हुआ था, जबकि एनएसई निफ्टी में 178.6 अंक (0.74 प्रतिशत) का लाभ दर्ज किया गया था। हालांकि, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफआईआई) भारतीय बाजारों से लगातार निकासी कर रहे हैं। इस महीने अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजारों से 14,231 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। बाजार` विशेषज्ञों का कहना है ` कि आने वाले दिनों में बाजार की दिशा मुख्य रूप से भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों, रुपये की चाल और विदेशी निवेशकों के रुख पर निर्भर करेगी। साथ ही, चौथी तिमाही के नतीजों का अंतिम चरण शेयर और क्षेत्र आधारित गतिविधियों को प्रभावित करेगा, जिससे बाजार व्यापक दायरे में कारोबार कर सकता है।

अगले हफ्ते 12 दिग्गज कंपनियां बांटेगी डिविडेंड एक शेयर पर 40 तक कमाई का मौका

बैंकिंग, रियल एस्टेट, एफएमसीजी समेत विभिन्न सेक्टर की कंपनियों ने की घोषणा

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए अगला सप्ताह कमाई के लिहाज से बेहद शानदार रहने वाला है। अगर आप भी स्टॉक मार्केट में निवेश करते हैं और केवल शेयरों के भाव बढ़ने से ही नहीं, बल्कि कंपनी के मुनाफे में हिस्सेदारी यानी 'डिविडेंड' से भी पैसा कमाना चाहते हैं, तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। अगले हफ्ते देश की 10 से अधिक दिग्गज कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड का बड़ा तोहफा देने जा रही हैं। डिविडेंड वह अतिरिक्त आय होती है जो कंपनियां अपने मुनाफे का एक हिस्सा अपने निवेशकों को नकद के रूप में देती हैं। अगले सप्ताह की शुरुआत यानी सोमवार को दो कंपनियां डिविडेंड के लिए तैयार हैं। गोल्ड लोन सेक्टर की दिग्गज कंपनी मनाप्पुरम फाइनेंस अपने निवेशकों को प्रति शेयर 0.50 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देने जा रही है। इसी दिन पीएई लिमिटेड भी 0.20 रुपये का फाइनल डिविडेंड देगी। मंगलवार को एफएमसीजी सेक्टर की बड़ी कंपनी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की बारी है। कंपनी ने अपने निवेशकों के लिए प्रति शेयर 5.00 रुपये का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। वहीं, बुधवार को एनआरबी बियरिंग्स लिमिटेड अपने शेयरधारकों को प्रति शेयर 2.25 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देगी। रियल एस्टेट सेक्टर की दिग्गज कंपनी ओबेरॉय रियल्टी गुरुवार को 2.00 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देने जा रही है। सप्ताह का सबसे बड़ा दिन शुक्रवार रहने वाला है, क्योंकि इस दिन एक साथ कई बड़ी कंपनियां अपने डिविडेंड की एक्स-डेट मनाएंगी। निवेश और वेल्थ मैनेजमेंट सेक्टर की कंपनी आनंद राठी वेल्थ अपने निवेशकों को प्रति शेयर 7.00 रुपये का भारी-भरकम फाइनल डिविडेंड देने जा रही है। वहीं, हाउसिंग फाइनेंस सेक्टर की कंपनी एप्टस वैल्यू हाउसिंग भी 2.50 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देगी। होटल और एनर्जी सेक्टर में भी मुनाफे की बारिश होने वाली है। एचबीजी होटल्स लिमिटेड प्रति शेयर 0.15 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देगी, जबकि इंडियन एनर्जी एक्सचेंज ने

2.00 रुपये प्रति शेयर के फाइनल डिविडेंड का ऐलान किया है। इसके अलावा, स्नैक्स बनाने वाली कंपनी गोपाल स्नैक्स लिमिटेड भी शुक्रवार को अपनी एक्स-डेट पर होगी, हालांकि कंपनी ने इसके लिए राशि का खुलासा अभी नहीं किया है। निवेशकों के लिए यह उन कंपनियों में निवेश बनाए रखने या रिसर्च के बाद नए निवेश करने का एक बेहतरीन अवसर हो सकता है, जो नियमित रूप से अपने मुनाफे में हिस्सेदारी देती हैं।

नाल्को को पश्चिम एशिया तनाव से झटका, निर्यात प्रभावित, वैश्विक कीमतें गिरीं

कंपनी का 40-50 फीसदी एल्युमिना निर्यात बाधित; हाजिर कीमत 305-310 डॉलर प्रति टन हुई

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण उसके एल्युमिना निर्यात को गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी के कुल निर्यात का लगभग 40-50 प्रतिशत हिस्सा इस क्षेत्र को जाता था, जिस पर सीधा असर पड़ा है, साथ ही वैश्विक हाजिर बाजार में एल्युमिना की कीमतें भी दबाव में आ गई हैं। नाल्को के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि पश्चिमी एशिया को होने वाले निर्यात में आई बाधाओं और वैश्विक स्तर पर निर्यात गंतव्यों में बदलाव की वजह से हाजिर बाजार में एल्युमिना की कीमतें गिरकर 305-310 डॉलर प्रति टन पर आ गई हैं। कंपनी के लिए यह एक महत्वपूर्ण झटका है, क्योंकि क्षेत्र में जारी तनाव ने उसकी आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है। हालांकि, कंपनी अब इंडोनेशिया और अन्य बाजारों से नए ऑर्डर प्राप्त कर रही है, जिससे इस संकट के कुछ हद तक प्रभाव को कम करने में मदद मिली है। नाल्को ने चेतावनी दी है कि जब तक पश्चिम एशिया के स्मेल्टर पूरी क्षमता से काम करना शुरू नहीं कर देते, तब तक वैश्विक हाजिर एल्युमिना कीमतों पर दबाव बना रह सकता है।

विदेशी निवेशकों ने मई में भारतीय बाजार से 14,231 लाख करोड़ निकाले

वैश्विक अनिश्चितता, बढ़ती महंगाई और कमजोर रुपया मुख्य कारण, 2025 का आंकड़ा भी पीछे छूटा

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी का सिलसिला मई माह में भी जारी है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच एफपीआई ने इस महीने अब तक भारतीय इक्विटी बाजार से शुद्ध रूप से 14,231 करोड़ रुपये निकाले हैं। इसके साथ ही, 2026 में एफपीआई की भारतीय शेयर बाजार से कुल बिकवाली का आंकड़ा बढ़कर दो लाख करोड़ रुपये के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गया है, जो निवेशकों के लिए चिंता का विषय है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष 2025 में हुई कुल 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से कहीं अधिक है, जो मौजूदा वर्ष में विदेशी निवेशकों की बढ़ती सतर्कता को दर्शाता है। फरवरी महीने को छोड़कर, 2026 के सभी महीनों में एफपीआई शुद्ध बिकवाल रहे हैं। साल की शुरुआत में जनवरी में उन्होंने 35,962 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी।

हालांकि, फरवरी में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश देखा गया, जो पिछले 17 महीनों में सबसे अधिक था। यह सकारात्मक रुझान मार्च में उलट गया, जब विदेशी निवेशकों ने रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये की भारी-भरकम निकासी की। अप्रैल में भी यह सिलसिला जारी रहा और उन्होंने 60,847 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। मई में अब तक हुई 14,231 करोड़ रुपये की बिकवाली इस रुझान की पुष्टि करती है।

बाजार के जानकारों के अनुसार एफपीआई की इस लगातार बिकवाली की मुख्य वजह वैश्विक वृहद आर्थिक अनिश्चितता है। विदेशी निवेशक विशेष रूप से बढ़ती महंगाई, ब्याज दरों के भविष्य और भू-राजनीतिक जोखिमों को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय रुपये पर दबाव से विदेशी निवेशकों के डॉलर-समायोजित प्रतिफल पर नकारात्मक असर पड़ रहा है, जिससे वे भारतीय बाजार से पूंजी निकाल रहे हैं।

हालांकि उनका कहना है कि समग्र बिकवाली के बावजूद, एफपीआई चुनिंदा क्षेत्रों जैसे बिजली, निर्माण और पूंजीगत सामान में अभी भी निवेश कर रहे हैं, जो इन क्षेत्रों की दीर्घकालिक संभावनाओं में उनके विश्वास को दर्शाता है।

वाहन कबाड़ नीति में फंसा ऑटो उद्योग, 70 फीसदी लक्ष्य से चूके विनिर्माता

पर्यावरण मंत्रालय की अव्यावहारिक नीति पर उद्योग जगत ने उठाए सवाल

नई दिल्ली ।

भारत की वाहन कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित वाहन कबाड़ (स्क्रैप) से जुड़े इस्पात समतुल्य दायित्वों को पूरा करने में करीब 70 प्रतिशत की भारी कमी दर्ज की है। उद्योग जगत ने इसके लिए पर्यावरण मंत्रालय की अव्यावहारिक नीति को जिम्मेदार ठहराया है, खासकर अन्य इस्पात स्क्रैप सामग्री के प्रावधान को नियमों से हटाने को। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने जनवरी 2025 में 'पर्यावरण संरक्षण (वाहन को चलाने की अवधि की समाप्ति) नियम, 2025' अधिसूचित किए थे, जिसके तहत वाहन विनिर्माताओं को विस्तारित उत्पादक दायित्व (ईपीआर) के तहत स्क्रैप किए गए पुराने वाहनों से प्राप्त इस्पात के आधार पर दायित्व पूरा करना था। हालांकि, मंत्रालय ने मार्च 2026 में एक मसौदा संशोधन में अन्य इस्पात स्क्रैप सामग्री के प्रावधान को हटा दिया, जिससे केवल पुराने वाहनों से प्राप्त इस्पात ही ईपीआर प्रमाणपत्र के लिए मान्य रहा। उद्योग अधिकारियों के अनुसार, इस बदलाव ने लक्ष्य हासिल करना लगभग असंभव बना दिया।

वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनियों को 15-20 वर्ष पुराने निजी और वाणिज्यिक वाहनों के इस्पात समतुल्य का कम से कम आठ प्रतिशत कबाड़ में बदलना था। इसका अर्थ था कि लगभग 7.62 लाख वाहनों को कबाड़ किया जाना आवश्यक था, जबकि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, केवल 2.42 लाख पुराने वाहन ही कबाड़ केंद्रों पर पहुंचे। यह लगभग 5.2 लाख वाहनों की कमी को दर्शाता है। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम ने भी मंत्रालय को पत्र लिखकर पुराने वाहनों की सीमित उपलब्धता पर चिंता जताई है। उद्योग ने इस नीति को अव्यावहारिक बताया है और शुरुआती वर्षों में अन्य इस्पात स्क्रैप के उपयोग की अनुमति देने का सुझाव दिया है। उद्योग अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में जब ईपीआर लक्ष्य 13 प्रतिशत और फिर 18 प्रतिशत तक बढ़ेंगे, तो यह कमी और भी गंभीर हो सकती है। उद्योग ने इस नीति की तत्काल समीक्षा की मांग की है।

टाइटन का गोल्ड एक्सचेंज कार्यक्रम, तनाव के बावजूद सोने की आपूर्ति सुरक्षित

कंपनी ने भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद अल्पकालिक अवधि में आपूर्ति की चिंता न होने की बात कही

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला की चिंताओं के बावजूद, प्रमुख आभूषण कंपनी टाइटन ने घोषणा की है कि उसे अल्पकालिक अवधि में सोने की आपूर्ति को लेकर कोई चिंता नहीं है। कंपनी अपने सफल गोल्ड एक्सचेंज कार्यक्रम और वैकल्पिक आपूर्ति योजनाओं के चलते यह आश्वासन दे रही है, जिसने जोखिमों को कम करने में मदद की है। इसके साथ ही टाइटन ने मार्च तिमाही में जबरदस्त वित्तीय परिणाम भी दर्ज किए हैं। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि उनका गोल्ड एक्सचेंज कार्यक्रम पिछले वर्ष की तीसरी तिमाही से बहुत सफलतापूर्वक चल रहा है, जिससे आभूषण कारोबार के लिए सोने की उपलब्धता में लचीलापन बढ़ा है।

जरूरत पड़ने पर इस कार्यक्रम को और बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि टाइटन, तनिष्क और कैरटलेन के लिए अल्पकालिक अवधि में सोने की आपूर्ति को लेकर कोई चिंता नहीं है। हालांकि, पश्चिम एशिया में तनाव, आयात लाइसेंस संबंधी देरी और सीमा शुल्क की सुस्ती जैसी चुनौतियों के बावजूद कंपनी ने इन मुद्दों में सुधार का संकेत दिया। टाइटन ने वित्त वर्ष 2025-26 में 75,000 करोड़ रुपए से अधिक का कुल कारोबार लक्ष्य रखा है। मार्च तिमाही में कंपनी का एकीकृत मुनाफा 35.36 प्रतिशत बढ़कर 1,179 करोड़ रुपए हो गया, जबकि बिक्री 48.28 प्रतिशत बढ़कर 20,607 करोड़ रुपए रही। आभूषण प्रभाग के सीईओ अरुण नारायण ने बताया कि एक्सचेंज अभियान से विशेष रूप से शादी-विवाह और पुराने आभूषण बदलकर नए लेने वाले ग्राहकों के बीच खरीद में वृद्धि हुई है। मार्च तिमाही में खरीदारों की संख्या में 8 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने गोल्ड लोन की लागत बढ़ने की संभावना से भी इनकार किया है, क्योंकि ऋण अवधि को 180 दिन से बढ़ाकर 270 दिन कर दिया गया है।

बीते सप्ताह 24 कैरेट सोना 1,270 और चांदी 10,000 रुपए हुई महंगी

नई दिल्ली ।

देश में सोने और चांदी की कीमतों ने इस सप्ताह फिर आसमान छू लिया है। बीते एक हफ्ते में 24 कैरेट सोना करीब 1,270 रुपये महंगा होकर 10 मई, 2026 को राजधानी दिल्ली में 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं 22 कैरेट सोने के दाम में भी लगभग 1,300 रुपये की तेजी आई है। चांदी की कीमतों में भी जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया, जो एक हफ्ते में 10,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ गई है। राजधानी दिल्ली में 10 मई, 2026 को 22 कैरेट सोना 1,39,800 रुपये और 18 कैरेट सोना 1,14,410 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिका। हालांकि, शुक्रवार 8 मई को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने के दाम में हल्की गिरावट भी देखी गई थी, लेकिन यह साप्ताहिक बढ़ोतरी को रोक नहीं पाई। देश के प्रमुख शहरों में कीमतों में थोड़ा अंतर रहा, जहां चेन्नई में 24 कैरेट सोने का भाव सर्वाधिक 1,54,370 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। मुंबई, कोलकाता और हैदराबाद में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। सोने की तरह चांदी भी इस सप्ताह महंगी हुई है, जिसकी कीमत 10 मई को 2,75,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। उल्लेखनीय है कि जनवरी में चांदी ने 4 लाख रुपये प्रति किलोग्राम का रिकॉर्ड स्तर भी छुआ था, जो इसकी कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि को दर्शाता है। जानकारों के अनुसार, सोने-चांदी की कीमतों में यह तेजी वैश्विक आर्थिक स्थिति, डॉलर की मजबूती, ब्याज दरों में बदलाव और निवेशकों की बढ़ती मांग जैसे अंतरराष्ट्रीय कारकों का परिणाम है, जो घरेलू बाजार को भी प्रभावित कर रहे हैं।

आज पूरी दुनिया भारत के आध्यात्मिक मूल्यों से प्रभावित: प्रधानमंत्री

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि कोई भी अभियान तब सफल होता है, जब उसके साथ समाज की शक्ति जुड़ जाती है। उन्होंने कहा कि समाज, राजनीति और सरकारों से भी अधिक शक्तिशाली होता है। कोई भी सरकार तभी सफल हो सकती है, जब समाज स्वयं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाए।

प्रधानमंत्री बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग संस्था की 45वीं वर्षगांठ और गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर के 70वें जन्मोत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में नवनिर्मित ध्यान मंदिर का उद्घाटन कर संस्था की मानसिक स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, प्रकृति संरक्षण तथा सामाजिक परिवर्तन से जुड़ी राष्ट्रव्यापी सेवा पहलों की शुरूआत की।

अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि आज की सुबह अलग अनुभूति लेकर आई है। बच्चों के वैदिक मंत्रों से स्वागत, भगवान गणेश के दर्शन, श्रीश्री रविशंकर के 70 वर्ष और आर्ट ऑफ लिविंग के 45 वर्ष जैसे पल उनकी स्मृतियों में हमेशा बने रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुरुदेव ने मंच से जो बातें कहीं, लोगों को भले लगा हो कि वह उनकी प्रशंसा कर रहे थे लेकिन उन्हें ऐसा लगा जैसे उन्हें और अधिक काम सौंपा जा रहा हो। उन्होंने कहा, ह्वजब आपका शताब्दी समारोह होगा तब मैं फिर से आऊंगा।ह्व

मोदी ने कहा कि दिव्य और भव्य ध्यान मंदिर का लोकार्पण इस बात का प्रतीक है कि जब संकल्प स्पष्ट हो और सेवाभाव से कार्य किया जाए तो हर प्रयास का सुखद परिणाम मिलता है। उन्होंने कहा, ह्वबाकी कुछ हो या न हो, हम सब लोटस की छत्रछाया में हैं। गुरुदेव का आशीर्वाद है तो लोटस की छत्रछाया ही देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।ह्व

प्रधानमंत्री ने कहा कि बेंगलुरु दुनिया में सॉफ्टवेयर और सेवाओं के लिए जाना जाता है लेकिन इस शहर ने भारत की आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक पहचान को भी नई ऊंचाई दी है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत के आध्यात्मिक मूल्यों से प्रभावित हो रही है और इन्हीं प्राचीन परंपराओं से प्रेरित होकर 45 वर्ष पहले श्रीश्री रविशंकर ने आर्ट ऑफ लिविंग का बीज बोया था, जो आज विशाल वटवृक्ष के रूप में लोगों के जीवन को स्पर्श कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत विविधताओं से भरा देश है, जहां अनेक भाषाएं, परंपराएं, रीति-रिवाज और उपासना पद्धतियां हैं। इन विविधताओं को जोड़ने वाला मूल तत्व ह्वस्वयं के लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए जीनाह्व है। मोदी ने कहा कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही संस्कारों की धारा समाज को प्रेरित करती है और भारत के अनेक आध्यात्मिक आंदोलनों ने मानव सेवा के माध्यम से ही स्वयं को अभिव्यक्त किया है।

मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान का उदाहरण देते हुए कहा कि यह अब सरकारी कार्यक्रम न रहकर लोगों के जीवन का स्वाभाविक हिस्सा बन चुका है और समाज की शक्ति से ही आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब समाज जुड़ता है, तब देश की सबसे बड़ी चुनौतियों का भी सामूहिक समाधान निकाला जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने महिलाओं, जनजातीय समाज, ग्रामीण समुदायों और कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्था ने सामाजिक सरोकारों को अपने कार्यक्रमों में विशेष महत्व दिया है। उन्होंने युवाशक्ति पर संस्था के फोकस की भी प्रशंसा की और कहा कि आज विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी नई संभावनाओं के द्वार खोल रहे हैं। भारत केवल बदलाव में भागीदारी नहीं कर रहा बल्कि अनेक क्षेत्रों में नेतृत्व भी कर रहा है। भारत की डिजिटल क्रांति ने देश को डिजिटल भुगतान में वैश्विक का नेतूतवकर्ता बनाया है, देश दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है और भारतीय युवा अंतरिक्ष में अपनी सैटेलाइट भेज रहे हैं।

मोदी ने कहा कि आज तकनीक के जरिए लोग एक पल में दुनिया से जुड़ जाते हैं, लेकिन स्वयं से जुड़ना भी उतना ही जरूरी है और यह भारत की महान आध्यात्मिक परंपराओं से संभव होता है। उन्होंने कहा कि भारत का निर्माण ऐसे युवाओं से होगा जो मानसिक रूप से शांत, सामाजिक रूप से जिम्मेदार और समाज के प्रति संवेदनशील हों। उन्होंने कहा कि मेडिटेशन और मानसिक स्वास्थ्य पर काम करने वाले केंद्र आने वाले समय में उपचार के बड़े केंद्र बनेंगे।

प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि आज इंसान ही नहीं, धरती मां को भी ह्वनेचुरल हीलिंगह्व की जरूरत है। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने के लिए और अधिक प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने जल संरक्षण, बिजली बचाने और सिंगल यूज प्लास्टिक से दूरी बनाने की अपील करते हुए कहा कि यह केवल अभियान नहीं बल्कि जिम्मेदार और जागरूक जीवनशैली का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि ह्वमिशन लाइफह्व भी एक प्रकार से ह्वआर्ट ऑफ लिविंगह्व का ही प्रकट रूप है, जो प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चलने की प्रेरणा देता है।

संक्षिप्त खबरें

रांची-नई दिल्ली-रांची राजधानी एक्सप्रेस का लातेहार स्टेशन पर ठहराव का शुभारम्भ

धनबाद: रेल यात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के मद्देनजर रविवार को सांसद काली चरण सिंह द्वारा लातेहार स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर गाड़ी संख्या 12453 रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के परिचालन का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर अन्य माननीय अतिथि गणमान्य, मंडल के अधिकारीगण, कर्मचारीगण सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। गाड़ी संख्या 12453 रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार को रांची से 17:15 बजे रवाना होकर, 19:28 बजे लातेहार पहुंचेगी एवं 19:30 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी तथा सोमवार को 11:10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इस प्रकार गाड़ी संख्या 12454 नई दिल्ली-रांची राजधानी एक्सप्रेस प्रत्येक शनिवार को नई दिल्ली से 16:10 बजे रवाना होकर, रविवार को 06:37 बजे लातेहार पहुंचेगी एवम्‌ 06:39 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी तथा 09:45 बजे रांची पहुंचेगी।

बठिंडा रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास को 102 करोड़ की मंजूरी, यात्रियों को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

चंडीगढ़। रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने बठिंडा और पूरे मालवा क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ी सौगात का ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बठिंडा रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए 102 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। रवनीत सिंह बिट्टू ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा कि बठिंडा रेलवे स्टेशन मालवा क्षेत्र में व्यापार, कृषि, रक्षा गतिविधियों और यात्री आवागमन का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। स्टेशन के आधुनिकीकरण से न केवल बठिंडा, बल्कि पूरे मालवा क्षेत्र के लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के तहत रेलवे स्टेशन पर आधुनिक यात्री सुविधाएं विकसित की जाएंगी। स्टेशन के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाएगा और इसे विश्वस्तरीय स्वरूप दिया जाएगा, ताकि यात्रियों को बेहतर और सुविधाजनक यात्रा अनुभव मिल सके। केंद्रीय मंत्री ने इस उपलब्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को दिया। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के रेलवे स्टेशनों का तेजी से आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जिससे परिवहन क्षेत्र में बड़े बदलाव आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार भारतीय रेलवे को आधुनिक और यात्रियों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए लगातार काम कर रही है और यह परियोजना मालवा क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाएगी।

फूलो झानो आशीर्वाद अभियान से बदली आशा कुई की जिंदगी

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी के द्वारा संचालित ऱफूलो झानो आशीर्वाद अभियानऱ के माध्यम से पश्चिमी सिंहभूम जिले की महिलाओं के जीवन में व्यापक सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन हो रहा है। उक्त के क्रम में जगन्नाथपुर प्रखंड के कल्लैया गाँव की निवासी आशा कुई की प्रगति की कहानी अभियान की प्रभावशीलता का सशक्त उदाहरण है। श्रीमती कुई इस अभियान से जुड़कर अस्थिर एवं असुरक्षित आजीविका से निकलकर आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन की ओर कदम बढ़ाया है।

आशा कुई पहले अपनी आजीविका के लिए हड़िया बेचने पर निर्भर थीं, जिससे उन्हें अनिश्चित आय प्राप्त होती थी और सामाजिक असुरक्षा का सामना करना पड़ता था।

वर्ष 2025 में आशा कुई स्वयं सहायता समूह (SHG) से जुड़ीं और उनके जीवन में जागरूकता एवं आत्मविश्वास का विकास हुआ। समूह के माध्यम से उन्हें फूलो झानो आशीर्वाद अभियान के तहत 20,000/- की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। प्राप्त राशि का उपयोग उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से करते हुए 10,500 में सिलाई मशीन खरीदी तथा शेष राशि से बत्तख एवं मुर्गी पालन की शुरूआत किया। साथ ही, उन्हें मईयां सम्मान योजना एवं SHG के माध्यम से अतिरिक्त ऋण सहयोग भी प्राप्त हुआ, जिसका उपयोग उन्होंने अपने पति के इलाज एवं कृषि कार्यों में निवेश के लिए किया।

संस्थागत मार्गदर्शन एवं निरंतर प्रयास के परिणामस्वरूप आशा कुई ने अपनी आजीविका के स्रोतों का विविधीकरण किया। वर्तमान में वे सिलाई कार्य, बत्तख पालन एवं सब्जी विक्रय के माध्यम से नियमित एवं स्थिर आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने हड़िया बेचने का कार्य पूरी तरह बंद कर दिया है और अब वे सम्मानजनक जीवन यापन कर रही हैं। आज आशा कुई आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। उनकी आय में स्थिरता आई है, जीवन स्तर में सुधार हुआ है तथा वे सामाजिक रूप से अधिक सशक्त हुई हैं। उनकी सफलता से प्रेरित होकर उनके गाँव की अन्य महिलाएँ भी स्वयं सहायता समूह से जुड़कर आजीविका के नए अवसरों की ओर अग्रसर हो रही हैं।

इस संबंध में जिला प्रशासन ने बताया कि फूलो झानो आशीर्वाद अभियान महिलाओं को असुरक्षित एवं गैर-सम्मानजनक कार्यों से मुक्त कर उन्हें सम्मानजनक एवं स्थायी आजीविका से जोड़ने की दिशा में एक प्रभावी पहल है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण एवं बाजार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। आशा कुई की यह प्रेरक यात्रा दर्शाती है कि उचित मार्गदर्शन, संस्थागत सहयोग एवं दृढ़ संकल्प के साथ कोई भी महिला अपने जीवन की दिशा बदल सकती है। फूलो झानो आशीर्वाद अभियान महिलाओं के सशक्तिकरण एवं स्थायी सामाजिक परिवर्तन का मजबूत आधार बनता जा रहा है।

अमित शाह ने लू से निपटने के लिए देश की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को नई दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक के दौरान संभावित बाढ़ और लू से निपटने के लिए देश की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की।

बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में स्थित 30 उच्च जोखिम वाली झीलों के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित करने की योजना में कम से कम 60 झीलों को शामिल किया जाना चाहिए। यह प्रणाली राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से विकसित की जानी चाहिए। श्री शाह ने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर बाढ़ पूवार्नुमान के लिए एक एकीकृत प्रणाली होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक राज्य में बाढ़ संकट प्रबंधन दल (एफसीएमटी) गठित और सक्रिय किए जाने चाहिए। आपदाओं के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा जारी दिशानिर्देशों से जागरूकता बढ़ी है और ऱसमग्र सरकारीऱ दृष्टिकोण विकसित हुआ है लेकिन राज्य, जिला और नगरपालिका स्तर पर इन दिशानिर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करने से इनके कार्यान्वयन को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने एनडीएमए को एक अध्ययन करना चाहिए ताकि यह पता लगाया जा सके कि कितने राज्य वन अग्नि, लू और बाढ़ से निपटने के लिए गृह मंत्रालय के निदेशों और एनडीएमए के दिशानिदेशों का पालन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जल भंडारण और चेक डैम परियोजनाओं के माध्यम से जल संरक्षण और भूजल स्तर में सुधार की अधिक संभावनाओं का पता लगाया जाना चाहिए। हमारा उद्देश्य नदियों पर चेक डैम बनाकर जल संरक्षण करना और साथ ही लू के प्रभाव को कम करना होना चाहिए। इसके अलावा, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से किए जा रहे प्रयासों को अधिक बहुआयामी बनाने के लिए कैम्पा फंड का उपयोग किया जाना चाहिए। शाह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम के बदलते स्वरूप और उससे उत्पन्न होने वाली आपदा संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए संपूर्ण सरकारी और संपूर्ण सामाजिक दृष्टिकोण अपनाते हुए एक व्यापक योजना तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने बैठक में उपस्थित मंत्रालयों और विभागों के अधिकारियों से नए ऐप और पोर्टल बनाने के बजाय मौजूदा ऐप और पोर्टलों को सुदृढ़ और बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद अपनी दृढ़संकल्प से आत्मनिर्भरता की मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं बिनेश्वरी देवी

बिभा संवाददाता

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझगांव प्रखंड के अंतर्गत ग्राम कटामनी, पंचायत सोनापोसी की निवासी बिनेश्वरी देवी, पति- चंद्रकांत बारिक, एक मेहनती एवं संघर्षशील महिला हैं। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने अपने दृढ़ संकल्प एवं परिश्रम से आत्मनिर्भरता की मिसाल प्रस्तुत की है। पूर्व में उनका परिवार कृषि एवं दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर था। आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं होने के कारण परिवार की दैनिक आवश्यकताओं एवं बच्चों की शिक्षा-स्वास्थ्य की पूर्ति करना चुनौतीपूर्ण था।

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के अंतर्गत श्रीमती बिनेश्वरी देवी को दो दुधारू गाय प्रदान की गई। यह उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। योजना के माध्यम से उन्हें पशुपालन संबंधी आवश्यक मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ। दोनों दुधारू गायों से वर्तमान में प्रतिदिन कुल लगभग 10-11 लीटर दूध उत्पादन हो रहा है और 40 प्रति लीटर की दर से स्थानीय बाजार में ही दूध विक्रय कर रही हैं। वर्तमान में श्रीमती बिनेश्वरी देवी का औसतन मासिक आय 12,000/- से 13,000/- है। बिनेश्वरी देवी एक आत्मनिर्भर महिला के रूप में स्थापित हो चुकी हैं। वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर रही हैं तथा बच्चों की शिक्षा एवं भविष्य को सुरक्षित बना रही हैं। उनकी सफलता से गांव की अन्य महिलाएं भी प्रेरित हुई हैं। श्रीमती बिनेश्वरी देवी की यह सफलता कहानी दर्शाती है कि यदि सही योजना एवं अवसर मिले, तो ग्रामीण महिलाएं भी आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनीं।

परिवर्तन की पटरियाँ: पूर्व रेलवे का महीने भर चलने वाला 'स्वच्छता' अभियान स्टेशनों पर छा गया

बिहान भारत

कोलकाता : एक स्वच्छ और हरित यात्रा अनुभव की दिशा में एक बड़े प्रयास के तहत, पूर्व रेलवे वर्तमान में 15 अप्रैल से 14 मई, 2026 तक एक समर्पित स्वच्छता अभियान चला रहा है। 'स्वच्छ रेल - स्वच्छ भारत' के दृष्टिकोण से प्रेरित यह महीने भर चलने वाला मिशन, सभी मंडलों और विभागों में स्वच्छता गतिविधियों की एक लहर देख रहा है। इस पूरे अभियान का निष्पादन पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देउस्कर के गतिशील नेतृत्व में किया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधकों से लेकर फ्रंटलाइन कर्मचारियों तक, रेलवे परिवार के हर विंग ने यह सुनिश्चित करने के लिए हाथ मिलाया है कि स्टेशन परिसर, कॉलोनियां और पटरियां बेदाग रहें।

6 मई से 9 मई के बीच की अवधि में विशेष रूप से पूर्व रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की उच्च-ऊर्जा भागीदारी देखी गई, जो इस मिशन के स्वच्छता योद्धाओं के रूप में उभरे हैं। 6 मई को, नैहाटी समूह ने नैहाटी स्टेशन और रेलवे कॉलोनी में एक जीवंत रैली का आयोजन किया। युवा पीढ़ी के लिए संदेश को यादगार बनाने के लिए, लोकप्रिय शुभंकर मिकी माउस और छोटा भीम स्काउट्स एंड गाइड्स बैंड टीम के साथ शामिल हुए। साथ ही, प्रथम सियालदह समूह ने सियालदह स्टेशन पर सफल जागरूकता अभियान चलाया, जबकि बैरकपुर समूह ने यात्रियों के साथ संवादात्मक सत्रों के माध्यम से स्वच्छ रेलवे, हरित रेलवे के मंत्र को बढ़ावा दिया। इन समूहों ने सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने में सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला, जिसे जनता से व्यापक सराहना मिली। इन तिथियों के दौरान, विभिन्न स्टेशनों पर पटरियों, पानी के बूथों और प्रतीक्षा हॉल की गहन सफाई भी की गई, जिसकी निगरानी वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों द्वारा की गई ताकि स्वच्छता के उच्चतम मानक सुनिश्चित किए जा सकें।

पूर्व रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स ने इस प्रशासनिक कार्य को एक सच्चे जन आंदोलन में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पोस्टर, तख्तियों और सीधे संवाद का उपयोग करके, उन्होंने रेलवे प्रशासन और यात्रा करने वाली जनता के बीच की खाई को सफलतापूर्वक पाटा है। उनके समर्पण ने यह सुनिश्चित किया है कि स्वच्छता का संदेश व्यस्त प्लेटफार्मों से लेकर आवासीय रेलवे कॉलोनियों तक, रेलवे नेटवर्क के हर कोने में पहुंचे।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा, स्वच्छता एक दिन की घटना नहीं बल्कि एक निरंतर आदत है जो हमारे नागरिक चरित्र को परिभाषित करती है। इस महीने भर चलने वाले अभियान के माध्यम से, हम केवल प्लेटफार्मों की सफाई नहीं कर रहे हैं; हम देखभाल की संस्कृति विकसित कर रहे हैं। जब यात्री हमारे युवा स्काउट्स और गाइड्स को उदाहरण पेश करते हुए देखते हैं, तो यह उनमें स्वामित्व की भावना जगाता है। हम हर यात्री को पूर्व रेलवे को चमकता हुआ रखने में अपना भागीदार बनने के लिए आमंत्रित करते हैं।

आसनसोल मंडल में मेगा ब्लॉक के दौरान व्यापक ट्रैक नवीनीकरण एवं सुरक्षा संबंधी कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न

बिहान भारत

आसनसोल: पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने 10 मई 2026 को निर्धारित मेगा ब्लॉक एवं उसके शैडो अवधि के दौरान मंडल के विभिन्न खंडों में व्यापक ट्रैक नवीनीकरण, अनुरक्षण तथा आधारभूत संरचना सुधार कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न किए। इन कार्यों का उद्देश्य रेलवे आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करना, परिचालन सुरक्षा बढ़ाना तथा रेल सेवाओं के सुचारु एवं विश्वसनीय संचालन को सुनिश्चित करना है।

मेगा ब्लॉक एक नियोजित अवधि होती है, जिसके दौरान ट्रेन परिचालन को अस्थायी रूप से विनियमित किया जाता है ताकि रेलवे अभियंता एवं ट्रैक कर्मी ऐसे महत्वपूर्ण अनुरक्षण एवं निर्माण कार्य कर सकें, जिन्हें सामान्य ट्रेन परिचालन के दौरान करना संभव नहीं होता। इस प्रकार के कार्य रेलवे ट्रैकों को सुरक्षित स्थिति में बनाए रखने तथा समयनिष्ठ और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

मेगा ब्लॉक के दौरान बोडमाझ्रजामताड़ा के बीच समपार फाटक संख्या 08 तथा जोरामोवझ्रमधुपुर के बीच समपार फाटक संख्या 17 पर लिमिटेड हाइट सबवे के निर्माण हेतु 12 प्रीकास्ट प्रबलित सीमेंट कंक्रीट बॉक्स एवं बेस स्लैब लॉन्च किए गए। कार्य पूर्ण होने पर ये सबवे वर्तमान समपार फाटकों का स्थान लेंगे और सड़क यातायात को निर्बाध मार्ग उपलब्ध कराते हुए रेल एवं सड़क दोनों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण सुधार करेंगे।

मेगा ब्लॉक के दौरान किए गए प्रमुख कार्यों में तापमान परिवर्तन के दौरान ट्रैक की स्थिरता बनाए रखने के लिए 7 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का डी-स्ट्रेसिंग, सालानपुर में एक डायमंड क्रॉसिंग तथा एक रेलवे स्विच का प्रतिस्थापन, गर्मी एवं सर्दी के दौरान रेल पथ के सुरक्षित विस्तार-संकुचन के लिए चार विशेष एक्सपेंशन जॉइंट्स की स्थापना, दो टर्नआउट (प्वाइंट्स एवं क्रॉसिंग) का नवीनीकरण तथा डाउन लाइन में पुल संख्या 691 पर 50 मीटर रेल का प्रतिस्थापन शामिल है।

ट्रैक की समरेखण गुणवत्ता और यात्रा सुविधा में सुधार हेतु जामताड़ा में 17 किलोमीटर ट्रैक तथा छह टर्नआउट की विशेष मशीनों द्वारा टैम्पिंग की गई, जिसके बाद 4 किलोमीटर में डायनेमिक ट्रैक स्टेबलाइजेशन किया गया। इसके अतिरिक्त नौ कंक्रीट स्लीपरों का प्रतिस्थापन, 46 रेल जोड़ों की वेल्डिंग, ट्रैक फास्टनिंग का नवीनीकरण, एक किलोमीटर रेल पेंटिंग, 350 मीटर रेल परिवर्तन तथा सिग्नलिंग में प्रयुक्त 12 ग्लूड इंसुलेटेड जॉइंट्स का नवीनीकरण किया गया।

इन कार्यों के सफल निष्पादन से रेल पथ और अधिक सुदृढ़ होगा, यात्रा की सुगमता बढ़ेगी तथा गति प्रतिबंधों एवं अनुरक्षण संबंधी व्यवधानों की संभावना कम होगी। इससे यात्रियों को अधिक सुरक्षित, आरामदायक और विश्वसनीय रेल सेवाएं प्राप्त होंगी, जबकि मालगाड़ियों का परिचालन भी अधिक दक्षतापूर्वक हो सकेगा। ये प्रयास आसनसोल मंडल द्वारा मजबूत रेलवे आधारभूत संरचना के अनुरक्षण तथा सुरक्षित एवं कुशल रेल परिचालन सुनिश्चित करने की दिशा में किए जा रहे सतत कार्यों को दर्शाते हैं।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट, भोसले गली, हरिहर सिंह रोड, बरियातु, रांची-834009 (झारखंड) दूरभाष: 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com